धनबाद
मंगलवार 12.05.2026
मूल्य-₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-79 पृष्ठ-12
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-11
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशवासियों से बड़ी अपील सोना खरीदने से बचें और ईंधन की खपत घटाएं

वडोदरा (ईएमएस): पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से लगातार दूसरी बार विशेष अपील करते हुए कहा है कि फिलहाल सोना खरीदने से बचें और पेट्रोल तथा डीजल का उपयोग कम करें। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि देश को ऐसी वस्तुओं के उपयोग में कमी लानी होगी जिनके लिए विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने २४ घंटे के भीतर दूसरी बार यह संदेश देते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां भारत के लिए भी चुनौती लेकर आई हैं।

उन्होंने वडोदरा में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि दुनिया पिछले कुछ वर्षों से लगातार संकटों से गुजर रही है। पहले महामारी का दौर आया, फिर आर्थिक चुनौतियां सामने आईं और अब पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है और इसमें कच्चा तेल तथा सोना प्रमुख हैं। ऐसे में जब तक वैश्विक हालात सामान्य नहीं हो जाते, हर नागरिक को जिम्मेदारी निभानी होगी।

उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जहां तक संभव हो निजी वाहनों का कम उपयोग करें, साझा वाहन व्यवस्था अपनाएं और सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल करें। सरकारी और निजी कार्यालयों में घर से काम करने और डिजिटल बैठकों को प्राथमिकता देने की भी सलाह दी गई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे हर बूंद से घड़ा भरता है, वैसे ही हर छोटा प्रयास देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे सकता है।

उन्होंने एक बार फिर स्थानीय उत्पादों को अपनाने और देश के उद्यमियों को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

पश्चिम बंगाल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, मनोज अग्रवाल बने नए मुख्य सचिव

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के साथ ही प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव देखने को मिला है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मनोज अग्रवाल को प्रदेश का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। इस संबंध में सोमवार को आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे मनोज अग्रवाल अब प्रदेश की नौकरशाही की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे।

पश्चिम बंगाल संवर्ग के १९९० बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी मनोज अग्रवाल लंबे समय से प्रशासनिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं और चुनावी प्रक्रिया के दौरान भी उनकी भूमिका काफी अहम मानी गई।

सोमनाथ अमृत महोत्सव भारत की 1000 वर्षों की प्रेरणा का प्रतीक : प्रधानमंत्री

गिर सोमनाथ (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सोमनाथ में आयोजित 'सोमनाथ अमृत पर्व-२०२६' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' केवल अतीत का उत्सव नहीं है, बल्कि यह आने वाले १००० वर्षों तक भारत की प्रेरणा का महोत्सव है। वे सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की ७५वीं वर्षगांठ के अवसर पर सद्भावना मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह वही पवित्र धाम है जिससे सृष्टि का निर्माण और लय दोनों जुड़ा है। भगवान शिव, जिन्होंने विष (हलाहल) का पान कर नीलकंठ का स्वरूप धारण किया, उसी दिव्य शक्ति के स्मरण में यह अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने इसे भगवान सदाशिव की दिव्य लीला बताया।

उन्होंने कहा कि ७५ वर्ष पहले सोमनाथ मंदिर की पुनःस्थापना कोई साधारण घटना नहीं थी। १९४७ में देश आज़ाद हुआ और १९५१ में सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया। सरदार वल्लभभाई पटेल ने ५०० से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर आधुनिक भारत की नींव रखी और सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कर दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत केवल स्वतंत्र ही नहीं हुआ, बल्कि अपने प्राचीन गौरव को पुनः प्राप्त करने की ओर भी बढ़ चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर ने विनाश में भी सृजन का संदेश दिया है ▶▶ 8

बुलेट ट्रेन खत्म करेगी छोटे रूटों पर हवाई सफरः रेल मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत में बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि आने वाले वर्षों में, भारत का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क कई छोटे घरेलू हवाई मार्गों पर हवाई यात्रा को करीब-करीब समाप्त कर देगा। सीआईआई बिजनेस समिट में रेल मंत्री वैष्णव ने एयरलाइन निवेशकों को आगाह कर संकेत दिया कि मुंबई-पुणे, हैदराबाद-बेंगलुरु और बेंगलुरु-चेन्नई जैसे प्रमुख रूटों पर यात्री अब फ्लाइट के बजाय बुलेट ट्रेन को प्राथमिकता देने वाले है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव का तर्क है कि जिस तरह जापान, चीन और दक्षिण कोरिया में हाई-स्पीड रेल ने घरेलू विमानन बाजार को पूरी तरह बदल दिया है, ठीक उसी तरह भारत में भी एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा।

केंद्रीय रेल मंत्री के अनुसार, मुंबई से पुणे की दूरी बुलेट ट्रेन से केवल ४८ मिनट में तय होगी। इसी तरह, पुणे से हैदराबाद की यात्रा १ घंटा ५५ मिनट में, हैदराबाद से बेंगलुरु की यात्रा ▶▶ 8

पश्चिम एशिया संकटः राजनाथ ने की मंत्रियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक

नई दिल्ली (ईएमएस): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति पर नज़र रखने के लिए गठित मंत्रियों के अनौपचारिक अधिकार प्राप्त समूह की बैठक की अध्यक्षता की। बता दें पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे माल की कीमतों में आई तेजी के बीच एडहेसिव और निर्माण रसायन बनाने वाली कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज कीमतों में एक और दौर की वृद्धि पर विचार कर रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक सुधांशु वत्स ने यह जानकारी दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फेविकोल, डॉ फिक्सिट, फेवीक्विक और एम-सील जैसे ब्रांड की मालिक कंपनी अप्रैल और मई में पहले ही दो बार कीमतें बढ़ा चुकी है। वत्स ने कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद संवाददाताओं से कहा कि कंपनी के कच्चे माल की लागत, जो मुख्य रूप से कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों पर आधारित है, पश्चिम एशिया संकट के कारण भारित औसत आधार पर ४०-५० फीसदी तक बढ़ गई है।

न्याय भले ही अंधा हो, उसमें हास्य-बोध होता है..

सीजेआई सूर्यकांत ने अदालतों के अंदर की परिस्थितियों पर अपनी बात रखी

नई दिल्ली,(ईएमएस): भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि न्याय भले ही अंधा होता है, लेकिन इसमें हास्य-बोध भी होता है, जो बहुत ही बेहतरीन होता है। सीजेआई सूर्यकांत ने रविवार को एक ऐसे कार्यक्रम में अदालतों के अंदर की परिस्थितियों पर अपनी बात रखी, जिसमें एक तरह से पूरा सुप्रीम कोर्ट मौजूद था। सीजेआई ने कहा कि हर फैसले के पीछे एक इंसान ही होता है, जिसकी अपनी कमियां भी हो सकती हैं, लेकिन उसमें हास्य भी हो सकता है और उससे सीखने का मौका भी मिलता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की पुस्तकों की लॉन्च पर पहुंचे थे और उन्होंने दोनों किताबों का जिक्र किया- द बेंच, द बार एंड द बिजार: द क्यूरियस एंड द एक्ट्राऑर्डिनरी इन लॉ; और द लॉफुल एंड द ऑफुल:क्रकी टेल्स फ्रॉम द वर्ल्ड ऑफ लॉ। उन्होंने कहा कि कोर्टरूम ऐसी जगह है जहां रंगमंच और कानून का मिलन होता है। न्याय भले ही अंधा हो, लेकिन उसमें अनोखा हास्य-बोध होता है, शायद हंसी मजाक के प्रति एक लगाव भी।

कार्यक्रम में सीजेआई बोल रहे थे, वहां सुप्रीम कोर्ट के करीब सभी जज श्रोताओं के तौर पर मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां का हास्य उपहास नहीं, बल्कि शिक्षा है...एक ऐसी दुनिया, जिसमें कानून को अक्सर ठरावनी ▶▶ 8

सुवेंदु कैबिनेट की पहली बैठक, सीमा सुरक्षा से लेकर जन कल्याण तक के फैसले

सीमा सुरक्षा बल को भूमि आंवटित करने का फैसला

कोलकत्ता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में नवगठित सुवेंदु अधिकारी मंत्रिमंडल ने अपनी पहली बैठक में कई महत्वपूर्ण और दूरगामी फैसले किए हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में बांग्लादेश से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को ४५ दिनों के भीतर भूमि आवंटित करने का निर्णय हुआ। मुख्यमंत्री अधिकारी ने बताया कि यह कदम भाजपा के संकल्प पत्र में किए गए वादे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की घोषणा के अनुरूप है, जिससे राज्य की बिना बाड़ वाली सीमाओं को सुरक्षित करने में मदद मिलेगी।

वहीं कैबिनेट द्वारा पारित दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय केंद्र प्रायोजित स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत को पश्चिम बंगाल में लागू करना है। यह फैसला इसकारण अहम है क्योंकि बीती तृणमूल कांग्रेस सरकार ने राज्य की अपनी स्वास्थ साथी योजना का हवाला देकर आयुष्मान भारत योजना को लागू करने से इंकार कर दिया था। अब राज्य में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री कृषक बीमा योजना, पीएम श्री योजना, विश्वकर्मा योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और उज्ज्वला योजना सहित कई अन्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं को भी चरणबद्ध तरीके से लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ▶▶ 8

बंगाल चुनाव हार पर टीएमसी का नया दावाः एसआईआर के कारण गई 31 सीटें

अदालत में दिया अलग याचिका का सुझाव

नई दिल्ली (ईएमएस): पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद सत्ता से बाहर हुई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सुप्रीम कोर्ट में नतीजों को लेकर एक नया दावा पेश किया है। ममता की पार्टी ने सोमवार को एसआईआर (स्ट्राइक-आउट, इनएलिजिबल और रिजेक्टेड) से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इसी प्रक्रिया के चलते ३१ सीटों पर चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ और पार्टी को हार का सामना करना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार के लिए पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलील में कहा कि इन ३१ सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का अंतर एसआईआर में हटाए गए मतदाताओं की संख्या से भी कम है। उन्होंने कहा कि यदि एसआईआर के कारण मतदाताओं का नाम सूची से नहीं हटाया जाता, तब इन सीटों का परिणाम निश्चित रूप से कुछ और हो सकता था और इससे चुनाव का रुख बदल सकता था। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कई सीटें ऐसी भी हैं, जहां कटे हुए वोटों की संख्या और जीत का अंतर करीब बराबर है। उन्होंने कहा कि एक सीट पर, तब तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार मात्र ८६२ वोटों से हार गया, जबकि उसी सीट पर एसआईआर प्रक्रिया के तहत ५४३२ वोट हटा दिए गए थे। तृणमूल ▶▶ 8

तमिलनाडु की राजनीति में हलचल, अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम में फिर टूट के संकेत

चेन्नई (ईएमएस): तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद अब अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के भीतर नेतृत्व को लेकर नई खींचतान शुरू हो गई है। पार्टी में एक और बड़ी टूट की आशंका जताई जा रही है, जिससे राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है।

सूत्रों के अनुसार पार्टी के करीब ३० विधायकों ने कार्यवाहक विधानसभा अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर एस पी वेलुमणि को विधायक दल का नेता मान्यता देने की मांग की है। बताया जा रहा है कि यह समूह वरिष्ठ नेता सी वी शणमुगम के समर्थन में खड़ा है और पार्टी नेतृत्व में बदलाव चाहता है। वहीं दूसरी ओर पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पडी के पलानीस्वामी के समर्थन में भी १७ विधायकों ने अलग पत्र सौंपा है। इससे साफ है कि पार्टी अब दो खेमों में बंटती दिखाई दे रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सी वी शणमुगम का गुट अभिनेता और मुख्यमंत्री विजय की सरकार को समर्थन देने के पक्ष में है। अगर यह गुट पार्टी के कुल विधायकों में दो-तिहाई समर्थन जुटाने में सफल रहता है, तो वह खुद को पार्टी का वास्तविक नेतृत्व होने का दावा कर सकता है।

एआई से ऊर्जा खपत में होगी भारी वृद्धि भारत को अभी से करनी होगी तैयारीः अदाणी

नई दिल्ली (ईएमएस): अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सोमवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मोबाइल डेटा विस्फोट जैसी क्रांति लाएगा, जिससे ऊर्जा की खपत में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, गौतम अदाणी ने एक दशक पहले के मोबाइल डेटा विस्फोट का उदाहरण दिया, जहाँ स्मार्टफोन के किफायती होने, नेटवर्क विस्तार और डेटा कीमतों में गिरावट से खपत में जबरदस्त उछाल आया था। उन्होंने कहा कि एआई भी इसी तरह की वृद्धि लाएगा, लेकिन यह वृद्धि कहीं अधिक ऊर्जा खपत करने वाली होगी। अदाणी ने चेतावनी दी कि डेटा सेंटर की क्षमता, जिसके २०३० तक ५ गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है, २०४७ तक लगभग ७५ गीगावाट तक बढ़ सकती है, इसीलिए भारत को अभी से तैयारी करनी होगी।

अदाणी समूह के प्रमुख ने भारत की विकास गाथा पर कहा कि देश आम परिवारों, फैलते शहरों, सक्रिय कारखानों, इलेक्ट्रिक वाहनों और विस्तार की प्रतीक्षा कर रहे लाखों छोटे व्यवसायों के लिए लगातार विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में एक बड़ा फायदा यह है कि हम जो कुछ भी बनाएंगे, उसकी मांग पहले से ही मौजूद होगी, और चुनौती क्षमता का निर्माण कर इस मांग को पूरा करने की है। ऊर्जा क्षेत्र में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए अदाणी ने बताया कि मार्च २०२६ तक स्थापित ऊर्जा क्षमता ५०० गीगावाट से अधिक हो गई है, जो बीते १० वर्षों में ५३ प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी इस क्षमता को ४ गुना तक बढ़ाकर २०४७ तक २,००० गीगावाट तक पहुंचाने के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। अदाणी ने देश की जीडीपी वृद्धि की दिशा को अभूतपूर्व बताया। ▶▶ 8

मंत्री-नेताओं के काफिले पर पाबंदी, बड़ी चुनावी रैलियां एक साल के लिए बंद हों

पीएम मोदी की अपील पर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर, कर दी तीन मांगें

नई दिल्ली (ईएमएस): दुनियाभर में जारी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में पीएम मोदी ने देशवासियों से सामूहिक भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ईंधन का संयमित उपयोग किया जाए, साथ ही अगले एक साल तक सोने की खरीद न की जाए। पीएम मोदी की इस अपील पर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) गुट की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी पीएम मोदी का नाम न लेते हुए कहा कि सेंट्रल एशिया में जारी संघर्ष को संभालने में नीतिगत विफलता के चलते चुनाव संबंधी निर्णयों का बोझ

अब नागरिकों पर नहीं डाला जा सकता और उनसे तेल बचाने या यात्रा कम करने को नहीं कहा जा सकता। चतुर्वेदी ने कहा कि नागरिक पहले से ही इस सरकार के चुनावी नीतियों पर केंद्रित शासन और पुरस्कार बटोरने वाली विदेश नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। इसके साथ शिवसेना नेता अपने एक्स से देश वासियों को कुछ सुझाव भी शेयर किए, जिनमें मंत्री और नेताओं के लंबे काफिले पर पाबंदी लगाना, बड़ी चुनावी रैलियां एक साल के लिए बंद करना, बड़े शपथ ग्रहण समारोह पर पाबंदी हो, सिर्फ उब्ल्यूएचएफ यानी वॉच फ्रॉम होम करना शामिल है।

बता दें पीएम मोदी ने रविवार को हैदराबाद में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया आर्थिक उथल-पुथल, सप्लाई चेन में व्यवधान और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों से जूझ रही है, जिसका असर बढ़ती महंगाई के रूप में सामने आ रहा है। ऐसे समय में भारत को मजबूत बनाए रखने के लिए सामूहिक भागीदारी बेहद जरूरी है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी दैनिक आदतों में बदलाव लाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। उन्होंने लोगों से एक साल तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने का आग्रह किया, ताकि विदेशी मुद्रा के अनावश्यक बहिर्वाह को रोका जा सके। साथ ही उन्होंने पेट्रोल और डीजल के संयमित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि तेल की बचत से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। पीएम मोदी ने ईंधन की खपत कम करने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। निजी वाहनों के ▶▶ 8

संपादकीय | दिल्ली में अपराधियों का बढ़ता दुस्साहस

देश की राजधानी होने के नाते यह उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था अन्य जगहों के मुकाबले ज्यादा चाक-चौबंद होगी और यहां अपराध को ज्यादा सक्षम तरीके से काबू में किया जाएगा। मगर समय-समय पर आने वाले अपराध के आंकड़ों में यही विडंबना सामने आती है कि दिल्ली में अपराधियों का दुस्साहस उफान पर है और उन पर पूरी तरह लगाम लगा पाना पुलिस-प्रशासन के लिए संभव नहीं हो सका है।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दर्ज हुए आपराधिक मामलों के संदर्भ में देश के अन्य महानगरों की तुलना में दिल्ली की दशा ज्यादा खराब है। सवाल है कि हर स्तर पर कानून-व्यवस्था के पुख्ता होने के दावों के बावजूद स्थिति ऐसी क्यों है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की 'भारत में अपराध 2024' रिपोर्ट में यह उजागर हुआ है कि देश के उन्नीस महानगरों की तुलना में दिल्ली में सबसे ज्यादा संज्ञेय अपराधों के मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि पिछले दो वर्ष में अपराधों में गिरावट देखी गई है, इसके बावजूद एनसीआरबी के आंकड़े यही बताते हैं कि अपराध और अपराधियों पर काबू पाने में यहां की पुलिस को अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही है। आंकड़ों के मुताबिक, देश के उन्नीस महानगरों में कुल पांच लाख तिरानबे हजार छियानबे मामले दर्ज हुए, जिनमें अकेले दिल्ली की भागीदारी छियालीस फीसद से ज्यादा रही। कहा जा सकता है कि देश के कुल महानगरों में जितने अपराध होते हैं, उनमें से हर दूसरा दिल्ली में दर्ज हुआ।

हालांकि एनसीआरबी की मानें तो एक पहलू यह है कि जिन राज्यों में ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज

कराने की सुविधा है, वहां लोग जघन्य से लेकर छोटे-बड़े सभी अपराधों की शिकायतें आसानी से दर्ज करा सकते हैं। जिन राज्यों में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां अपराध के आंकड़े तुलनात्मक रूप से कम दर्ज हो सकते हैं। यानी यह स्वीकार किया जा रहा है कि देश के कई हिस्सों में आज भी सुविधा न होने या फिर प्रक्रिया की जटिलता की वजह से बहुत सारे लोग पुलिस के पास अपनी शिकायत दर्ज नहीं कर पाते। अंदाजा लगाया जा सकता है कि अपराध के कितने पीड़ित इंसाफ का इंतजार करते रह जाते होंगे।

इस लिहाज से देखें तो निश्चित तौर पर दिल्ली में एक तंत्र के काम करने के ढांचे में बेहतरी लाई गई है। मगर सवाल है कि अपराधों की रोकथाम के लिए सरकार और संबंधित महकमे क्या करते हैं। इसके अलावा, वक्त के साथ एक नई जटिलता यह पैदा हुई है कि रोजमर्रा की गतिविधियों के संदर्भ में जैसे-जैसे लोगों की निर्भरता डिजिटल माध्यमों पर बढ़ रही है, अब अपराधियों की नजर उधर भी खिसक रही है। मसलन, खुद एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि साइबर अपराधियों के गिरोह अब डिजिटल संसार में अपनी दखल बढ़ा रहे हैं। साइबर अपराधों में करीब अठारह फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसमें ऑनलाइन ठगी, 'डिजिटल अरेस्ट' और भयादोहन जैसे मामले सबसे ज्यादा देखे जा रहे हैं। यह हाल के वर्षों में उपजी नई चुनौती है, जिससे निपटना बेहद जरूरी है।

महानगरों में सुविधाओं से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक सब कुछ अन्य शहरों के मुकाबले ज्यादा बेहतर और दुरुस्त होने की उम्मीद की जाती है। उसमें भी अगर अपराध के मामले में दिल्ली कई महानगरों को पीछे छोड़ रही है, तो यह सोचने का वक्त है कि आखिर यहां सरकार, पुलिस और खुफिया तंत्र तथा अन्य एजेंसियों के बीच किस स्तर पर तालमेल और सक्रियता में कमी है, जिसमें तत्काल सुधार की जरूरत है।

जहरीले रसायनों से फल-सब्जियों की खेती पर उठे बड़े सवाल

स्वस्थ रहने के लिए फल और हरी सब्जियों का सेवन जरूरी माना जाता है। चिकित्सक भी लोगों को अपने रोजमर्रा के आहार में इन्हें शामिल करने की सलाह देते हैं। मगर इनकी पैदावार में जहरीले रसायनों का बढ़ता इस्तेमाल गंभीर चिंता का विषय बन गया है। फलों को समय से पहले पकाने, चमकदार बनाने और हरी सब्जियों का आकार जल्दी बढ़ाने के लिए विभिन्न तरह के रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है, जो मनुष्य के लिए घातक हो सकते हैं। ऐसा ही एक मामला हाल में मुंबई के पायधोनी इलाके में सामने आया, जहां तरबूज खाने के बाद एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। फोरेंसिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, मृतकों के आंतरिक अंगों और तरबूज के नमूनों में चूहे मारने की दवा के अंश पाए गए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि तरबूज के अंदर यह दवा कैसे आई। इस बात की आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं तरबूज को पकाने के लिए तो इस दवा का इस्तेमाल नहीं किया गया। इस मामले में पुलिस की जांच के बीच अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर परिवार के चार सदस्यों की मौत के लिए जिम्मेदार कौन है? फसलों को कीटों और अन्य जंतुओं से बचाने के लिए कीटनाशक तैयार किए गए हैं, लेकिन इनका अंधाधुंध और अवैज्ञानिक इस्तेमाल अब मानव के स्वास्थ्य तथा जीवन पर भारी पड़ रहा है। ऐसी खबरें भी आती रहती हैं कि कच्चे फल-सब्जियों को पकाने और उनका आकार जल्दी बढ़ाने के लिए इंजेक्शन से उनके भीतर रसायन डाला जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है। हालांकि सरकार की ओर से कीटनाशकों की खरीद-बिक्री और इनके इस्तेमाल को लेकर नियम-शर्तें लागू की गई हैं, लेकिन इन पर कड़ाई से अमल सुनिश्चित करने में विभिन्न स्तरों पर लापरवाही साफ नजर आती है। ऐसे में इसकी नितांत जरूरत है कि संबंधित महकमे की ओर से नियमित तौर पर फल-सब्जियों की जांच की जाए, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो और हानिकारक रसायनों के इस्तेमाल से सेहत पर दुष्प्रभाव को लेकर व्यापक जागरूकता फैलाई जाए, ताकि लोगों के स्वास्थ्य एवं जीवन के साथ किसी तरह का खिलवाड़ न हो।

आज का कार्टून

बिहार: मंत्रिमंडल विस्तार के राजनीतिक निहितार्थ

> बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल विस्तार के कई गहरे राजनीतिक मायने हैं। यह केवल सत्ता संचालन का मामला नहीं, बल्कि 2029 लोकसभा और आगामी बिहार विधानसभा चुनावों की व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी ने इसे राष्ट्रीय स्तर का शक्ति प्रदर्शन बना दिया। पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा को मिली अभूतपूर्व विजय से बिहार का महत्व और भी बढ़ चुका है, क्योंकि पश्चिम, उत्तर, मध्य भारत के बाद पूर्वी भारत में भाजपा ने गजब का विस्तार किया है। इसे बरकरार रखने में बिहार की अहम भूमिका होगी। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, सम्राट मंत्रिमंडल विस्तार का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यह है कि बिहार में भाजपा अब 'सहयोगी दल' नहीं बल्कि 'मुख्य धुरी' बनना चाहती है। यही वजह है कि वह एनडीए के सामाजिक समीकरणों को फिर से पुनर्गठित कर रहा है। खासकर 'नीतीश युग' से 'सम्राट युग' की ओर नियंत्रित लेकिन सधे हुए कदमों से वह कदमताल भर रही है, जिसका सारा श्रेय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साहस, समर्पण, और सहृदयता को जाता है, जिससे मोदी-शाह का काम आसान हुआ।

कमलेश पांडे

देखा जाए तो भाजपा आम चुनाव 2029 की राजनीति की नींव अभी से रखी जा रही है। इसके लिए नीतीश सरकार के जातीय समीकरण को अक्षुण्ण रखते हुए सामाजिक न्याय और हिंदुत्व को नई धार दे चुकी है। इससे बिहार विधानसभा चुनाव 2030 में भी बहुत फायदा मिलेगा। वहीं, पूर्वी भारत के लिए भविष्य की चुनौतियों से निपटने और खासकर ग्रेटर बंगलादेश के सपनों को नेस्तनाबूद करने की अंदरूनी तैयारी भी भाजपा ने तेज कर दी है, जिसमें बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा असम, के अलावा त्रिपुरा, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर आदि की भी अहम भूमिका रहेगी।

युवा और कर्मठ राजनेता सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने बिहार में 'पोस्ट-नीतीश युग' की शुरुआत का संकेत दिया है, लेकिन अब मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए पार्टी नेतृत्व द्वारा यह संदेश दिया गया है कि पार्टी बिहार में अपना स्वतंत्र नेतृत्व खड़ा कर रही है। इसमें नए और आक्रामक राजनीतिक चेहरों को जगह दी गई है। विभागों का बंटवारा भी काफी सूझबूझ से किया गया है। इसका श्रेय टीम मोदी-शाह-चौधरी को ही जाता है।

सम्राट कैबिनेट के गठन में राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ओबीसी, ईबीसी, दलित, महादलित, सवर्ण, निषाद, कुशवाहा, पासवान और क्षेत्रीय संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है। वहीं, अकस्मात लाए हुए यूजीसी बिल के साइडइफेक्ट्स से भी एनडीए को बचाने की पुरजोर कोशिश दिखी। लिहाजा, इसे भाजपा-जदयू गठबंधन की संयुक्त 'सामाजिक समीकरण साधो' रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। जानकारों के मुताबिक, विशेष रूप से, ओबीसी और ईबीसी वर्ग को बड़ा प्रतिनिधित्व के दृष्टिगत अतिपिछड़ा वोट बैंक पर पकड़ मजबूत करने की कोशिश के साथ साथ दलित-पासवान समीकरण को एनडीए में स्थिर रखने का प्रयास करते हुए सीमांचल और मिथिलांचल को राजनीतिक संदेश दिया गया है। इससे नए चेहरों की भी किस्मत खुली।

रिपोर्टों के अनुसार भाजपा और जदयू के बीच लगभग बराबरी का फार्मूला अपनाया गया। इससे यह संकेत गया कि गठबंधन में जदयू अभी भी सम्मानजनक स्थिति में है, जबकि भाजपा नेतृत्वकारी भूमिका में आगे बढ़ रही है। आपको बता दें कि भाजपा और जदयू की दोस्ती दोनों दलों के लिए बहुत सुखदायी समझी जाती है। तभी तो एक नहीं बल्कि दो-दो बार नीतीश कुमार एनडीए से बाहर गए, लेकिन भाजपा ने उन्हें बार-बार मौका देकर नीतीश कुमार की इज्जत बनाए रखी। वहीं, उनकी पसंद का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बनाकर, भाजपा में ही नीतीश कुमार पैदा करने की अहम चाल चली, जिसका फायदा क्रमबद्ध रूप से समझ में आएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को मंत्रिमंडल में बतौर स्वास्थ्य मंत्री शामिल किया जाना बेहद प्रतीकात्मक कदम माना जा रहा है। इसके लिए पार्टी ने अपने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय तक को दरकिनार करना मुनासिब समझी। इससे जदयू के भीतर उत्तराधिकार राजनीति को संस्थागत रूप देने का संकेत मिलता है। इससे भाजपा का लवकुश समीकरण काफी

मजबूत होगा। इसप्रकार यह कदम तीन संदेश देता है: एक, जदयू का भविष्य 'परिवार-केंद्रित नेतृत्व' की ओर जा सकता है। दो, भाजपा फिलहाल नीतीश परिवार के साथ टकराव नहीं चाहती। और तीसरा, गठबंधन में स्थिरता बनाए रखने की कोशिश है।

गांधी मैदान, पटना में बड़े आयोजन और शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व की अहम मौजूदगी यह दर्शाती है कि भाजपा बिहार को पूर्वी भारत की राजनीति का केंद्रीय मैदान बना रही है। यह संदेश विपक्ष, खासकर तेजस्वी यादव और महागठबंधन को दिया गया कि एनडीए अभी भी संगठनात्मक और चुनावी रूप से मजबूत है। इसलिए इंडिया गठबंधन अपना कुनबा संभाले न कि एनडीए गठबंधन पर बक्र दृष्टि रखे। इससे उन्हें कोई फायदा नहीं होने वाला है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपनी कैबिनेट में कई नए चेहरों को मंत्री बनाकर भाजपा और जदयू दोनों के मिशन 'जनरेशन शिफ्ट' का संकेत दिया है। इससे एंटी-इंकम्बेंसी कम करने और युवा वोटरों को आकर्षित करने की कोशिश दिखती है। ऐसा इसलिए कि वर्तमान राजनीति में किसानों, मजदूरों, कारीगरों के साथ साथ महिलाओं और युवाओं की भूमिका बढ़ी है। आजकल युवा ड्राइविंग फोर्स की तरह निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। पूर्वी भारत में भाजपा का आधार जागरूक युवा ही हैं। इसलिए भाजपा उनके सपनों को पूरा करने में जुटी रहती है। यदि ऐसा स्वप्न साकार होता है तो इससे न केवल पूर्वी बिहार, बल्कि मध्य बिहार, उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार में भी भाजपा को मजबूती मिलेगी।

भाजपा के मौजूदा विस्तार से विपक्ष की जातीय और साम्प्रदायिक राजनीति को करारा जवाब देने की रणनीति भी दिखाई देती है। इसका सारा श्रेय नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जाता है। लिहाजा अब उनके वफादार लोग और पार्टी की टीम के खास लोग भाजपा को मजबूत करेंगे। खासकर, विपक्ष के हर राजनीतिक दांव पर पलटवार करते हुए। इससे भाजपा केवल हिंदुत्व ही नहीं, बल्कि 'हिंदुत्व, सामाजिक प्रतिनिधित्व और विकास' मॉडल पर आगे बढ़ती दिख रही है। इसके लिए भाजपा का प्रयास सराहनीय है, स्तुत्य है। इसका दिल खोलकर स्वागत किया जाना चाहिए।

सम्राट चौधरी के कैबिनेट विस्तार में भाजपा के 15 (मुख्यमंत्री सहित 16), जेडीयू के 13 (दो उपमुख्यमंत्री सहित 15), लोजपा रामविलास के 2, हम और आरएलएम के 1-1 नेता ने मंत्रीपद की शपथ ली। इनमें भाजपा से 5 और जेडीयू से 3 नए चेहरों ने शपथ ली, जिनमें पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार, इंजीनियर कुमार शैलेंद्र, मिथिलेश तिवारी, रामचंद्र पासवान, अरुण शंकर, नंदर किशोर राम, बुलो मंडल और श्वेता गुप्ता आदि का नाम शामिल है। बिहार सरकार की कैबिनेट में अब पांच महिला मंत्री हैं, जिनमें जदयू की तीन नेता शामिल हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा): मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहले ही शपथ ले चुके थे, जबकि उनके मंत्रिमंडल विस्तार में निम्नलिखित नेताओं को शामिल किया गया है:- 1.राम कृपाल यादव - ओबीसी, 2.केदार गुप्ता - कानू/ ईबीसी 3.नीतीश मिश्रा - ब्राह्मण, 4. मिथिलेश तिवारी - ब्राह्मण, 5. रमा निषाद - ईबीसी / मल्लाह , 6. विजय कुमार सिन्हा - भूमिहार ब्राह्मण, 7. दिलीप जायसवाल - ईबीसी, 8. प्रमोद चंद्रवंशी - ईबीसी, 9. लखेन्द्र पासवान - दलित, 10. संजय टाइगर- राजपूत, 11. इंजीनियर कुमार शैलेन्द्र- भूमिहार ब्राह्मण, 12. नंद किशोर राम- दलित, 13. रामचंद्र प्रसाद - वैश्य/ ओबीसी, 14. अरुण शंकर प्रसाद - सूढ़ी वैश्य/ ओबीसी, 15. श्रेयसी सिंह- राजपूत।

वहीं, जनतादल यूनाइटेड (जदयू) के 2 उपमुख्यमंत्री क्रमशः विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव पहले ही शपथ ले चुके थे, जबकि मंत्रिमंडल विस्तार में निम्नलिखित नेताओं को शामिल किया गया है:- 1. निशांत कुमार- कुर्मी/ ओबीसी, 2. श्रवण कुमार - कुर्मी/ ओबीसी, 3. अशोक चौधरी- दलित, 4. लेसी सिंह- राजपूत, 5. मदन सहनी- मल्लाह/ ईबीसी, 6. सुनील कुमार- दलित, 7. जमा खान- अल्पसंख्यक, 8. भगवान सिंह कुशवाहा- कोइरी/ ओबीसी, 9. शीला मंडल- धानुक / ईबीसी, 10. दामोदर राउत - धानुक/ ईबीसी, 11. बुलो मंडल- गंगोता/ ईबीसी, 12. रत्नेश सदा- दलित, 13. श्वेता गुप्ता- बनिया।

लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) यानी लोजपा (आर) से निम्नलिखित नेताओं को शामिल किया गया है:-1. संजय पासवान- दलित 2. संजय सिंह - राजपूत। वहीं, हिन्दुस्तान अवामी मोर्चा यानी हम से निम्नलिखित नेता को शामिल किया गया है:-1. संतोष मांझी- दलित। वहीं, जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा (रालोमो) से निम्नलिखित नेताको शामिल किया गया है:-1. दीपक प्रकाश - कुशवाहा। इस नए मंत्रिमंडल में कोसी और सीमांचल को भी तवज्जो दी गई है, जो पूर्वी बिहार का अभिन्न अंग है।

नई सरकारों की होगी कड़ी अग्निपरीक्षा

> तमिलनाडु में थलपति विजय की सरकार- तमिलनाडु की जनता द्रविड़ राजनीति से हताश और निराश हो चुकी थी। कभी द्रमुक और कभी अन्ना द्रमुक राज्य इनके बीच में झूलता रहता था। तमिल राजनीति में फिल्मी कलाकारों की अहम भूमिका रही है एम. जी. रामचंद्रन से लेकर करुणानिधि और जयललिता जैसे सितारों ने वहां की राजनीति में अहम भूमिका निभाई और लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे। तमिलनाडु में एक्टर थलपति विजय की इतनी प्रचंड लहर चली कि मुख्यमंत्री स्टालिन अपनी सीट तक हार गए। इस लहर का आभास किसी भी राजनैतिक विश्लेषक को नही था।

मृत्युंजय दीक्षित

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आ चुके हैं। नई सरकारों के गठन की प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है। बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी के ये विधानसभा चुनाव परिणाम कई स्पष्ट संकेत देने वाले हैं। बंगाल, असम, और पुदुचेरी ने जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले भाजपा व राजग गठबंध को दो तिहाई बहुमत के साथ चुना वहीं तमिलनाडु और केरल में भी सत्ता बदल गई। बंगाल, असम और पुदुचेरी में विकास, कल्याणकारी योजनाओं व हिंदुत्व का कमाल रहा। असम में कल्याणकारी योजनाओं के सहारे भाजपा जहां महिलाओं और युवाओं को साधने में सफल रही वहीं मुख्यंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ मुहिम छेड़कर नस्ल, क्षेत्र और भाषा में बनते हिंदुओं को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई।

असम और बंगाल की जनता को भाजपा यह भरोसा दिलाने में सफल रही कि केवल भाजपा ही बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या से मुक्ति दिला सकती है। बंगाल और असम के बाद सबसे अधिक चर्चा तमिलनाडु को लेकर हो रही है। तमिलनाडु के चुनाव परिणामों ने सभी को हैरान कर दिया है। एक बार द्रमुक और एक बार अन्नाद्रमुक का मिथक टूट गया है। फिल्म

स्टार विजय की झोली वोटों से भरी है। केरलम में पराजय के बाद देश भर से वामपंथी सरकारों का अंत हो चुका है तथापि वह अपना राजनैतिक और वैचारिक अस्तित्व बचाए रखने के लिए दो विधायकों के बल पर तमिलनाडु में एक्टर थलपति विजय की नई सरकार मे घुस रही है। सभी राज्य विधानसभाओं में भाजपा का खाता खुल चुका है। पहली बार केरलम में भाजपा के तीन व तमिलनाडु में एक विधायक जीतने में सफल रहे हैं।

तमिलनाडु में थलपति विजय की सरकार- तमिलनाडु की जनता द्रविड़ राजनीति से हताश और निराश हो चुकी थी। कभी द्रमुक और कभी अन्ना द्रमुक राज्य इनके बीच में झूलता रहता था। तमिल राजनीति में फिल्मी कलाकारों की अहम भूमिका रही है एम. जी. रामचंद्रन से लेकर करुणानिधि और जयललिता जैसे सितारों ने वहां की राजनीति में अहम भूमिका निभाई और लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे।

तमिलनाडु में एक्टर थलपति विजय की इतनी प्रचंड लहर चली कि मुख्यमंत्री स्टालिन अपनी सीट तक हार गए। इस लहर का आभास किसी भी राजनैतिक विश्लेषक को नही था। एक्टर थलपति विजय की विजय में मुख्य भूमिका उनके चुनावी वायदों ने की है जो अधिकांशतः मुफ्त की रेवड़ी वाले हैं। विवाह के लिए महिलाओं को 22 कैरेट का आठ ग्राम सोना देने से लेकर 60 सल से कम आयु की महिलाओं को 2500 रुपए मासिक सहायता प्रति परिवार छह फ्री सिलेंडर देने का वादा काम कर गया। गरीब दुल्हनों के लिए रेशमी साड़ी और महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों के लिए पांच लाख रुपए तक के बयाज मुक्त ऋण का आश्वासन भी विजय ने दिया है। थलपति विजय ने वैसे ही कई लोक लुभावन वायदे किये है जैसे कभी आप नेता अरविंद केजरीवाल किया करते थे। यह थलपति विजय तमिलनाडु के केजरीवाल सिद्ध हो सकते हैं।

ईसाई पिता ओर हिंदू मां की संतान विजय ने अपनी पार्टी की विचारधारा तैयार करने में द्रविड़ विचारधारा और तमिल राष्ट्रवाद के तत्वों को जोड़ा है। इनकी पार्टी तमिलगा वेटी कझागम की स्थापना फरवरी 2024 में हुई, जो तमिलनाडु और पुदुचेरी तक फैली हुई है। लोग सोच रहे हैं कि विजय की आखिर इतनी बड़ी विजय कैसे हो गई- विजय लम्बे समय से कई घरों के चूल्हों के ईंधन, बेटियों की पढ़ाई ओर बहनों की शादी का खर्च लगातार उठा रहे थे।

उनके वोटबैक में सबसे बड़ी हिस्सेदारी महिलाओं और युवाओं की रही है। वह अपनी फिल्मों में गरीबों के मसीहा के तौर पर पेश किए जाते थे जिसका परिणाम अब सबके सामने है। विजय की चुनावी जनसभाओं में अभूवपूर्व भीड़ उमड़ रही थी किंतु कोई राजनैतिक विश्लेषक यह मानकर नहीं चल रहा था कि वह सरकार बनाने तक पहुंच जाएंगे।

तमिलनाडु में यदि कोई सबसे बड़ा परजीवी दल साबित हुआ है तो वह कांग्रेस है क्य उसने हर बार की तरह अपना अस्तित्व बचाये रखने के लिए एक और क्षेत्रीय दल की सरकार में गठबंधन के बहाने सेंधमारी कर ली है। जो दल कांग्रेस के साथ गए व कांग्रेस जिन दलों के साथ गई उन दलों का क्या हाल हो रहा है सभी को पता है। वैसे अभी थलपति विजय का शपथ ग्रहण समारोह भी ग्रहण ग्रस्त लग रहा है।

बिजलीपानी संकट को ले भाजपा का प्रदर्शन

धनबाद (कासं) : झारखंड भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर धनबाद में बिजली और पानी संकट को लेकर भाजपा ने हुए घड़ा फोड़ कर प्रदर्शन किया। चिलचिलाती धूप के बीच महिलाओं ने सिर पर घड़ा लेकर सरकार के खिलाफ

राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने समाहरणालय का घेराव करते प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में सांसद ढुलू महतो, पूर्व सांसद पीएन सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, पूर्व विधायक अपर्णा सेन गुप्ता, भाजपा नेत्री तारा देवी, कुंभनाथ सिंह समेत ग्रामीण और महानगर भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में बिजली और पानी संकट विकराल रूप ले चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी नलजल योजना राज्य में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह आंदोलन नींद में सोई सरकार को जगाने के लिए है और सरकार जनता को मूलभूत सुविधाएं देने में भी विफल साबित हो रही है। वहीं गैंगस्टर प्रिंस खान के वायरल वीडियो मामले पर बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार और धनबाद पुलिस पर सवाल उठाते हुए मामले की जांच एनआईए से कराने की मांग की।

झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि राज्य सरकार बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं देने में नाकाम है। मुफ्त बिजली का वादा करने वाली सरकार स्मार्ट मीटर लगाकर लोगों पर भारी बिजली बिल का बोझ डाल रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य में नल से जल गायब है और बब्बे से बत्ती गुल है।धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि भीषण गर्मी में महिलाएं घरों में रहने के बजाय घड़ा लेकर सड़क पर उतरने को मजबूर हैं, जो सरकार की विफलता को दिखाता है।

डालसा ने नुक्कड़ नाटक से फैलायी कानूनी जागरूकता

धनबाद (कासं) : ९० दिवसीय आउटरीच एवं जागरूकता कार्यक्रम के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण लोगों को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं तथा कानूनी सहायता संबंधी जानकारी प्रदान करना था। आर्टिस्ट एसोसिएशन के कलाकार व पैरा लीगल वोलेंटियर एजाज अहमद, संतोष सिंह, आनंद चक्रवर्ती, शिवरानी सिन्हा द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को साइबर अपराध, बाल विवाह, घरेलू हिंसा, नशा मुक्ति, महिला अधिकार एवं निःशुल्क विधिक सहायता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। कलाकारों ने सामाजिक समस्याओं को सरल एवं प्रभावी तरीके से प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को जागरूक होने का संदेश दिया। इस अवसर पर डालसा के अधिकारियों, पारा लीगल वालंटियर्स एवं स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के दौरान लोगों को बताया गया कि जरूरतमंद व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकार से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। ग्रामीणों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी बताया।

आरपीएफ ने शराब तस्कर को किया गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) धनबाद ने

ऑपरेशन सतर्क के तहत एक शराब तस्कर को केन बियर के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से २४ कैन बियर बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा लगभग १२ लीटर तथा अनुमानित कीमत ३.६ हजार बताई गई है। जानकारी के अनुसार, वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में पोस्ट एवं सीआईबी की संयुक्त टास्क टीम द्वारा धनबाद रेलवे स्टेशन पर गुप्त निगरानी अभियान चलाया गया। इसी दौरान करीब दोपहर १२ बजे प्लेटफॉर्म संख्या१ पर पहुंची बीकानेर वीकली एक्सप्रेस के सामान्य कोच में चढ़ने के क्रम में एक युवक को दो पिट्ठू बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया।

तालाशी लेने पर दोनों बैग से कुल २४ कैन बियर बरामद हुई। पूछताछ में युवक संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, जिसके बाद उसे हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई। बरामद शराब को जब्त कर मामले की जांच की जा रही है। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि रेलवे परिसरों में अवैध शराब एवं तस्करी के खिलाफ ऑपरेशन सतर्क के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

शराब के नशे में अस्पताल परिसर में हंगामा

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद थाना क्षेत्र अन्तर्गत बीसीसीएल के क्षेत्रीय अस्पताल परिसर में एक शराबी लगभग ११ बजे बिजली तार जोड़ने को लेकर काफी हो हंगामा किया। थोड़ी देर के लिए अफरातफरी मच गया। पुनः शाम को पांच बजे उक्त शराबी के द्वारा गाली गलौज, राड से मारपीट किया गया। महिला कर्मीयो को भी भद्दी भद्दी गाली दिया गया।

मारपीट में सुपरवाइजर पिताम्बर तुरी, इलेक्ट्रिशियन इम्तियाज और पम्प आपरेटर विधाता पासवान घायल हो गये। बीसीसीएल के सुरक्षा प्रहरी सुरेन्द्र पासवान के द्वारा लोयाबाद पुलिस को सूचना दिये जाने पर पुलिस ने शराबी को पकड़कर थाना ले आई। शराबी की पहचान लोयाबाद हास्पिटल रोड निवासी शंकर चौहान पिता स्व महेश्वर चौहान के रूप में हुआ है। लोयाबाद क्षेत्रीय अस्पताल के सीएमओ डा अनुज कुमार लोयाबाद थाना पहुंच कर दोषी पर कार्रवाई करने का मांग किये। देर शाम तक हास्पिटल के सभी पदाधिकारी और कर्मी लोयाबाद थाना में पहुँचकर सुरक्षा का मांग किया। एस आई रोहित कुमार महतो ने कहा कि लिखित शिकायत मिलने पर दोषी के विरूद्ध न्याय संगत कार्रवाई की जाएगी।

कतरास कॉलेज में शिक्षक के साथ मारपीट

कतरास (ससे) : कतरास कॉलेज कतरास में आंतरिक परीक्षा के दौरान इतिहास विभाग के शिक्षक धनंजय पाठक के साथ असामाजिक तत्वों ने मारपीट की। इतना ही नही बदमाशों ने पुलिस से शिकायत करने पर जान मारने की धमकी भी दे दी। हालांकि भुक्तभोगी शिक्षक धनंजय पाठक ने घटना की जानकारी कतरास थाना को दे दी है। पुलिस को दिए गए आवेदन में शिक्षक ने बताया कि विगत ९ मई को आंतरिक परीक्षा के दौरान वे विद्यार्थियों से असाइनमेंट एवं परीक्षा संबंधित दस्तावेज ले रहे थे। इस दौरान युवकों का दल वहां पहुंचा और उनके साथ अभद्रता करने लगे। देखते ही देखते वे लोग उन्हें घेर लिया तथा गाली गलौज एवं धक्का मुक्की भी करने लगे। असामाजिक तत्वों के इस हरकत से परीक्षा दे रहे छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों में भय और अफरा तफरी का माहौल बन गया। बता दे कि इस घटना से शिक्षक एवं उसका परिवार

भयभीत और मानसिक तनाव में है। उन्होंने कतरास पुलिस से मामले में उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

वहीं मामले को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रादेशिक विश्वविद्यालय सहसंयोजक शुभम हजारी ने कहा कि असामाजिक तत्व एनएसयूआई विद्यार्थी परिषद छात्र हित एवं शिक्षकों के सम्मान में चरणबद्ध आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। वही इस संबंध में कतरास थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि शिकायत मिली है। जांच पड़ताल के बाद ही आवश्यक कार्रवाई किया जाएगा।

आमटाल में महायज्ञ संपन्न

बलियापुर (ससे) : बलियापुर प्रखंड अंतर्गत कुइयां बस्ती आमटाल में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच श्री श्री लघुरुद्र महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। महायज्ञ को लेकर पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय बना हुआ है। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञ स्थल पर पहुंचे, जहां वैदिक मंत्रोच्चार, हवन और रुद्राभिषेक आकर्षक ढंग से सजाया गया है, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। महायज्ञ के दौरान भजनकीर्तन एवं धार्मिक प्रवचन का भी आयोजन किया गया, जिसमें दूरदराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भाग लिया। वहीं श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण भी किया गया।

इस धार्मिक आयोजन को

से पूरा वातावरण गूंज उठा। यज्ञाचार्यों द्वारा विधि-विधान के साथ पूजाअर्चना एवं रुद्राभिषेक संपन्न कराया गया। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि महायज्ञ का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करना है। यज्ञ स्थल को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष भारत महतो, उपाध्यक्ष नाथ महतो, भोलानाथ महतो, विक्की महतो, नारायण महतो, विश्वजीत दास, उमेश रवानी, राकेश महतो, मुकेश महतो, बुबा चक्रवर्ती, रोहित महतो एवं ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मायुमं शक्ति शाखा ने मदर्स डे पर वृद्ध माताओं का किया सम्मान

धनबाद (कासं) : मारवाड़ी युवा मंच धनबाद शक्ति शाखा की सदस्यों ने संस्था की अध्यक्ष इशा अग्रवाल के नेतृत्व में मदर्स डे के उपलक्ष्य पर सबलपुर, सहयोगी नगर स्थित ओल्ड एज होम आश्रम में आश्रित सभी वृद्ध माताओं से मुलाकात कर उनको वस्त्र भोजन व सामग्री भेंट किया।

संस्था की सभी सदस्यों ने वृद्ध माताओं का कुशल क्षेम जाना। उनकी सेवा सम्मान कर उनका ढेर सारा आशीर्वाद प्राप्त किया। संस्था की अध्यक्ष इशा अग्रवाल ने कहा सभी बेटे-बेटियां व बहु अपने वृद्ध मातापिता का ख्याल रखें ताकि उनको वृद्धा आश्रम में ना आना पड़े। और वर्तमान में जो वृद्ध आश्रम में वृद्धजन है उनको यहां आकर सेवा सम्मान करें। इससे बड़ा दुनिया में कोई पुण्य कार्य नहीं। आश्रम में संस्था की अध्यक्ष ईशा अग्रवाल, सचिव पूजा खेरवाल, निवर्तमान अध्यक्ष मेघा शर्मा, पूर्व अध्यक्ष मधु अग्रवाल, सदस्य प्रियंका अग्रवाल, गौरी गोयल, निधि अग्रवाल ने महिला वृद्धजनों को नमन किया।

जलापूर्ति के लिए होंगे नए बोरिंग

धनबाद (कासं) : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने आगामी गर्मी के मौसम को केन्द्र में रखते हुए पीएचईडी१ व २ की जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने संभावित पेयजल संकट से निपटने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

उप विकास आयुक्त ने पंचायत स्तर पर पेयजल समस्या के समाधान के लिए डीपीएम पंचायत को १५ वें वित्त आयोग मद से नए बोरिंग कराने का निर्देश दिया। साथ ही, पीएचईडी विभाग को जिले में आवश्यक डीप बोरिंग की सूची शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा। बैठक के दौरान डीपीएम को यह भी निर्देशित किया कि प्रखंड विकास पदाधिकारी स्तर से निर्माणाधीन एवं मरम्मत किए जा रहे जलमीनारों की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें। जिससे गर्मी के दौरान आमजनों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। उप विकास आयुक्त ने पुनः एक बार आमजनों से अपील की है कि जहां कहीं भी पानी का संकट उत्पन्न हो या चापानल खराब हो तो आमजन जलसेवा पोर्टल पर शिकायत दर्ज

कराएं। शिकायत का त्वरित समाधान किया जाएगा।

बैठक में पीएचडी -१ के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार ठाकुर, पीएचईडी - २ के कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार मंडल, डीपीएम मो. तौहिद आलम, डीएमएफटी पीएमयू से भावना कुमारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कौशल विकास व खेलों को मजबूत करने का एमओयू

धनबाद/जोड़ापोखर (कासं) : बेलगड़िया क्षेत्र में कौशल विकास, आजीविका के अवसर और जमीनी स्तर के खेलों को मजबूत करने के लिए झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण (जेआरडीए) के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन तथा टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरव रॉय ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद उपायुक्त ने बताया कि इस समझौते का उद्देश्य बेलगड़िया में एक गैर-वित्तीय तकनीकी साझेदारी स्थापित करना है।

यह साझेदारी झरिया कोयला क्षेत्र में पुनर्वास और पुनर्स्थापन पहलों के तहत सामुदायिक विकास प्रयासों का समर्थन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इस सहयोग के हिस्से के रूप में, जेआरडीए मानवीय और वित्तीय संसाधनों की तैनाती के माध्यम से जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन का नेतृत्व करेगा। जबकि टाटा स्टील फाउंडेशन तकनीकी विशेषज्ञता और क्षमतानिर्माण सहायता प्रदान करेगा। ये पहले झरिया मास्टर

प्लान के तहत जेआरडीए के चल रहे पुनर्वास और पुनर्स्थापन प्रयासों के अनुरूप हैं। इसका उद्देश्य इस क्षेत्र में व्यापक सामुदायिक विकास करना है।

उन्होंने कहा कि इसमें बेलगड़िया के स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। पलानी पंचायत के युवाओं को भी शामिल किया जाएगा। इस अवसर पर टाटा स्टील फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बेलगड़िया में पुनर्वास और सामुदायिक विकास की दिशा में जेआरडीए के निरंतर प्रयासों की सराहना की। कहा कि शुरुआत में छोटे स्तर पर ही सही, सहयोग करके टीएसएफ को खुशी हो रही है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि यह साझेदारी युवाओं के लिए अधिक अवसर पैदा करने में मदद करेगी और दीर्घकालिक सामुदायिक कल्याण के लिए स्थानीय क्षमताओं को मजबूत करेगी। यह एमओयू धनबाद के बेलगड़िया क्षेत्र में सामुदायिक विकास के प्रति एक दीर्घकालिक सहयोगात्मक दृष्टिकोण को और अधिक सुदृढ़ करेगा। उल्लेखनीय है कि विकास के क्षेत्र में अगले दशक को प्रभावित करने वाले बदलावों को पहचानने और एक विचारनेता के रूप में उभरने की अपनी महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से, टाटा स्टील फाउंडेशन की स्थापना वर्ष २०१६ में की गई थी।

झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब सहित छह राज्यों में फैली दस इकाइयों में कार्यरत १५ सौ से अधिक सदस्यों के साथ, यह फाउंडेशन सामुदायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध संगठन है। इसका मुख्य ध्यान आदिवासी और समाज से अलगथलग पड़ी समुदायों के साथ मिलकर ऐसे समाधान तैयार करने पर है, जिनके द्वारा उनकी विकास संबंधी चुनौतियों का समाधान किया जा सके।

वित्तीय वर्ष में फाउंडेशन ने अपने एकीकृत कार्यक्रम पोर्टफोलियो के जरिए ७.६ मिलियन लोगों तक पहुंच बनाई। यह पोर्टफोलियो सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, लिंग और सामुदायिक उद्यम, बुनियादी ढांचा और जनजातीय पहचान जैसे इम्पैक्ट पाथवेज़ के तहत प्रभावी ढंग से व्यवस्थित है, और इस पर ५४५.७ करोड़ खर्च किए गए।

मौके पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, टीएसएफ के सीओओ देवदूत मोहंती, टीम लीडर स्कील डेवलपमेंट यशवंत कुमार सिंह, टीम लीडर स्पोर्ट्स चंद्रेया मुजुमदार, टीम लीडर पार्टनरशिप प्रियंका शर्मा के अलावा जेआरडीए के सलाहकार जितेन्द्र मल्लिक, एचओडी (स्कील एंड लाइवलीहुड) रंजन कुमार, राजन कुमार व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

रेलवे ऑफिसर्स क्लब में समर कैम्प शुरू

धनबाद (कासं) : रेलवे अधिकारी क्लब, धनबाद में दस दिवसीय समर कैम्प का शुभारंभ हुआ। कैम्प का उद्घाटन पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्ष प्रिया मिश्र ने किया। उद्घाटन बेला में बच्चों के बीच कलर सेट, बिस्कुट एवं फ्रूटी का वितरण कर उनका हौसला आफजाई किया गया। बच्चों के विकास एवं रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस समर कैम्प में आत्मरक्षा प्रशिक्षण, नृत्य एवं संगीत, ड्राइंग, कला एवं शिल्प तथा मिट्टी के बर्तन निर्माण जैसी विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कैम्प में प्रशिक्षित एवं अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे नईनई कलाओं एवं कौशलों को सीख सके। २० मई तक आयोजित होने वाले इस समर कैंप में विभिन्न विद्यालयों के ४ वर्ष से १० वर्ष आयु वर्ग के कुल ३१ बच्चे उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की उपाध्यक्षा कविता, अल्पना झा एवं शैली सहित संगठन की अन्य सदस्याएं, मंडल के कर्मचारी तथा अन्य अतिथि उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य में लाएं तेजी पूर्ण केंद्रों को करें हैंडओवर : उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, निर्माण कार्यों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, आपदा प्रबंधन, जनगणना एवं अन्य विभागीय कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों को योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने का निर्देश दिया।

बैठक में जिले में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रखंडवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कार्यरत एजेंसियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में तेजी लाएं तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर भूमि संबंधित समस्याएं आ रही हैं, वहां संबंधित बीडीओ एवं अंचलाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि जो आंगनबाड़ी केंद्र पूरी तरह तैयार हो चुके हैं, उन्हें संबंधित विभाग को शीघ्र हैंडओवर किया जाए ताकि वहां बच्चों एवं महिलाओं के लिए सेवाएं प्रारंभ की जा सकें। उन्होंने कहा कि योजनाओं में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा।

बैठक में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने एडीएसएस पेंशन से संबंधित मामलों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि डीजीटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) एवं लाभुक सत्यापन के लंबित मामलों के निष्पादन हेतु सभी प्रखंडों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएं।

उन्होंने कहा कि वृद्ध, दिव्यांग एवं जरूरतमंद लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इसलिए सत्यापन प्रक्रिया में तेजी लाते हुए लंबित मामलों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर करें। उपायुक्त ने पूर्व में आयोजित दिशा की बैठक में दिए गए निर्देशों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को आगामी तीन दिनों के भीतर अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर लंबित बिंदुओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित* किया जाए। साथ ही, आगामी जून माह में दिशा की बैठक को लेकर सभी विभागों को आवश्यक तैयारी समय पर पूरी करने को कहा। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी विभाग अद्यतन प्रतिवेदन एवं प्रगति रिपोर्ट तैयार रखें ताकि योजनाओं की प्रभावी समीक्षा की जा सके।

बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि विभिन्न अंचलों से प्राप्त मुआवजा आवेदनों में कई तकनीकी एवं दस्तावेजी त्रुटियां पाई* जा रही हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे मामलों का समयबद्ध संधारण सुनिश्चित करें तथा आवेदनों को लंबित रखें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों को समय पर सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसलिए मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। बैठक में जन गणना २०२७ के तहत चल रहे स्वगणना अभियान की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक लोगों को स्वगणना के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि १५ मई तक चलने वाली इस प्रक्रिया को सफल बनाने हेतु जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि जन गणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है तथा इससे प्राप्त आंकड़े भविष्य की योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मी इसकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।

बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं की नियमित समीक्षा एवं मॉनिटरिंग से कार्यों में तेजी आएगी तथा आम जनता को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ समेत विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी,प्रखंड विकास पदाधिकारी - अंचलाधिकारी आदि उपस्थित थे।

दिल्ली में बैरियर-लेस टोल सिस्टम का आगाजः बिना रुके कटेगा टैक्स

नई दिल्ली,(ईएमएस) : दिल्ली और आसपास के लोगों को अब टोल प्लाजा पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम जल्द ही निजात मिलने वाली है। केंद्र की मोदी सरकार ने सोमवार को दिल्ली में एक नए और हाईटेक बैरियर-लेस टोल सिस्टम की शुरुआत कर दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा से इस मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) बैरियर-लेस टोलिंग सिस्टम का शुभारंभ किया। शुरु की गई इस नई व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत यह है कि टोल प्लाजा पर कोई बैरियर नहीं होगा, इससे गाड़ियों को टोल देने के लिए रुकना या गति धीमी करनी नहीं पड़ेगी।

वाहन सामान्य रफ्तार से चलते हुए सीधे निकल जाएंगे और टोल अपने आप कट जाएगा। इसके लिए हाईवे पर विशेष ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) कैमरे, सेंसर और फास्टैग तकनीक का इस्तेमाल होगा। जैसे ही कोई गाड़ी टोल पॉइंट से गुजरेगी, कैमरा उसकी नंबर प्लेट और फास्टैग को स्कैन कर तुरंत टोल की रकम खाते से काट लेगा। केंद्र सरकार का दावा है कि यह तकनीक ८० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही गाड़ियों को भी आसानी से पहचान सकती है। इस आधुनिक सिस्टम से सबसे ज्यादा फायदा आम लोगों को मिलेगा, क्योंकि इससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारें खत्म हो जाएंगी, जिससे सफर तेज और आसान होगा।

अवैध बालू खनन एवं परिवहन पर जीरो टॉलरेंस के तहत करें कार्रवाई : उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स (डीएमटीफ) की बैठक हुई। बैठक में जिले में संचालित खनन गतिविधियों, अवैध बालू खनन एवं परिवहन की रोकथाम, वैध बालू घाटों के संचालन, खनिज संपदाओं की सुरक्षा तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को लेकर विस्तृत समीक्षा की।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिले में अवैध बालू खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अवैध खनन से राजस्व की क्षति होने के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन भी प्रभावित होता है, इसलिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ अभियान चलाकर कार्रवाई करें।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वन विभाग द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन नियमित रूप से प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि वन विभाग, पुलिस प्रशासन, परिवहन विभाग एवं जिला प्रशासन संयुक्त रूप से अभियान चलाएं ताकि अवैध गतिविधियों पर व्यापक नियंत्रण स्थापित किया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित छापेमारी अभियान चलाने एवं कार्रवाई की प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बैठक में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि जिले के कुल ०७ बालू घाटों में से ०२ बालू घाटों को स्वीकृति सहित अन्य आवश्यक क्लियरेंस प्राप्त हो चुकी है। इस पर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी करते हुए दोनों घाटों का संचालन जल्द प्रारंभ कराया जाए, ताकि आम जनता एवं निर्माण कार्यों के लिए वैध रूप से बालू की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि बिना नंबर प्लेट अथवा अवैध रूप से संचालित ट्रैक्टरों एवं वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि कई मामलों में बिना पंजीकरण वाले वाहनों का उपयोग अवैध खनिज परिवहन में किया जाता है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने नियमित वाहन जांच अभियान चलाने एवं दोषी वाहन मालिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक के क्रम में जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार ने टास्क फोर्स द्वारा की गई कार्रवाई की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि १८ दिसंबर २०२५ से १३ मार्च २०२६ तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान बालू, पत्थर एवं कोयला से संबंधित कुल ३०१.८२५ खनिज जब्त किए गए हैं। इस दौरान अवैध खनिज परिवहन एवं खनन में संलिप्त ४६ वाहनों को जब्त किया गया, जबकि १२ प्राथमिकी दर्ज की गई। साथ ही विभिन्न मामलों में कुल ०२.४५ लाख रुपये की जुर्माना राशि वसूली गई।

बैठक में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास श्रीमती प्रांजल ढांडा, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ, एसडीपीओ सिटी आलोक रंजन, जिला परिवहन पदाधिकारी मारूति मिंज, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी आदि उपस्थित थे।

राहुल गांधी भारतीय राजनीति की सबसे अस्वीकृत वस्तु : फडणवीस

मुंबई,(ईएमएस): महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला कर उन्हें भारतीय राजनीति में सबसे अस्वीकृत वस्तु करार दिया। सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी को सभी राज्यों के मतदाताओं ने बार-बार नकारा है, जबकि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृढ़ता से समर्थन करता है। यह आलोचना राहुल गांधी द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों की आलोचना करने के बाद की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी भारतीय राजनीति में सबसे ज्यादा नकारे गए व्यक्ति हैं, हर राज्य में सभी ने उन्हें नकार दिया है। उन्होंने गांधी को एक ऐसा उत्पाद जो कि जनता ने किनारे कर दिया है। फडणवीस ने जोर दिया कि लोकतंत्र में केवल वही मायने रखता है जिसे जनता स्वीकार करती है, और राहुल गांधी जैसे लगातार नकारे जा रहे व्यक्ति को कोई महत्व नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रधानमंत्री मोदी के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्हें बार-बार अपना आशीर्वाद देता है।

ये टिप्पणियाँ प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों पर राहुल गांधी की आलोचना के बाद आईं, जो पश्चिम एशिया संकट के जवाब में की गई थीं। पीएम मोदी की अपीलों में खाद्य तेल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और प्राकृतिक खेती अपनाने जैसे अनुरोध शामिल थे, जिनका उद्देश्य वैश्विक आर्थिक दबावों से निपटना था। राहुल गांधी ने पोस्ट में इन अपीलों को उपदेश के बजाय विफलता करार दिया था। उन्होंने प्रधानमंत्री को समझौतावादी बताकर अपनी आलोचना तेज की और दावा किया कि देश का शासन अब उनके नियंत्रण में नहीं है।

इस बीच, दिल्ली में आयोजित सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन २०२६ में फडणवीस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के अगले युग के लिए महाराष्ट्र की तैयारियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई और भविष्य के विकास के लिए बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और विनिर्माण पर महाराष्ट्र के विशेष ध्यान पर जोर दिया।

शुभेंदु अधिकारी के पीए- के मर्डर में तीन शूटर गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल (एजेंसी): बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में जांच तेज हो गई है। इस मामले में रविवार की शाम उत्तर-प्रदेश और बिहार से तीन शूटरों को हिरासत में लिया गया है और कई अहम सुराग सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि उत्तर-प्रदेश और बिहार से इसका जुड़ा कनेक्शन है। वारदात में इस्तेमाल की गई चारपहिया गाड़ी सिलीगुड़ी की बतायी जा रही है, जिसने घटना के दिन हावड़ा का बाली टोल प्लाजा पार कर मध्यमग्राम इलाके में प्रवेश किया था।

हत्या से पहले हमलावरों ने गाड़ी के टोल भुगतान के लिए णझख का इस्तेमाल किया था। पश्चिम बंगाल सीआईडी की एसआईटी ने मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य को बिहार के बक्सर से, जबकि राज सिंह को यूपी के बलिया से हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच जारी है।टोल के यूपीआइ भुगतान से हत्याकांड की साजिश का सुराग

जांच में यह भी सामने आया है कि संबंधित गाड़ी का टोल भुगतान ऑनलाइन यानी यूपीआइ के जरिये हुआ था। इस डिजिटल ट्रांजेक्शन के आधार पर पुलिस उस बैंक अकाउंट, मोबाइल फोन नंबर और उससे जुड़े व्यक्ति की पहचान करने में जुटी है, जिसने टोल का भुगतान किया था। बिहार और उत्तर प्रदेश में छापेमारी के दौरान तीन

शार्पशूटर हिरासत में लिए गए। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गए थे, जिन्हें रात में कोलकाता लाया गया।

भवानी भवन में उनसे देर रात तक पूछताछ हुई। जांच एजेंसियां पता लगाने में जुटी हैं कि इन शार्पशूटर्स को किसने सुपारी दी और शुभेंदु अधिकारी के सहायक को ही क्यों निशाना बनाया गया। शुरुआती जांच में आशंका जताई गई कि हत्या के पीछे राज्य के बाहर का नेटवर्क हो सकता है। पुलिस के मुताबिक, चंद्रनाथ की हत्या पूरी तरह सुनियोजित साजिश थी। हमलावरों ने फर्जी नंबर प्लेट वाली कार का इस्तेमाल किया, जिसकी तस्वीर जब्द पर दिए गए एक विज्ञापन से ली गई थी।

पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में बक्सर के पांडेयपट्टी निवासी विशाल श्रीवास्तव को हिरासत में लिया है। विशाल पर हत्या, आर्म्स एक्ट समेत करीब दर्जनभर मामले दर्ज हैं। बक्सर एसपी शुभम आर्य ने बताया कि बंगाल पुलिस पूछताछ के लिए उसे अपने साथ ले गई है, लेकिन किस मामले में हिरासत हुई, इसकी पुष्टि बंगाल पुलिस ही करेगी। आगे की जानकारी अपडेट की जा रही है।

एसडीओ से मिला कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल

डुमरी (ससे): निमियाघाट थाना क्षेत्र के इसरी बाजार में ८ मई की देर संध्या हुई भीषण सड़क हादसे में क्षतिग्रस्त हुई वाहनों के मालिकों को समुचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष सतीश केडिया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल प्रभारी एसडीओ से मिलकर पीड़ित वाहनों के मालिकों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की जिसपर प्रभारी एसडीओ ने पीड़ित वाहनों की सारे कागजात उपलब्ध कराने के लिए कहा ताकि उचित मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जा सके।इस दौरान कांग्रेस के डुमरी प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मण्डल जिला उपाध्यक्ष महेश भगत,अशोक विश्वकर्मा,युवा कांग्रेस जिला महासचिव गुड्डु मालिक युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष निजाम अंसारी कांग्रेस प्रखंड उपाध्यक्ष भुनेश्वर दास जिला कांग्रेस कमेटी सचिव दिलीप मण्डल जिला कांग्रेस कमेटी सचिव करीम बख्श अंसारी,सादिक अली युवा कांग्रेस विधानसभा सचिव सनाउल्लाह अंसारी, खुर्शीद अंसारी, तुराबली अंसारी,धर्मेंद्र साव आदि उपस्थित थे।

अब देश चलाना पीएम मोदी के बस में नहीं रह गया है : राहुल गांधी

नई दिल्ली,(ईएमएस) : राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम मोदी की हालिया सात अपीलों पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी बताया। उन्होंने कहा कि अब देश चलाना पीएम मोदी के बस में नहीं रह गया है।

एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा- कल मोदीजी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का इस्तेमाल घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं।

उन्होंने कहा कि १२ साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं।

दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो सके और पर्यावरण की रक्षा हो सके। पीएम मोदी रविवार को कहा था कि आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं।

भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं।

पीएम ने कहा कि पेट्रोल, गैस और डीजल बचाने के लिए हमें वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की जरूरत है। अनावश्यक वाहन का इस्तेमाल कम करें। मेट्रो में सफर और कारपूलिंग करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को उसमें बैठाकर ले जाएं।

हर परिवार अगर खाने के तेल का इस्तेमाल थोड़ा कम करे तो इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और लोगों की सेहत भी बेहतर रहेगी। देश को रासायनिक उर्वरकों की खपत आधी करने का लक्ष्य रखना चाहिए और तेजी से प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना चाहिए। शादियों, छुट्टियों और अन्य कारणों से विदेश यात्रा कुछ समय के लिए टालना देशहित में होगा। सोने के आयात में बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। देशहित में लोगों को एक साल तक सोना खरीदने और दान करने से बचना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर साल सोने के आयात पर लाखों करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। २०२४-२६ में यह आंकड़ा ४.८९ लाख करोड़ रुपए था, जो २०२५-२६ में ६.४० लाख करोड़ रुपए रहा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की ताजा रिपोर्ट बताती है कि २०२६ की पहली तिमाही में भारत में निवेश के लिए सोने की मांग गहनों से भी ज्यादा है। वहीं २०२३-२४ में विदेश यात्राओं में भारतीयों का कुल खर्च २.७२ लाख करोड़ रुपए था, जो २०२५-२६ में ३.६५ लाख करोड़ रुपए हो गया यानी भारतीयों ने विदेशों में खर्च बढ़ा दिया है। इस साल भारत ने

विदेशों से १.५० लाख करोड़ रुपए का फर्टिलाइजर खरीदा है। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में ७६फीसदी ज्यादा है। हम सबसे ज्यादा फर्टिलाइजर कतर से आयात करते हैं, जो ईरान के हमलों की चपेट में है।

इसलिए फर्टिलाइजर के दाम चढ़े हुए हैं। वहीं भारत जरूरत का ७०फीसदी तेल आयात करता है। इस पर २०२४-२५ में ११.६६ लाख करोड़ खर्च हुए। क्रूड के भाव घटने से २०२५-२६ में खर्च १०.३५ लाख करोड़ रुपए था। पिछले दो महीने के युद्ध में क्रूड ५०फीसदी महंगा हुआ है। ऐसे में खर्च १७ लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

जो सनातन को मिटाने चले, खुद मिट गए : सीएम योगी

वाराणसी,(ईएमएस) : उत्तरप्रदेश के वाराणसी में आयोजित सोमनाथ संकल्प महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष और ऐतिहासिक आक्रांताओं पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दो टूक कहा कि सनातन को मिटाने की कोशिश करने वाले खुद इतिहास के पन्नों से मिट चुके हैं, जबकि भारत की सनातन चेतना आज भी अक्षुण्ण है।

सीएम योगी ने मोहम्मद गौरी से लेकर मुगल शासकों तक का जिक्र कर कहा कि इन विदेशी आक्रांताओं ने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नष्ट करने का प्रयास किया। औरंगजेब ने बाबा विश्वनाथ के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर गुलामी का प्रतीक खड़ा किया, लेकिन वे भारत की आत्मा और सनातन की चेतना को कभी समाप्त नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि सनातन केवल मंदिरों की दीवारों तक सीमित नहीं, बल्कि यह भारत की रग-रग में बसा है।

मुख्यमंत्री योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार हो रही है। सोमनाथ मंदिर के पुनर्प्रतिष्ठापन और सुंदरीकरण से लेकर काशी विश्वनाथ धाम, उज्जैन के महाकाल महालोक और अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि

मंदिर निर्माण तक, देश के प्रमुख तीर्थस्थल अपने प्राचीन वैभव के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। इन सभी कार्यों के पीछे प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा शक्ति है, जिसके लिए उत्तर प्रदेश की जनता उनकी आभारी है। बिना नाम लिए विपक्ष पर निशाना साधकर सीएम योगी ने कहा कि दुर्भाग्यवश, आज भी कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो भारत के आत्मगौरव और सांस्कृतिक प्रतीकों के उत्थान को स्वीकार नहीं कर पा रही हैं। यही वे तत्व थे जिन्होंने सोमनाथ मंदिर की पुनर्प्रतिष्ठा और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण में लगातार बाधाएं खड़ी करने का प्रयास किया। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ काशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम स्थल त्रयंबकेश्वर सभागार में छात्राओं ने शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार से अतिथियों का भव्य स्वागत किया।

स्केटिंग के सहारे चार धाम यात्रा पर निकले दो युवक

डुमरी (ससे): गिरिडीह निवासी सौरभ साव एवं अंकित साव सनातन धर्म और संस्कृति की प्रचार प्रसार के लिए ४ धाम १२ ज्योर्तिलिंग की दर्शन के लिए स्कैटिंग करते हुए निकला है।पहली मई को निकले दोनों युवकों ने पहला ज्योतिर्लिंग बाबा बैजनाथ धाम का दर्शन कर रविवार संध्या डुमरी पहुंचे।जहां स्थानीय सनातनियों ने स्वागत किया साथ ही रात्रि भोजन की व्यवस्था किया।रात्रि विश्राम दोनों युवकों ने सार्वजनिक दुर्गा मंदिर प्रांगण में किया।दूसरा पड़ाव जगन्नाथ पूरी के लिए निकले।स्केटिंग के माध्यम से यात्रा के लिए निकले हैं,कहा की हम दोनों भाई इस यात्रा में निकले हुए हैं।यात्रा के दौरान हम सभी को बहुत अच्छा से सेवा भाव मिल रहा है। अभी तक हम दोनों का १०वां दिन हो चुका है।इस दौरान आशीष जायसवाल टींकू, दीपक राणा,बबलू शर्मा,रिंकु शर्मा,लालू जायसवाल,रामबाबू आदि दोनों युवकों की आवभगत में जूटे रहे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

भूधंसान व गैस उत्सर्जन पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

धनबाद (कासं) : कोयला भवन मुख्यालय में केंदुआडीह क्षेत्र में उत्पन्न भूधंसान एवं गैस उत्सर्जन की गंभीर स्थिति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने की।

इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के परियोजना सलाहकार आलोक कुमार सिंह, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी/संचालन - योजना एवं परियोजना) राजीव कुमार सिन्हा, निदेशक (वित्त) राजेश कुमार, महाप्रबंधक (जेएमपी) राजीव चोपड़ा, महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) संजय कुमार सिंह सहित मुख्यालय के अन्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

बैठक में आईआईटी-आईएसएम, पीएमआरसी तथा सिम्फर के तकनीकी विशेषज्ञों ने भी सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने अनुभव एवं विश्लेषण साझा किए। विशेषज्ञों में धीरज कुमार एवं डी.सी. पाणिग्रही प्रमुख रूप से शामिल रहे। बैठक

का मुख्य उद्देश्य हाल के दिनों में टांड़ाबाड़ी एवं केंदुआडीह क्षेत्र, विशेषकर पुराने एनएच३२ (गोधरपुटकी मार्ग) पर स्थित केंदुआडीह मौजा के पुराने जीएम बंगले के समीप उत्पन्न पॉटहोल एवं भूधंसान के साथसाथ गैस उत्सर्जन की स्थिति की समग्र समीक्षा करना तथा वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप सर्वोत्तम समाधान विकल्पों पर विचार-विमर्श करना था।

इस दौरान क्षेत्र में विगत कई महीनों से लागू सुरक्षा उपायों एवं तकनीकी हस्तक्षेपों की विस्तृत समीक्षा की गई। तकनीकी विशेषज्ञों ने विभिन्न सुरक्षा उपायों, निगरानी तंत्र तथा किए गए प्रयासों पर अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। विशेषज्ञों ने अवगत कराया कि टांड़ाबाड़ी एवं केंदुआडीह क्षेत्र की स्थिति अत्यंत संवेदनशील एवं चिंताजनक है। क्षेत्र में निरंतर हो रहे जहरीली गैस उत्सर्जन एवं भूधंसान के कारण स्थानीय निवासियों के जीवन एवं संपत्ति पर गंभीर खतरा लगातार बना हुआ है।

विशेषज्ञों द्वारा यह भी बताया गया कि नाइट्रोजन फ्लशिंग सहित अन्य सभी संभावित तकनीकी उपायों को अपनाया गया, लेकिन अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सके हैं। वर्तमान परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए विशेषज्ञों ने सर्वसम्मति से प्रभावित क्षेत्र से सभी परिवारों के शीघ्र पुनर्वास एवं सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरण को ही एकमात्र व्यवहारिक एवं सुरक्षित विकल्प बताया। इस दौरान विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए मुख्य सड़क और राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच३२) को चालू करना बेहद खतरनाक हो सकता है और इससे कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है।

अपने संबोधन में सीएमडी, श्री अग्रवाल ने कहा कि बीसीसीएल द्वारा क्षेत्र की लगातार निगरानी की जा रही है तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। लेकिन, सभी तकनीकी प्रयासों के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है, जिससे क्षेत्र में निवास कर रहे लोगों के जीवन पर निरंतर खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी प्रकार का जोखिम स्वीकार्य नहीं है। अतः विशेषज्ञों की अनुशंसाओं के अनुरूप सभी प्रभावित परिवारों का त्वरित, सुरक्षित एवं व्यवस्थित पुनर्वास ही एकमात्र विकल्प है, और बीसीसीएल प्रबंधन इस दिशा में राज्य सरकार एवं संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक उठा रहा है, ताकि प्रभावित लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि क्षेत्र की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जाएगी तथा भविष्य में किसी भी संभावित जोखिम को रोकने के लिए विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर आगे की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक के समाप्ति की घोषणा की गई।

कर्मियों को बंधक बनाकर कोलियरी में केबल लूट

निरसा (ससे) : हथियार बंद लुटेरों ने भूमिगत खदान में बीती रात धावा बोला और कर्मियों को बंधक बनाकर लगभग डेढ़ सौ मीटर केवल लूट लिया। लूटे गए केबल की कीमत लगभग २ लाख बताई जा रही है। इस संबंध में कोलियरी प्रबंधन ने निरसा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। ढाई माह के अंदर श्यामपुर बी कोलियरी में केबल लूट की यह आठवीं घटना है। हर घटना की सूचना निरसा थाने को दी गई है। नतीजा शून्य रहा जिसका लाभ लुटेरे आए दिन घटना को अंजाम दे रहा है। लगातार हो रही केबल लूट से कोल कर्मियों में दहशत एवं आक्रोश व्याप्त हो गया है। कोलकर्मी रात पाली ड्यूटी से कतरा रहें हैं ।

जानकारी देते हुए बंधक बने कोलकर्मी माइनिंग सरदार विश्वनाथ चौहान एवं पंप खलासी धर्मेंद्र चौहान ने बताया कि बीती रात केबल लुटेरों के दल ने खदान के अंदर धावा बोला। हम लोग खदान के अंदर पंप के पास बैठे हुए थे। अचानक लगभग १४ से १५ की संख्या में केबल लुटेरे आए तथा हरवे हथियार के बल पर हम लोगों को बंधक बनाकर एक किनारे बैठा दिया। केबल लुटेरे भुजली, लाठी, डंडा एवं तलवार से लैस थे। सभी ने अपने चेहरों को गमछे एवं रुमाल से ढक रखा था। दो केबल लुटेरे हम लोगों की निगरानी करने लगे तथा अन्य केबल लुटेरे केबल काटने में लग गए। केबल काटकर केबल लुटेरे आराम से चलते बने। जब हम लोगों को आभास हुआ कि सभी लोग चले गए हैं तब हम लोग किसी तरह खदान से बाहर आकर अन्य कर्मियों को मामले की जानकारी दी। उसके बाद मामले की जानकारी वरीय पदाधिकारी को दी गई। परंतु तब तक केबल लुटेरे भागने में सफल रहे। कर्मियों ने बताया कि लुटेरे उनका मोबाइल,घड़ी और पैसा भी लूट लिया। ड्यूटी पर तैनात बंधक बने कर्मियों ने बताया कि लुटेरे मुहाने के पीछे बने पंखा घर के दीवार में सेंधमारी कर खदान के अंदर गए थे। आशंका व्यक्त की जा रही है कि केबल लूटने के बाद उसी रास्ते से वापस निकल गए हैं। क्योंकि कोलियरी के मुहाने पर ड्यूटी में मौजूद मजदूर एवं सुरक्षा कर्मियों ने किसी को भी ना तो खदान के अंदर जाते देखा और ना ही बाहर निकलते। कर्मियों ने कहा कि लगातार हो रही लूट पर पुलिस की चुप्पी लुटेरों के हौसले को बुलंद कर रखा है जिसका परिणाम हमलोंगों को भुगतना पड़ रहा है।

ट्रांसफार्मर में भीषण आग

धनबाद (कासं) : भूली के ए ब्लॉक स्थित ट्रांसफार्मर में अचानक

भीषण आग लगने से इलाके में अफरातफरी मच गई। आग की लपटें और धुआं दूर तक दिखाई दिया, जिससे स्थानीय लोग दहशत में आ गया। लोगों का आरोप है कि घटना की सूचना मिलने के बावजूद बिजली विभाग का कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। समय रहते आग पर काबू पाने की कोशिश की गई, जबकि घटना के कारण बिजली आपूर्ति भी प्रभावित रही।

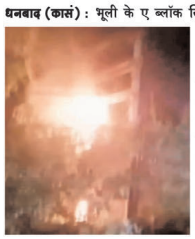

ढांगी समेत अन्य इलाकों में भूमाफिया हावी

बलियापुर (ससे) : ढांगी के ग्रामीण लखी देव मरांडी, अजीत मुर्मू, बलदेव मुर्मू, बासुदेव मोदी समेत ग्रामीणों ने डीसी को आवेदन दिया। जिसमें कहा गया कि भूमाफियाओं द्वारा गांव के गैराबाद जमीन को कैंजा कर चारदिवारी निर्माण किया जा रहा है। सीएनटी की जमीन को अवैध एवं गैरकानूनी ढंग से कब्जा किया जा रहा है। भूमाफियाओं द्वारा गैर मजरूआ जमीन पर बड़े बड़े भवनों का निर्माण कर बाहरी लोगों को बसाने की तैयारी की जा रही है। ग्रामीणों ने भूमाफियाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री के प्रस्तावित दौरे को ले डीसी ने की बैठक

धनबाद (कासं) : केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे के प्रस्तावित धनबाद के दौरे को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बीसीसीएल तथा जेआरडीए के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे के धनबाद दौरे की रूप रेखा पर चर्चा की गई। केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री इस दौरान बेलगड़िया का भी भ्रमण करेंगे। जिसे लेकर केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री के हाथों बेलगढ़िया में जनकल्याणकारी विकास योजनाओं के शिलान्यास, उद्घाटन तथा परिसंपत्ति वितरण की तैयारियों पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

मौके पर आलोक कुमार सिंह परियोजना सलाहकार कोयला मंत्रालय, संजय कुमार सिंह, तकनीकी निदेशक बी.सी.सी.एल.राजीव रंजन निदेशक डीआरडीबी, राजीव चोपड़ा महाप्रबंधक जे.एम.पी. समेत अन्य बी.सी.सी.एल. अधिकारी तथा जे.आर.डी.ए. अधिकारी मौजूद रहे।

बांसजोड़ा के पुराने तालाब का होगा सौंदर्यीकरण

कतरास (ससे) : बाघमारा प्रखंड के बांसजोड़ा पंचायत के खरखरी स्टेशन के निकट स्थित दशकों पुराने मरघटी तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने किया। विधायक फंड से मरघटी तालाब का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य होने से आसपास के लोगों को इस योजना से लाभ मिलेगा और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, भूजल स्तर में भी सुधार होगा। आसपास के किसानों को पानी की सुविधा मिलेगी। विधायक शत्रुघ्न ने बताया कि स्थानीय नागरिकों की वर्षों पुरानी मांग को रोजगार के साथ पूरा किया गया। इस अवसर पर सुभाष रवानी, बांसजोडा पंचायत के मुखिया समीर कुमार लाला, नीकी राजा लाला, सुमन राजगढ़िया, अंजना देवी, बंटी बाउरी, पंकज लाला, लक्ष्मी देवी, बंधन दास आदि मौजूद थे।

जिप के जेई ने सोलर जलमीनार का लिया जायजा

बलियापुर (ससे) : क्षेत्र में भीषण जल संकट को देखते हुए उप विकास आयुक्त के निर्देश पर जिला परिषद के जेई ने बलियापुर क्षेत्र के दोलाबड़, दुधिया, बेड़ा नियामतपुर समेत कई इलाकों में सोलर जल मीनार का जायजा लिया। अधिकांश जगहों में सोलर जलमीनार मरम्मति के अभाव में बेकार पड़ा हुआ था। जेई ने कहा कि संबंधित रिपोर्ट जिला को सौंपा जायेगा। खराब पड़े जलमीनार का मरम्मति कार्य शुरू कर दिया जायेगा।

मालूम हो कि जिला परिषद सदस्य उषा महतो ने जिला परिषद की बैठक में पेयजल का मुद्दा उठाया था। इसी के आलोक में जिला उप विकास आयुक्त के निर्देश पर क्षेत्र में जायजा लिया गया। मौके पर जिला परिषद सदस्य उषा महतो, उप मुखिया प्रतिनिधि अख्तर अंसारी, दिलीप गोप आदि मौजूद थे।

निपनिया में छऊ नृत्य कार्यक्रम

बलियापुर (ससे) : निपनिया में चड़क पूजा के मौके पर छऊ नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। पश्चिम बंगाल पुरूलिया के देवेन कालिंदी, सोमनाथ बाउरी, साल ग्राम के स्वामी विवेकानंद के टीम ने भाग लिया। कार्यक्रम सुबह तक कार्यक्रम चलता रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में चड़क पूजा समिति निपनिया के काशीनाथ मंडल, धनेश्वर महतो, रवि महतो, वसंत महतो, सूरज महतो, गौतम महतो, राजकुमार महतो, परेश प्रमाणिक, सुनील महतो, सतीश महतो, अजीत मल्लिक, उत्तम महतो आदि का सराहनीय योगदान रहा।

सादिक हत्याकांड में पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोविंदपुर (ससे) : अमलाटांड़ गांव निवासी सादिक अंसारी के हत्याकांड मामले में गोविंदपुर थाना पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने इस मामले में कई युवकों को गिरफ्तार किया है और उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, हत्या के कारणों और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश में पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। इलाके में इस घटना के बाद तनाव का माहौल बना हुआ है, वहीं पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है। बताया जा रहा है कि पूछताछ के आधार पर जल्द ही मामले में और खुलासे हो सकते हैं।

1309 वाहनों की जांच, कागजातों का किया गया सत्यापन

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले भर में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने प्रमुख चौकचौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान कुल १३०९ वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस द्वारा वाहनों के कागजातों का सत्यापन किया गया तथा

वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए और चालान भी काटा गया। इसके साथ ही चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई और उनकी पहचान का सत्यापन किया गया। एसएसपी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य अपराध पर नियंत्रण रखना, असामाजिक तत्वों पर नजर रखना और आम लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

खेलकूद से शारीरिक व मानसिक विकास होता है : आशा देवी

बलियापुर (ससे) : बलियापुर प्रखंड अंतर्गत कुशबेरिया गांव में एसएसएमएमए क्लब की ओर से क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में संथाल यूनाइटेड क्लब, न्यू स्पोर्टिंग क्लब नीमडीह, एस टी ११ पालूडीह, एस टी ११ ब्लास्टर जामुनडीह, काजू बादाम चंदनक्यारी, एस टी ११ धनबाद, शिखर डिशुम क्लब पुरुलिया, मास्टर ११ बायलाडीह सहित कई टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच मास्टर ११ बायलाडीह बनाम संथाल यूनाइटेड क्लब के बीच खेला गया। जिसमें मास्टर ११ बायलाडीह २ रन से विजयी हुआ। विजेता टीम को मुख्य अतिथि प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी ने और उप विजेता टीम को विशिष्ट अतिथि शिक्षक स्वपन कुमार महतो ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप प्रमुख आशा देवी ने कहा कि खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। खेलकूद से मानसिक और शारीरिक विकास होता है। उन्होंने आयोजकों को शांतिपूर्ण खेल के आयोजन के लिए लिए कमिटी के सदस्यों को बधाई दिया और आगे खेलकूद और खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग करेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनिल टुडू, हेमलाल किस्कू, राहुल हांसदा, रोहित हांसदा, सरोज विद, मनोज मल्लिक, सुखचंद सोरेन, सुरेश मुर्मू, कृष्णा टुडू, दीपक सोरेन, प्रकाश मुर्मू, राजेंद्र किस्कू, सहदेव हांसदा, हाबलू मल्लिक आदि सदस्य सक्रिय रहे।

डीएवी+2 विद्यालय का विवाद गहराया, थाना में शिकायत दर्ज

कतरास (ससे) : डीएवी+२ उच्च विद्यालय का विवाद सुलझने के बजाय लगातार गहराता जा रहा है। विद्यालय में आए दिन नए विवाद सामने आ रहे हैं। विद्यालय के सचिव और कर्मचारियों के बीच विवाद थाने तक पहुंच गया, जहां दोनों पक्षों ने एकदूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

विद्यालय में कार्यरत राजेश कुमार रविदास ने कतरास थाना में शिकायत देकर विद्यालय के सचिव मनोज खेमका पर मारपीट कराने का आरोप लगाया है। शिकायत में राजेश कुमार रविदास ने कहा है कि सुबह करीब ११:३० बजे वह विद्यालय का ३७ हजार ५०० रुपये जमा कराने जा रहे थे। इसी दौरान सचिव मनोज खेमका अपने १०१५ समर्थकों के साथ पहुंचे और उनके साथ मारपीट करवाई। उन्होंने कहा कि हमलावरों को वह नाम से नहीं जानते, लेकिन पहचान सकते हैं। राजेश कुमार रविदास ने दावा किया है कि पूरी घटना विद्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है।

वहीं दूसरी ओर विद्यालय के सचिव मनोज खेमका ने भी कतरास थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए विद्यालय के तीन लिपिकों -प्रभात मिश्रा, सुदाम गिरी और पलटू सिन्हा -पर करीब २ लाख ५० हजार रुपये गबन करने का आरोप लगाया है। अपनी शिकायत में उन्होंने कहा है कि तीनों कर्मी जबरन विद्यालय परिसर में घुसकर अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे थे तथा उनके साथ हाथापाई भी की गई।

इस मामले में कतरास थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत प्राप्त हुई है और मामले की जांच की जा रही है।

विद्यालय पहुंचे सीओ, वेतन विवाद सुलझाने का दिया निर्देश

कतरास (ससे) : गुजराती हिंदी मध्य विद्यालय में चल रहे वेतन विवाद को लेकर सोमवार को बाघमारा अंचलाधिकारी गिरजानंद किस्कू विद्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने १७ माह के बकाया वेतन भुगतान की मांग को लेकर २० अप्रैल से अनिश्चितकालीन सत्याग्रह पर बैठी शिक्षिका भावना चौहान से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। अंचलाधिकारी ने विद्यालय प्रबंधन से भी बातचीत की और विद्यालय अध्यक्ष नीतीश ठक्कर को दो दिनों के भीतर मामले का निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी कीमत पर क्षेत्र की विधि-व्यवस्था बिगड़ने नहीं दी जाएगी और विवाद का शीघ्र समाधान किया जाए।

गिरजानंद किस्कू ने बताया कि मामले की जानकारी जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी दे दी गई है और उनसे भी हस्तक्षेप कर समस्या के समाधान का आग्रह किया गया है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को आपात कमेटी बैठक बुलाकर विवाद सुलझाने का निर्देश दिया। साथ ही चेतावनी दी कि यदि विधिब्यवस्था प्रभावित हुई तो प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा।

बताया जा रहा है कि गुजराती हिंदी मध्य विद्यालय का विवाद दिनबदिन गहराता जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन समिति का संचालन सही ढंग से नहीं होने के कारण यहां अराजकता का माहौल बन गया है। विद्यालय के सचिव के इस्तीफा देने के बाद स्थिति और खराब हो गई है। आपसी तालमेल की कमी के कारण विद्यालय का शैक्षणिक माहौल भी प्रभावित हो रहा है और शिक्षण कार्य सुचारु रूप से नहीं चल पा रहा है।

निचले सदन के सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 850 करना मजाक : थरूर

नई दिल्ली,(ईएमएस): कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा है कि संसद के निचले सदन के सदस्यों की संख्या बढ़ाकर ८५० करना एक मज़ाक है और इससे यह सदन चीन की पीपुल्स कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस का एक देसी संस्करण बनकर रह जाएगा। हालांकि, बीजेपी नेताओं ने उनके इस बयान का विरोध किया। कैलिफ़ोर्निया में आयोजित स्टैंडफोर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस २०२६ में भाग लेते हुए बीजेपी नेता तेजस्वी सूर्या ने कहा कि परिसीमन एक लोकतांत्रिक जरूरत है, ताकि निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय की जा सके।

उन्होंने संसद की संरचना को स्थिर बनाए रखने को बेतुका बताया। लोकसभा की वर्तमान सदस्य संख्या ५४३ है। लोकसभा सदस्य तेजस्वी सूर्या ने थरूर के बयान का जवाब देते हुए कहा कि, १९७१ की जनसंख्या के आधार पर २०२६ में १४० करोड़ लोगों वाले लोकतंत्र की जरूरतों को पूरा नहीं किया जा सकता। उन्होंने थरूर के उस उदाहरण का प्रतिवाद किया जिसमें उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस का उल्लेख किया था, जिसकी सदस्य संख्या १९२९ से ४३५ ही बनी हुई है।

थरूर ने कहा कि अमेरिका की जनसंख्या १९२९ के बाद तीन गुना बढ़ चुकी है, लेकिन वहां प्रतिनिधि सभा के सदस्यों की संख्या अब भी ४३५ ही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में बहस और चर्चा जरूरी होती है, जबकि ८५० सांसदों वाले सदन में यह संभव नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आरक्षण को परिसीमन से जोड़ना गलत है और अगर सरकार चाहे तो मौजूदा संसद में ही एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित कर सकती है। उन्होंने कहा कि आपको बोलने, बहस करने या किसी भी बात पर चर्चा करने का मौका नहीं मिलेगा। ८५० तो एक मज़ाक है।

थरूर ने कहा कि महिलाओं के आरक्षण के मुद्दे को परिसीमन से नहीं जोड़ा जा सकता है और उनकी पार्टी लोकसभा में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने पर समर्थन देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि आज ही इसके लिए वोट करें। आप तत्काल वोट करा सकते हैं। इसे परिसीमन से न जोड़ें। आज की संसद में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण लागू करें और हम सभी इसके पक्ष में वोट करेंगे।

अन्नामलाई ने इसे उत्तर और दक्षिण भारत के बीच बड़े मोल-तोल का मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्य की कुल प्रजनन दर भारत में सबसे कम है और जनगणना के आंकड़े जारी होने के बाद उत्तर भारतीय राज्यों को स्वाभाविक रूप से ज्यादा संख्या में सांसद मिलने चाहिए ताकि एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचा जा सके और एक ऐसी संख्या पर पहुंचा जा सके जिसमें किसी को भी नुकसान न हो। ये तीनों नेता स्टैनफोर्ड इंडिया पॉलिसी एंड इकोनॉमिक क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में इंडिया, यानी भारत: वृद्धि, शासन और पहचान शीर्षक वाले सत्र में भाग ले रहे थे।

बता दें भारत में परिसीमन का मतलब जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटों का पुनर्वितरण करना है। १९७१ की जनगणना के आधार पर सीटों का बंटवारा लंबे समय से स्थिर रखा था ताकि जनसंख्या नियंत्रण करने वाले राज्यों को नुकसान न हो।

अब नई जनगणना और बढ़ती आबादी के बीच यह मुद्दा गरमा गया है। थरूर ने कहा कि संभवत: २०३४ के चुनाव के समय तक, राजनीतिक रूप से भारत का एक नया नक्शा होगा। करीब २०२७ और २०३४ के बीच, अगले ५० सालों के लिए इस देश के भविष्य के स्वरूप के बारे में गहन चर्चा करने की जरुरत है।

पीएम मोदी की विदेशी मुद्रा बचाने की अपील को उद्योगपतियों का समर्थन

मुंबई,(ईएमएस): देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने ईंधन के उपयोग को कम करने और विदेशी मुद्रा को बचाने का आह्वान किया था। उद्योगपतियों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यह पहल भारत को मजबूती देगी और हमारे बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भंडार की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भाजपा की एक जनसभा को संबोधित करने के बाद आई, जहां उन्होंने पश्चिमी एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए नागरिकों से सहयोग मांगा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से ईंधन बचाने, वर्क फ्रॉम होम जैसी डिजिटल कार्य पद्धतियों को फिर से अपनाने, गैर-जरूरी खरीदारी को सीमित करने और विदेश यात्रा से बचने का आग्रह किया। उन्होंने जोर दिया कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में विदेशी मुद्रा बचाना देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयातित ईंधन पर भारत की निर्भरता का जिक्र कर उन्होंने बताया कि ईंधन की खपत कम करने से बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भंडार की बचत होगी।

भाजपा के खिलाफ ममता के एकता आह्वान को कांग्रेस और वाम दलों ने नकारा

कोलकाता,(ईएमएस) : पश्चिम बंगाल में १५ साल बाद सत्ता गंवाने वालीं ममता बनर्जी के भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता के आह्वान को कांग्रेस और वाम दलों ने सिरे से खारिज किया है। राज्य विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता ने भाजपा का मुकाबला करने के लिए सभी गैर-भाजपा दलों, जिसमें राष्ट्रीय दल, वामपंथी और अति-वामपंथी भी शामिल थे, से एकजुट होने का आग्रह किया था। हालांकि, इस प्रस्ताव को उनके पुराने विरोधियों ने तुरंत अस्वीकार किया।

जहां सीपीआई (एम) ने ममता बनर्जी के साथ किसी भी तरह के मंच साझा करने से साफ इंकार किया है। सीपीआई (एम) पार्टी के सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा, हम ममता के साथ बिल्कुल नहीं जाएंगे। हम ऐसी किसी भी अपराधी, जबरन वसूली करने वाली, भ्रष्ट और सांप्रदायिक व्यक्ति को स्वीकार नहीं कर सकते है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वाम दल जनता और हाशिए पर खड़े लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेगा। यह एक महत्वपूर्ण बयान है, क्योंकि ममता बनर्जी ने अपनी पूरी राजनीति कांग्रेस और वामपंथियों के विरोध पर ही खड़ी की थी और इसी विरोध के कारण बंगाल में डेढ़ दशक तक शासन किया था।

कांग्रेस ने ममता बनर्जी के आह्वान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। बंगाल में कांग्रेस प्रवक्ता सौम्य आइच राय ने उनके अति-वामपंथियों को साथ लाने के प्रस्ताव पर निशाना साधा। उन्होंने हैरानी जताकर कहा, हमें अपने कानों पर विश्वास नहीं हो रहा है। आपने (ममता बनर्जी ने) राष्ट्रीय दलों, कांग्रेस और वाम और अति-वामपंथियों को एक साथ शामिल होने का निमंत्रण दिया है। अति-वामपंथियों से आपका क्या तात्पर्य है? क्या आपका मतलब माओवादियों से है, जिन्होंने २५ मई, २०१३ को छत्तीसगढ़ में १८ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी थी?

गौरतलब है कि भाजपा के हाथों विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद ममता बनर्जी ने वीडियो संदेश जारी कर विपक्षी एकता का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था, मैं बंगाल के सभी विपक्षी दलों, छात्र संगठनों और गैर-सरकारी संगठनों से भाजपा के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह करती हूं। भाजपा का विरोध करने वाले सभी राजनीतिक दलों के साथ एक संयुक्त मंच बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा था, राष्ट्रीय दलों के साथ-साथ, मैं वामपंथियों और अति-वामपंथियों से भी बंगाल और दिल्ली में एकजुट होने का आग्रह करती हूं। अगर कोई राजनीतिक दल मुझसे बात करना चाहता है, तब मैं उपलब्ध हूं। यह याद रखना चाहिए कि हमारा पहला दुश्मन भाजपा है।

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता द्वारा विपक्षी एकता का यह आह्वान राज्य की बदलती राजनीतिक सच्चाई को दिखाता है। बीते एक दशक में भाजपा के मजबूत उदय ने ममता बनर्जी को उन्हीं वाम दलों से सहयोग मांगने के लिए मजबूर किया, जिनका तीन दशक पुराना किला ढहाकर उन्होंने सत्ता हासिल की थी। हालांकि, जमीनी स्तर पर वाम दलों के कार्यकर्ताओं और टीएमसी के कार्यकर्ताओं के बीच खूनी संघर्ष की यादें अभी भी ताजा हैं। इसके बाद भले ही ममता बनर्जी भाजपा के हिंदुत्व कार्ड का जवाब देने के लिए तृणमूल और लाल झंडे को एक साथ लाने का प्रयास कर रही हों, लेकिन यह इतना आसान नहीं है। वह ममता ही थीं जिन्होंने बंगाल से वामपंथ को उखाड़ फेंका था, और हालिया विधानसभा चुनाव में वामपंथ ज्यादातर सीटों पर अपनी जमानत भी नहीं बचा पाया है, जो इस संभावित गठबंधन की चुनौतियों को और बढ़ा देता है।

महिला आयोग की 50 पन्नों की रिपोर्ट में कार्यस्थल पर गंभीर लापरवाही उजागर

नई दिल्ली (ईएमएस): महाराष्ट्र के नासिक से जुड़े चर्चित प्रकरण में राष्ट्रीय महिला आयोग ने राज्य सरकार को ५० पन्नों की विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंप दी है। यह रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपे जाने के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। रिपोर्ट में कार्यस्थल के माहौल को बेहद विषाक्त, असुरक्षित और महिला कर्मचारियों के लिए चिंताजनक बताया गया है। आयोग की जांच में सामने आया है कि कई महिला कर्मचारियों ने यौन उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना, दबाव और धार्मिक अपमान जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ प्रभावशाली कर्मचारियों के खिलाफ लंबे समय तक शिकायतें सामने आती रहीं, लेकिन पीड़ितों को उचित सुरक्षा और न्याय नहीं मिल सका।

जांच के दौरान दानिश, तौसीफ और रजा मेमन जैसे नाम प्रमुख रूप से सामने आए हैं। आरोप है कि इन लोगों ने कार्यालय का माहौल भय और दबाव से भर दिया था, जिसके कारण कई कर्मचारी खुलकर शिकायत दर्ज कराने से डरते रहे।

जैकलीन फर्नांडीस के सरकारी गवाह बनने की कोशिश पर ईडी का अड़ंगा

मुंबई,(ईएमएस): बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस को महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े २०० करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोमवार को बड़ा झटका लगा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने की अर्जी का कड़ा विरोध किया है। पटियाला हाउस कोर्ट ने अभिनेत्री जैकलीन के वकील को ईडी के जवाब पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है, जिसकी अगली सुनवाई १२ मई को होगी। सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत को बताया कि जैकलीन ने जांच के दौरान बिल्कुल भी सहयोग नहीं किया था और उनका आचरण संतोषजनक नहीं रहा। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि उन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की धारा ५० के तहत दर्ज अपने बयानों में पूर्ण और सही जानकारी देने में लगातार विफलता दिखाई। ईडी ने कहा कि जैकलीन को सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक इतिहास और धोखाधड़ी के बारे में पूरी जानकारी थी, इसके बावजूद उन्होंने उससे नियमित और लगातार संपर्क बनाए रखा। एजेंसी का दावा है कि सुकेश ने अपराध की आय से ही जैकलीन को महंगे उपहार और अन्य सामान दिलाए थे, जो कि मनी लॉन्ड्रिंग का हिस्सा था।

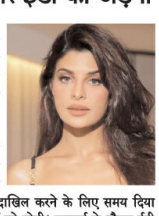

दरअसल, सुकेश पर २०० करोड़ रुपए की ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं। इस हाई-प्रोफाइल केस में जैकलीन का नाम तब सामने आया था, जब जांच एजेंसी ने दावा किया कि सुकेश ने ठगी के इन्हीं पैसों से जैकलीन को करोड़ों के गिफ्ट्स दिए थे। इसी आधार पर ईडी ने उन्हें इस मामले में प्रमुख आरोपी बनाया था। जैकलीन ने हाल ही में कोर्ट में अर्जी दाखिल कर इच्छा जाहिर की थी कि वह इस मामले में सरकारी गवाह बनकर जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करने को तैयार हैं। हालांकि, ईडी ने उनके इस कदम पर सवाल उठाकर स्पष्ट किया है कि फिलहाल उनकी अर्जी को स्वीकार करने का कोई ठोस आधार नहीं दिखता, क्योंकि उनके पिछले आचरण में सहयोग की कमी स्पष्ट रही है।

एकमात्र जीते केरल में भी सीएम चुनने में कांग्रेस हाईकमान के छूटे पसीने

नई दिल्ली,(ईएमएस): पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे ४ मई को आए थे। तब से अब तक तमिलनाडु और बंगाल में नए मुख्यमंत्रियों ने शपथ ले ली है और असम में फैसला करीब हो चुका है। लेकिन एकमात्र केरल में जीत हासिल करने वाली कांग्रेस मुख्यमंत्री का चयन नहीं कर पा रही है। बीते सप्ताह बुधवार को तिरुअनंतपुरम में बैठक हुई थी, लेकिन कोई फैसला नहीं हुआ था।

अब भी बात जस की तस अटकी है और कांग्रेस हाईकमान के भी पसीने छूट रहे हैं। अब केंद्रीय नेतृत्व की ओर से सीएम चुनने के लिए कुछ और वक्त मांग लिया है। केरल में कांग्रेस महासचिव और राहुल गांधी के करीबी केसी वेणुगोपाल को एक गुट सीएम देखना चाहता है। वहीं केरल की ही राजनीति लंबे समय से कर रहे वीडी सतीशन भी प्रमुख दावेदार हैं।

इतना ही नहीं सतीशन के लिए केरल में कई स्थानों पर प्रदर्शन भी हो रहे हैं। फिलहाल लीडरशिप एक या दो दिन का वक्त और चाहता है, ताकि अलग-अलग गुटों से बात की जा सके। जानकारी मिल रही है कि केरल में मुख्यमंत्री की रेस में अब दो ही दावेदार शेष हैं, राहुल गांधी के करीबी वेणुगोपाल और वीडी सतीशन का नाम प्रमुख है। हालात इसतरह के हैं कि दोनों नेताओं के बीच ऐसी रेस है कि जगह-जगह कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। इसकारण टॉप लीडरशिप की ओर से भी सावधानी बरती जा रही है। हाईकमान नहीं चाहता है कि केरल में उसकी सरकार बनते ही कोई झंझट और तनाव की स्थिति बने।

वेणुगोपाल को हाईकमान का करीबी माना जाता है। केरल के विधायकों में बड़ी संख्या इसतरह के लोगों की है, जो वेणुगोपाल के समर्थन में हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि वह हाईकमान के करीबी हैं और भविष्य में टिकट आदि दिलाने में मदद कर सकते हैं। वहीं केरल के संगठन के लोग सतीशन के पक्ष में हैं।

वह केरल में नेता विपक्ष रहे हैं, उनकी स्थानीय राजनीति पर पकड़ भी मजबूत है। इसके अलावा केरल कांग्रेस और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग भी सतीशन के ही पक्ष में दिखा रहा हैं। शनिवार को एक मीटिंग हाईकमान ने दिल्ली में की थी। इस बैठक में सतीशन मौजूद थे। इसके अलावा रमेश चेन्निथला और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ मौजूद थे।

बता दें कि केरल जाकर मुकुल वासनिक और अजय माकन ने कांग्रेस के ६३ विधायकों से मुलाकात की थी। उन्होंने विधायकों से अलग-अलग बात भी की थी। कहा जा रहा है कि भले ही विधायकों का नंबर वेणुगोपाल के साथ है, लेकिन संगठन और काडर का समर्थन सतीशन के नाम पर ही है। बता दें कि वेणुगोपाल विधायक भी नहीं हैं और वह अलपुझा से सांद हैं।

फिर भी उनकी महत्वाकांक्षा सीएम बनने की है। बता दें कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने राज्य में कुल १०२ सीटें हासिल की हैं। वहीं केरल में विधानसभा सीटों की कुल संख्या ही १४० है।

कांग्रेस नेता जयराम का दावा स्थिति कहीं ज्यादा गंभीर हो सकती

नई दिल्ली,(ईएमएस): कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सुझाव दिया है कि पीएम मोदी द्वारा नागरिकों से की गई सात अपीलें पश्चिम एशिया संकट से जुड़ी आर्थिक कठिनाइयों के बीच ईंधन की कीमतों में वृद्धि और मितव्ययिता उपायों की शुरुआत का संकेत हो सकती हैं। एक्स पर पोस्ट करते हुए रमेश ने कहा कि हैदराबाद में मोदी के संबोधन में की गई टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि आर्थिक स्थिति सरकार द्वारा सार्वजनिक रूप से स्वीकार की गई स्थिति से कहीं ज्यादा गंभीर हो सकती है।

उन्होंने लिखा कि पीएम मोदी ने रविवार को हैदराबाद से देश की जनता से की गई अप्रत्याशित अपील का मतलब निम्नलिखित हो सकता है। आर्थिक स्थिति आधिकारिक आंकड़ों और प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों द्वारा अब तक किए जा रहे दावों से कहीं जयदा गंभीर है। ईंधन की कीमतों में वृद्धि सहित कड़े मितव्ययिता उपायों को जल्द ही लागू किया जा सकता है और उन्हें जयादा स्वीकार्य बनाने के लिए माहौल तैयार किया जा रहा है। रमेश ने जमीनी आर्थिक वास्तविकता और सरकार के विकास और स्थिरता के दावों के बीच के अंतर की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि यह बात लंबे समय से स्पष्ट है कि जमीनी आर्थिक स्थिति उदाहरण के तौर पर वास्तविक वेतन में ठहराव, बढ़ते घरेलू कर्ज और रोजगार सृजन करने वाले निजी निवेश में गति की कमी मोदी सरकार के प्रचार से बिलकुल अलग है। पीएम मोदी ने पिछले दिन सिकंदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नागरिकों से आयात पर निर्भरता कम करने और जिम्मेदार उपभोग अपनाने का आग्रह किया, ताकि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों के कारण बढ़ती लागत के बीच अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
तेनुघाट बांध प्रमंडल, तेनुघाट।
प्रेस विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वर्तमान में क्षेत्र में हो रही अत्यधिक वर्षा तथा डीवीआरआरसी (DVRRC) के दिशा–निर्देशों के आलोक में आवश्यकतानुसार दिनांक 12.05.2026 (मंगलवार) को तेनुघाट डैम के स्पिलवे गेट खोले जा सकते हैं। इसके फलस्वरूप दामोदर नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि होने की संभावना है।

अतः दामोदर नदी के दोनों तटों पर अवस्थित जनसामान्य, स्थानीय निवासीगण, निजी एवं सार्वजनिक उपक्रमों तथा संबंधित विभागों को सूचित किया जाता है कि नदी के जलस्तर में वृद्धि होने के कारण निर्माणाधीन संरचनाएँ, पुल–पुलिया, यातायात हेतु निर्मित अस्थायी सेतु, फैक्ट्री, कोयला खदान, रेलवे पुल, सड़क, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के इनटेक वेल, पम्प तथा नदी के भीतर अथवा तटवर्ती क्षेत्र में अवस्थित किसी भी प्रकार की स्थायी अथवा अस्थायी संरचनाओं एवं सामग्रियों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

अतः संभावित जोखिम को दृष्टिगत रखते हुए सभी संबंधित व्यक्तियों, संस्थाओं एवं विभागों को अग्रिम आवश्यक सुरक्षात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा नदी के आसपास अनावश्यक आवाजाही से बचने हेतु सचेत किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता
तेनुघाट बांध प्रमंडल, तेनुघाट।
PR 379438 Water Resource(26-27)D

झारखण्ड सरकार
झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार, कार्यालय, धनबाद

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–03/JMADA/2026-2027

झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार, धनबाद अन्तर्गत भवन में अवस्थित धनबाद नगर निगम, धनबाद के कार्यालय में Lift Installation को मरम्मति कार्य हेतु (ISI Mark) जो GST में निबंधित पंजीकृत प्रतिष्ठानों से मुहरबंद भाव पत्र आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 25.05.2026 के अपराह्न 03:30 बजे तक भाव पत्र तकनीकी सदस्य कार्यालय, झमाडा, धनबाद के वेश्यम में प्राप्त किये जायेगें एवं उसी दिन अपराह्न 04:00 भाव पत्रदाता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि (यदि उपस्थित हो) के उपस्थिति में भाव पत्र तकनीकी सदस्य, झमाडा, धनबाद के द्वारा खोला जायेगा। भाव पत्र के साथ रूपया 5,000.00 को (Non-refundable) डिमान्ड ड्राफ्ट एवं साथ ही उदृत राशि का **2%** अग्रधन राशि सचिव, झमाडा के नाम से संलग्न करना होगा। राज्य सरकार द्वारा दी जानेवाली छूट प्राधिकार द्वारा भी दी जायेगी।

उक्त कार्य संबंधी कार्य विवरणी भाव पत्र प्राप्ति के एक दिन पूर्व तक कार्यालय दिवस में लेखापाल जलापूर्ति शाखा से प्राप्त किया जा सकता है।

एक अथवा सभी भाव पत्र को रद्द अथवा स्वीकार करने का पूर्ण अधिकार प्राधिकार के सक्षम पदाधिकारी को सुरक्षित रहेगा।

कार्यपालक अभियंता,
झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार,
धनबाद
PR 379503 District(26-27)#D

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(CIN No.:U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: SLDC Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi–834002.
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER, TRANSMISSION ZONE-VII, DHANBAD
Bijli Colony, Hirapur, Dist: - Dhanbad, Pin: - 826001
Email: gmtz7dhanbad@gmail.com, website:www.jusnl.in

Short Tender Notice

Tender notice in two parts i.e. technical (Part-I) and Financial (Part-II) (both in two separate sealed envelopes supper scribed with NIT No. and Part) are invited from reputed, experienced capable and financially sound agencies / contractors for the following works: -

Sl. No.	NIT No.	Description of Work	Estimated Cost including of GST & Labour Cess (Rs.)	Earnest Money Deposit (Rs.)	Cost of Tender (Non-Refundable) (Rs)
1.	152/PR/JUSNL /2026 – 27	Upkeeping work in guest house at the campus of 220/132/33 KV GSS Govindpur, Dhanbad for the Period of 01/06/2026 to 31/03/2027 (i.e. 10 Months.).	Rs. 6,98,794.00	Rs.14,000.00	Rs 1,476/- (incl. of GST @18%)

Start Date of sale of T ender Document	12.05.2026 from 10:00 AM
Last Date & Time sale of Tender D ocument	22.05.2026 upto 05:00 PM
Last date & Time of submission of TenderD ocument	22.05.2026 upto05:00 PM
BID Opening date for Technical (Part – I)	23.05.2026 at 11:00 AM
BID Opening date for Financial (Part – II)	Will be communicated later on.
Tendering Officer, address for communication & submission of tender documents	G.M. TRANSMISSION ZONE-VII, DHANBAD Bijli Colony, Hirapur, Dhanbad, Pin – 826001, Jharkhand

1. Tender documents along with terms and conditions can be purchased from the **Office of General Manager, Transmission Zone-VII, Dhanbadat Bijli colony, Hirapur, Dhanbad** on payment of cost of BOQ(Non-refundable) in shape of cash/D.D. drawn in favour of **Manager (F&A) Transmission Zone VII** payable at Dhanbad on any working day.
2. No postal transaction of purchase/ submission of tender documents shall be entertained.
3. The undersigned reserves the right to issue the tender documents/ extend the date of sale/ submission/ opening of tenders and distribute the works among the tenderers or reject any/ all tenders without assigning any reason thereof.
4. For any clarifications, please contact on Mobile No. 9934148556/9431767206.

Sd/- General Manager
Transmission Zone-VII, Dhanbad

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।
PR.NO.379461 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(26-27):D

कार्यालय गिरिडीह नगर निगम
Email id(giridihmunicipalcorporation@gmail.com)

शुद्धि–पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के ज्ञापांक 379/यो0 दिनांक 29.04.2026 द्वारा प्रकाशित निविदा पी0आर0नं0 378798(Urban Development) 26-27(D) निविदा सं0 UDD/GMC/VI/02/2026-27 योजना वार्ड नं0 28 में अर्बन हेल्थ वेलनेश सेन्टर का जीर्णोद्धार कार्य को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

अन्य शर्त यथावत् रहेंगे।

उप नगर आयुक्त,
गिरिडीह नगर निगम
PR 379460 Urban Development(26-27)#D

कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद।
दूरभाष सं0–9431711098 (M) ई–मेल – nuhmdhanbad@gmail.com
Walk In Interview

Mother Teresa Advance Health Clinic Dhanbad ।
Mother Teresa Advance Health Clinic में निजी चिकित्सक की सेवा चार घंटो के लिए आवश्यकता है।
Walk In Interview की तिथि : 20 /05/2026 समय : पूर्वाहन 11 : 30 बजे। स्थान : सिविल सर्जन कार्यालय, धनबाद।
Mother Teresa Advance Health Clinic मे चिकित्सक की सेवा प्राप्त करने हेतु आवश्यक शर्ते–

क्र0 सं0	विवरणी	आवश्यक शर्तें
1	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	मेडिकल काउन्सिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान से MBBS की डिग्री।
2	उम्र सीमा	अधिकतम 67 वर्ष (सिविल सर्जन के माध्यम से निर्गत मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र के आधार पर 70 वर्ष तक के चिकित्सकों की सेवा प्राप्त की जा सकती है। मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र की वैधता एक वर्ष के लिए मान्य होगा)
3	मानदेय	1400 रु प्रति चार घंटो कार्य हेतु।
4	कार्य का समय	08:00 से 12:00 बजे सुबह या 04:00 से 08:00 बजे शाम।
5	सूचीबद्ध किये गये चिकित्सको द्वारा भविष्य मे नियमितिकरण हेतु किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।	
6	आवेदन पत्र सिविल सर्जन कार्यालय धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है।	

List of Mother Teresa Advance Health Clinic Dhanbad Vacant Post for Empanelment Doctor (MBBS).

1.MTAC Bhuli Ward No-15	2. MTAC Sindri Ward No-54	3. MTAC Jharia Ward No-44	4. MTAC Katras Ward No-02
5. MTAC Loyabad Ward No-8	6 MTAC Sudamdih Jharia Ward No-52	7. MTAC Wasepur Ward No-14	

असैनिक शल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद।
PR 379529 Health Med Edu and Family Welfare(26-27)D

चुनाव खत्म होते ही पीएम को याद आया संकट : अखिलेश यादव

लखनऊ (ईएमएस) : समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जनता से कम खर्च करने और खाने के तेल की खपत कम करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर तंज करते हुए सोमवार को कहा कि यह गुजारिश सरकार की अपनी असफलता की 'स्वीकारोक्ति' है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तेलंगाना में एक रैली में आम जनता से पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे हालात में ईंधन का समझदारी से इस्तेमाल करने और सोने की खरीद तथा विदेश यात्रा को एक साल के लिए टालने जैसे कई उपाय सुझाए जाने पर तंज करते हुए 'एक्स' पर कहा कि चुनाव ख़त्म होते ही, 'संकट' याद आ गया! दरअसल देश के लिए 'संकट' सिर्फ़ एक है और उसका नाम है-'भाजपा'। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी सारी पाबंदियां लगानी पड़ीं तो 'पांच ट्रिलियन डॉलर की जुमलाई अर्थव्यवस्था' कैसे बनेगी? लगता है भाजपा सरकार के हाथ से लगाम पूरी तरह छूट गयी है। डॉलर आसमान छू रहा है और देश का रुपया पातालोन्मुखी हो गया है।

उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सोना न खरीदने की अपील जनता से नहीं, भाजपाइयों को अपने भ्रष्ट लोगों से करनी चाहिए क्योंकि जनता तो वैसे भी १.५ लाख तोले का सोना नहीं खरीद पा रही है। भाजपाई ही अपनी काली कमाई का स्वर्णीकरण करने में लगे हैं। हमारी बात गलत लग रही हो तो 'लखनऊ से लेकर गोरखपुर' तक पता कर लीजिए या 'अहमदाबाद से लेकर गुवाहाटी' तक।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि वैसे सारी पाबंदियां चुनाव के बाद ही क्यों याद आईं है? भाजपाइयों ने चुनाव में जो हजारों चार्टर हवाई यात्राएं कीं वो क्या पानी से उड़ रहीं थीं? वो क्या होटलों में नहीं ठहर रहे थे या सिलेंडर की फोटो लगाकर खाना बनाकर खा रहे थे? भाजपाइयों ने चुनाव में वीडियो कॉन्फ्रेंस से ही प्रचार क्यों नहीं किया? सारी पाबंदियां जनता के लिए ही हैं क्या? उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील की आलोचना करते हुए कहा कि ये अपील भाजपा सरकार की अपनी असफलता की स्वीकारोक्ति है। दरअसल वोट मिलते ही भाजपा का खोट सामने आ गया।

सपा प्रमुख ने कहा कि इस तरह की अपील से तो व्यापार-कारोबार-बाज़ार में मंदी या महंगाई की आशंका की वजह से डर के साथ घबराहट, बेचैनी, निराशा फैल जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का काम अपने अकूत संसाधनों का सदुपयोग करके आपातकालीन हालातों से उबारना होता है, भय या अफ़रातफ़री फैलाना नहीं। यादव ने कहा कि भाजपा के लोग अगर सरकार नहीं चला पा रहे हैं तो अपनी नाकामी को स्वीकार करें।

उन्होंने केंद्र की विदेश नीति पर भी सवाल उठाए और कहा कि वैसे भी इन हालात की असली वजह विदेश नीति के मामले में देश की परंपरागत 'गुट निरपेक्षता' की नीति से भाजपा सरकार का हटकर कुछ गुटों के पीछे, कुछ ख़ास वजहों और दबावों की वजह से चलना है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका ख़ामियाज़ा देश की जनता को महंगाई, बेरोज़गारी और मंदी की मार के रूप में भुगतना पड़ रहा है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने चुनावी घपलों से राजनीति को प्रदूषित कर दिया है, नफरत फैला कर समाज के सौहार्द को बर्बाद कर दिया है, अपने चाल-चलन से भाजपाइयों ने संस्कृति-संस्कार को कलुषित कर दिया है, साधु-संतो पर प्रहार और आरोप लगाकर धर्म तक को नहीं छोड़ा है और अब अर्थव्यवस्था का रोना रो रहे हैं।

जम्मू-तवी एक्सप्रेस में यात्री की गोली मारकर हत्या

वाराणसी (ईएमएस) : कोलकाता-जम्मू तवी एक्सप्रेस में दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देते हुए बदमाशों ने एक यात्री की गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना मुगलसराय रेलवे स्टेशन से महज ३ किलोमीटर पहले ब्लॉक हट-बी के पास करीब रात २ बजे हुई। मृतक की पहचान बिहार के गया जिले के पिपरिया गांव निवासी ४२ वर्षीय दिनेश शाह के रूप में हुई है, जो अपनी पत्नी और परिजनों के साथ सीतापुर के नैमिषारण्य धाम की यात्रा कर रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दिनेश शाह जब कोच ड-२ के बाथरूम से बाहर निकल रहे थे, तभी घात लगाए हमलावरों ने उनके सिर में गोली मार दी। ब्लॉक हट के कारण ट्रेन की गति धीमी थी, जिसका फायदा उठाकर अपराधी अंधेरे में कूदकर फरार हो गए। अचानक हुई गोलीबारी से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। रात २:४२ बजे जब ट्रेन वाराणसी जंक्शन पहुंची, तब पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। हैरानी की बात यह है कि पिछले दो दिनों में ट्रेन के भीतर हत्या की यह दूसरी बड़ी वारदात है। शुरुआती जांच में लूटपाट की संभावना कम नजर आ रही है, क्योंकि पुलिस को मृतक के पास से १५ हजार रुपये नकद मिले हैं और उनकी पत्नी के जेवर भी सुरक्षित हैं।

अपराधमुक्त बिहार सबसे बड़ी प्राथमिकता : सम्राट चौधरी

पटना (एजेंसी): मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंदिरी नाले पर बनी सड़क का उद्घाटन किया। इस दौरान मंच से भाषण देते हुए सीएम सम्राट चौधरी ने कहा, पुलिस के हाथ खुले हैं। चैलेंज करने वाले अपराधियों को पुलिस ४८ घंटे में जवाब देगी। हमारे लिए अपराध मुक्त बिहार मायने रखता है। भाषण के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से देश के साथ-साथ बिहार भी आर्थिक रूप से मजबूत होगा।

उन्होंने बताया कि राज्य में व्यवस्था पूरी तरह बदल चुकी है और आज बिहार में सुशासन की सरकार है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पुलिस को पूरी छूट दी है। अगर कोई अपराधी पुलिस को चुनौती देता है तो पुलिस ४८ घंटे के भीतर उसका जवाब देगी। उनके लिए अपराधमुक्त बिहार सबसे बड़ी प्राथमिकता है और इसके लिए वे हर संभव कदम उठाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अपराधी किसी भी जाति का हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

मंदिर नाले पर बनी सड़क का उद्घाटन कई मायने में बेहद खास माना जा रहा है। सम्राट ने यह भी जानकारी दी कि अगले १ महीने के अंदर दीदारगंज से लेकर कच्ची दरगाह पुल का भी उद्घाटन करेंगे। साथ ही अगले १ महीने में वाटर मेट्रो की भी शुरुआत होगी। पिछले ४० साल से मैं इस शहर को देख रहा हूं। बगल में वीर चंद पटेल पथ में पिताजी रहते थे। पूरे इलाके के लिए ये अभिशाप था। पूर्व सीएम नीतीश जी को भी धन्यवाद देता हूं। कार्यक्रम में क्या-क्या कहा बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ?

कार्यक्रम में मौजूद बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा, आज का दिन मेरे लिए विशेष है। मेरे पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा जी की जयंती भी है। जब वह जीवित थे तो उन्होंने सपना देखा था, मंदिरी नाले के ऊपर सड़क बनाने का और आज ये सपना पूरा हुआ। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बधाई देता हूं। बिहार के पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने सुशासन की सरकार दी। अब सम्राट के नेतृत्व में बिहार समृद्ध होगा।

राहुल गांधी मानहानि मामले में 21 को होगी सुनवाई

सुलतानपुर (ईएमएस): लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े बहुचर्चित मानहानि मामले में सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई के दौरान बहस नहीं हो सकी। मामले की सुनवाई मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में हुई, जहां परिवादी पक्ष की ओर से वॉयस सैंपल की मांग खारिज किए जाने के आदेश को सेशन कोर्ट में चुनौती देने हेतु समय मांगा गया। परिवादी के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने अदालत में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर रिवीजन दाखिल करने के लिए अवसर देने की मांग की।

वहीं बचाव पक्ष के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने बताया कि अदालत ने परिवादी को एक अवसर प्रदान करते हुए मामले की अगली सुनवाई एवं बहस के लिए २१ मई की तारीख नियत की है। मामला वर्ष २०१८ में बेंगलुरु में आयोजित एक जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। भाजपा नेता विजय मिश्र द्वारा इस संबंध में सुलतानपुर की अदालत में मानहानि वाद दायर किया गया था।

भाजपा के नितिन नवीन ने पूर्व विधायक नवीन किशोर को दी श्रद्धांजलि

पटना (ईएमएस) : पटना के शास्त्री नगर स्थित नवीन सिन्हा पार्क में बिहार भाजपा के वरिष्ठ दिवंगत नेता एवं पटना पश्चिम के पूर्व विधायक नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा की ७७वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उनके पुत्र एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पिता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में दीघा विधानसभा विधायक संजीव चौरसिया सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता, कार्यकर्ता, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, वार्ड पार्षद और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर नितिन नवीन ने अपने पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के जीवन को समाज सेवा, संगठन निर्माण और जनहित के कार्यों को समर्पित बताया।

उन्होंने कहा कि उनके पिता राजनीति को महज पद नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम मानते थे और आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहते थे। नितिन नवीन ने कहा कि पिता के आदर्श, विचार और जनसेवा की भावना आज भी उन्हें प्रेरित करती है। सिन्हा ने पटना पश्चिम क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी सादगी, सहजता और कर्मठता ने उन्हें जनता के बीच अत्यंत लोकप्रिय नेता के रूप में स्थापित किया था। उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी उनके राजनीतिक एवं सामाजिक योगदान को याद किया। वक्ताओं ने सिन्हा की भाजपा संगठन को मजबूत करने में निभाई गई अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनके स्थापित मूल्यों और आदर्शों का अनुसरण करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के बताए जनसेवा के मार्ग पर चलने और उनके कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

बिहार के 19 जिलों में आंधी-बारिश और वज्रपात की चेतावनी

पटना (एजेंसी): बिहार के लोगों के लिए मौसम विभाग ने एक बड़ी चेतावनी जारी की है। राज्य के मौसम के मिजाज में अचानक आए बदलाव के कारण आज, सोमवार ११ मई को प्रदेश के सभी जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, उत्तर बिहार के १९ जिलों और दक्षिण बिहार के पटना सहित कई हिस्सों में आंशिक बादल छाए रहेंगे। राज्य के कुल २६ जिलों में आंधी और बारिश को लेकर विशेष चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान ५० से ६० किलोमीटर प्रति घंटा की तेज रफ्तार से हवाएं चलने के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से आ रही नम पुरवा हवाओं की सक्रियता बढ़ने के कारण प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं।

यह स्थिति अगले १५ मई तक रुक-रुक कर बनी रह सकती है, जिसके बाद एक बार फिर गर्मी का प्रकोप बढ़ने की संभावना है। तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ बारिश होने के कारण राज्य के अधिकतम तापमान में २ से ४ डिग्री सेल्सियस तक की कमी आ सकती है। इससे पिछले कई दिनों से पड़ रही चिलचिलाती गर्मी से लोगों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। मुजफ्फरपुर, दरभंगा और भागलपुर जैसे जिलों में पारा गिरकर ३२-३४ डिग्री के आसपास रह सकता है।

मॉनसून से पहले गांवों में बाढ़ से लड़ने की कवायद

पटना (एजेंसी): बिहार सरकार मॉनसून से पहले ४५,००० पुलों का निरीक्षण करेगी, जो ग्रामीण इलाकों में बने हैं। ऐसा बाढ़ से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए किया जा रहा है। मिली खबर के मुताबिक ग्रामीण कार्य विभाग ने सभी जिलों के कार्यपालक अभियंताओं को पुलों, पुलियों और जल निकासी प्रणालियों का विशेष निरीक्षण करने का निर्देश दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारी बारिश के दौरान ग्रामीण संपर्क बाधित न हो। अधिकारियों ने कहा कि इस कवायद का उद्देश्य संरचनात्मक कमजोरियों की पहचान करना और अवरुद्ध जल निकासी चैनलों के कारण होने वाले जलभराव को रोकना है।

विभाग के अनुसार, बाढ़ संभावित क्षेत्रों में पुलों पर मॉनसून के दौरान अक्सर भारी दबाव पड़ता है; जल स्तर बढ़ने पर कभी-कभी पानी सड़क की संरचनाओं के ऊपर से बहने लगता है, जिससे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचता है। ऐसी घटनाओं से अक्सर गांव अलग-थलग पड़ जाते हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन नेटवर्क बाधित हो जाता है। ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने अधिकारियों को बारिश के मौसम के दौरान व्यवधान से बचने के लिए सभी आवश्यक निवारक उपाय करने का निर्देश दिया है।

निरीक्षण अभियान के दौरान अभियंताओं को गर्डर, स्लैब, खंभे, जोड़ और जल निकासी प्रणालियों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। पानी के बहाव में बाधा डालने वाली किसी भी गाद, मिट्टी या मलबे के जमाव को तुरंत हटाया जाना है। अधिकारियों ने कहा कि भारी बारिश के दौरान संरचनाओं पर अत्यधिक दबाव से बचने के लिए पुलों और पुलियों के आसपास अबाधित जल निकासी सुनिश्चित करना आवश्यक है।

पूरे राज्य से निरीक्षण रिपोर्ट अगले महीने के भीतर विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड होने की उम्मीद है, जिससे अधिकारियों को मॉनसून के तेज होने से पहले बुनियादी ढांचे की स्थिति का आकलन करने में मदद मिलेगी।

युवा देश के विकास के लिए सत्य, संस्कार और राष्ट्रभक्ति को जीवन का आधार बनाएं : राष्ट्रवादी चिंतक पुष्पेंद्र

भागलपुर,(ईएमएस) : भारत विकास परिषद, सत्यम शाखा की ओर से रविवार को आयोजित राष्ट्रवाद संगोष्ठी में राष्ट्रवादी चिंतक पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने देश और समाज के विकास में सत्य, संस्कार और राष्ट्रभक्ति को जीवन का आधार बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को अपने इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रीय मूल्यों से परिचित होना चाहिए और जाति-पाति और धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुलश्रेष्ठ ने कहा कि भाषा की मर्यादा और व्यवहार की शालीनता ही व्यक्ति की वास्तविक पहचान होती है। उन्होंने समाज में बढ़ती कटुता और विभाजन की मानसिकता पर चिंता व्यक्त करते हुए युवाओं से आग्रह किया कि वे जाति, धर्म और क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं बल्कि उसके संस्कार, चरित्र और कार्यों से होती है, साथ ही उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी सत्य बोलने का साहस रखना हर नागरिक का धर्म है। उन्होंने उपस्थित लोगों को भारतीय संस्कृति, परंपरा और नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद, सत्यम शाखा के रजत जयंती वर्ष पर प्रकाशित स्मारिका संस्कार का विमोचन भी पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ द्वारा किया गया। स्मारिका के संपादक डा पंकज टंडन और सह-संपादक सुमित जैन हैं। वक्ताओं ने कहा कि संस्कार का उद्देश्य समाज में सेवा, संस्कृति, चरित्र और राष्ट्रभक्ति की ज्योति प्रज्वलित करना है। कार्यक्रम में श्वेता सुमन और उनकी टीम ने वंदेमातरम् गीत प्रस्तुत किया। इसके साथ ही कृष्णा कलायतन, नवयुग विद्यालय और ट्रिपल आईआईटी के बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यक्रम में स्काउट एवं गाइड के बच्चों ने भी सेवा कार्य में योगदान दिया। रविवार को पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने श्री चंपापुर दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र का दौरा भी किया। उन्होंने सिद्ध क्षेत्र मंदिर का दर्शन किया और परिसर की दिव्यता और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। उन्होंने मंदिर परिसर में की गई कांच की नक्काशी और रामायण एवं महाभारत से संबंधित पौराणिक चित्रों की कलात्मकता की सराहना की।

इस संगोष्ठी और चंपापुर यात्रा ने स्पष्ट किया कि सत्य, संस्कार और राष्ट्रभक्ति ही आधुनिक भारत को मजबूत करने वाले स्तंभ हैं।

युवाओं में राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक जागरूकता और नैतिक मूल्यों की स्थापना ही समाज और राष्ट्र की वास्तविक उन्नति तय कर सकती है। कार्यक्रम ने यह भी संदेश दिया कि संस्कृति, शिक्षा और आध्यात्मिकता का संगम समाज को न केवल सशक्त बनाता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है।

पूर्व मध्य रेल

शुद्धि पत्र

शुद्धि पत्र सं. डब्लयु 584/ई–टेंडरिंग/21, 22–DHN-26–27, धनबाद, दि: 08.05.2026

(1) यह पुनः सूचित किया जाता है कि ई–निविदा सं. 21-DHN-2026-27 दिनांक 28.04.2026 में निविदा लागत की राशि को ₹6,60,36,751.43 के बदले में **₹6,59,99,105.52** पढ़ा जाये।

(2) यह पुनः सूचित किया जाता है कि ई–निविदा सं. 22-DHN-2026-27 दिनांक 28.04.2026 में निविदा लागत की राशि को ₹4,83,96,028 के बदले में **₹4,83,96,028.14** पढ़ा जाये।

ई–निविदा सं 21–DHN-26–27 और 22–DHN-26–27 दिनांक 28.04.2026 में दर्शायी गयी अन्य विवरण, नियम एवं शर्तों में कोई बदलाव नहीं होगी।

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण)/ पूमरे/धनबाद

पीआर/0204/डीएचएन/अभि./सी/26–27/24

धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में तीन शिक्षक निलंबित

संभल,(ईएमएस) : उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित पीएमश्री स्कूल के तीन शिक्षकों को परिसर में धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोपों में निलंबित कर दिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने जलाब सराय गांव में हुई आधिकारिक जांच के बाद प्रधानाचार्य मोहम्मद अंजर अहमद,कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वलेश कुमार और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक शिक्षकों पर स्कूल के अंदर धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और हिंदू छात्रों को टोपी पहनने के लिए कहने और लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए प्रोत्साहित करने का आरोप है। इन आरोप में लिप्त होने पर एफआईआर दर्ज की गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह विवाद ७ मई को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ था। इसके बाद, संभल ब्लॉक के शिक्षा अधिकारी अंशुल कुमार ने मामले की जांच के लिए ८ मई को स्कूल का दौरा किया। छात्रों के बयान दर्ज किए गए और बाद में बीएसए को रिपोर्ट सौंपी, जिसके आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वालेश कुमार को वरिष्ठ अधिकारियों को गतिविधियों के बारे में सूचित करने में विफल रहने और अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन न करने के आरोप में निलंबित कर दिया है।

भाजपा महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट को भी देशभक्ति से जोड़ रही : संजय सिंह

लखनऊ (ईएमएस): आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को एक्स पर कहा कि पांच राज्यों के चुनाव खत्म होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने जनता का बोझ उठाने से हाथ खड़े कर दिए हैं। संजय सिंह ने कहा कि चुनाव तक सरकार जनता को भरोसा दिलाती रही कि देश में किसी चीज की कोई कमी नहीं है, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही जनता को तेल, गैस और सोने का इस्तेमाल कम करने की सलाह दी जाने लगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट को भी देशभक्ति से जोड़कर जनता को मानसिक रूप से दबाव में रखने का काम कर रही है, जबकि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग खुद ऐशोआराम, विदेशी यात्राओं और भव्य आयोजनों में किसी प्रकार की कटौती नहीं कर रहे हैं।

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं यह कहा कि पिछले दो महीने से सरकार जनता का बोझ उठा रही थी। उन्होंने कहा कि इसका सीधा अर्थ यह है कि जब तक पांच राज्यों के चुनाव चल रहे थे, तब तक सरकार जनता को राहत देने का दिखावा करती रही, लेकिन चुनाव खत्म होते ही अब सरकार कह रही है कि वह जनता का बोझ नहीं उठा सकती।

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान मोदी सरकार दावा कर रही थी कि देश में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है, पूरा भंडार भरा हुआ है और कोई संकट नहीं है, लेकिन जैसे ही चुनाव समाप्त हुए, जनता को सलाह दी जाने लगी कि पेट्रोल-डीजल कम इस्तेमाल करो, गैस कम इस्तेमाल करो, खाने के तेल का उपयोग कम करो और यहां तक कि एक साल तक सोना भी मत खरीदो। आप सांसद संजय सिंह ने सवाल उठाया कि आखिर देश की जनता को कब होश आएगा और कब लोग इन मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान जनता का केवल इस्तेमाल किया जाता है। कभी चुनाव के समय लोगों के खातों में कुछ पैसे डाल दिए जाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही युवाओं को सड़कों पर डंडों से पीटा जाता है। उन्होंने पटना की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि नौजवान रोजगार और अधिकार मांगते हैं तो उन्हें लाठियों से जवाब दिया जाता है। संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं लगातार भव्य कार्यक्रम, रोड शो और विदेशी यात्राएं करते हैं। उन्होंने कहा कि अभी प्रधानमंत्री संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर जा रहे हैं, वहां किसी प्रकार की बचत की जरूरत महसूस नहीं होती।

संजय सिंह ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दोहरा चरित्र अब देश के सामने पूरी तरह उजागर हो चुका है। उन्होंने कहा कि एक तरफ जनता को महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट के बीच जीने के लिए मजबूर किया जा रहा है और दूसरी तरफ सत्ता पक्ष अपने राजनीतिक प्रदर्शन और विलासिता में कोई कमी नहीं कर रहा। उन्होंने कहा कि आखिर कब तक देश की जनता को केवल वोट की मशीन समझकर इस्तेमाल किया जाएगा और चुनाव खत्म होते ही उसे उसके हाल पर छोड़ दिया जाएगा।

देशभर में 1 जुलाई 2026 से खत्म होगा मनरेगा, लागू होगी 'वीबी-जी राम जी' नई ग्रामीण रोजगार योजना पर होगा काम

रांची (एजेंसी): केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को समाप्त करने की औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी है। ग्रामीण विकास मंत्रालय मारत सरकार द्वारा इस संबंध में राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई है। इसके अनुसार १ जुलाई २०२६ से देशभर में विकसित भारत- रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) : वीबी-जी राम जी योजना लागू होगी। इसके साथ ही मनरेगा अधिनियम, २००५ और इसके अंतर्गत संचालित सभी नियम, योजनाएं, आदेश और दिशा-निर्देश स्वतः समाप्त माने जाएंगे।

2006 में लागू हुआ था मनरेगा

मनरेगा देशभर में २ फरवरी २००६ से लागू हुआ था। शुरुआत में इसे २०० पिछड़े जिलों में लागू किया गया था, जबकि १ अप्रैल २००८ से यह पूरे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी हो गया। इस कानून के तहत ग्रामीण परिवारों को हर वर्ष १०० दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी दी जाती थी। करीब दो दशक तक यह मनरेगा ग्रामीण गरीबों और मजदूर परिवारों की आजीविका का बड़ा सहारा बना रहा।

नई योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार कौशल विकास को बढ़ावा

केंद्र सरकार ने वीबी-जी राम जी अधिनियम, २०२५ की धारा ३७ की उपधारा (१) के तहत प्राप्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नई व्यवस्था लागू की है। अधिसूचना के अनुसार नई योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, कौशल विकास, परिसंपत्ति निर्माण और आजीविका आधारित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार का दावा है कि यह व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक तकनीक आधारित और परिणाम केंद्रित होगी। सूत्रों के अनुसार नई योजना में रोजगार की अवधि १०० दिनों से बढ़ाकर १२५ दिन तक करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर कृषि, जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत संरचना और सामुदायिक परिसंपत्तियों से जुड़े कार्यों में रोजगार दिया जाएगा।

झारखंड में लाखों परिवारों पर पड़ेगा असर

झारखंड में मनरेगा ग्रामीण रोजगार की सबसे बड़ी योजनाओं में शामिल रही है। राज्य के गांवों में तालाब, डोभा, कच्ची सड़क, सिंचाई कूप, जल संरक्षण और भूमि विकास जैसी हजारों योजनाएं मनरेगा से संचालित होती रही हैं। कोरोना काल में गांव लौटे प्रवासी मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने में भी इस योजना की अहम भूमिका रही थी।

पृष्ठ एक का शेषांश

सोमनाथ अमृत महोत्सव---

और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक बनकर बार-बार प्रकट हुआ है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ की यह आध्यात्मिक चेतना मानव कल्याण का संदेश देती है। उन्होंने यह भी कहा कि सोमनाथ का अर्थ ही 'सौम्य और अमृत' है, जिसे कोई नष्ट नहीं कर सकता। यह भारत का वह अटूट स्वरूप है जिसे सदियों के आक्रमण भी मिटा नहीं सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अमृत महोत्सव केवल अतीत का उत्सव नहीं, बल्कि आने वाली सहस्राब्दियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। उन्होंने १९९८ के पोखरण परमाणु परीक्षण और 'ऑपरेशन शक्ति' का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने हर चुनौती का दृढ़ता से सामना किया है। ११ और १३ मई १९९८ को हुए परीक्षणों ने दुनिया को भारत की सामर्थ्य का परिचय कराया। उन्होंने कहा कि भारत की वैज्ञानिक शक्ति और आत्मनिर्भरता ने बार-बार विश्व को आश्चर्यचकित किया है। उन्होंने चंद्रयान मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने जहां रोवर उतरा, उसे 'शिवशक्ति पॉइंट' नाम दिया गया है।

बुलेट ट्रेन खत्म करेगी---

२ घंटे ८ मिनट में और बेंगलुरु से चेन्नई की यात्रा महज ७८ मिनट में पूरी होगी। इतनी कम यात्रा अवधि के साथ, लोग हवाई अड्डों पर लंबी सुरक्षा जांच, शहर के ट्रैफिक और उड़ानों में होने वाली देरी जैसी परेशानियों से बचने के लिए बुलेट ट्रेन को कहीं अधिक सुविधाजनक पाएंगे। उन्होंने विश्वास जताकर कहा कि भविष्य में इन रूटों पर ९९ प्रतिशत यात्रा रेलवे के माध्यम से ही होगी, जिससे हवाई यात्रा की प्रासंगिकता करीब खत्म हो जाएगी। रेल मंत्री वैष्णव ने इस महत्वाकांक्षी योजना के वित्तीय पहलू पर भी प्रकाश डाला, बताया कि भारत सरकार बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर करीब १६ लाख करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रही है। इस परियोजना का एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिस्सा भारतीय कंपनियों और सप्लायर्स को मिलेगा, जिससे देश में रोजगार के नए मौके पैदा होने और विनिर्माण क्षेत्र को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

न्याय भले ही---

और अथाह समझा जाता है, एक सॉलिसिटरल ने दरवाजे खोल दिए हैं, हमें आमंत्रित किया और इसकी बेतुकी बातों पर भी हमें मन भर के हंसने की अनुमति दी है। सीजेआई ने भारतीय अदालतों से जुड़े दिलचस्प किस्से सुनाकर माहौल को बहुत ही हल्का बना दिया।

उन्होंने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि भारतीय न्यायपालिका पर अपना तीसरा संस्करण लाने पर भी विचार करें। सीजेआई ने कहा कि किताबें, विदेशी अदालतों से जुड़े किस्सों से भरी हैं, लेकिन कोर्ट में हास्य खोजना दिखाता है कि वकीलों के पोशाकों और कानूनी औपचारिकताओं के पीछे उनका धड़कता हुआ दिल भी होता है। उन्होंने कहा कि सॉलिसिटर हमें बहुत ही प्यार से याद दिलाते हैं कि सभी गंभीरताओं के बावजूद यह एक अहम मानवीय कार्य है। आखिरकार हमें यह समझना ही पड़ेगा कि सभी कानून और उससे जुड़े हर फैसले के पीछे इंसान ही तो होते हैं, जिनकी अपनी कुछ आदतें भी होती हैं, कुछ दिक्कतें भी होती हैं और साथ ही हास्य की बेहतरीन चमक भी होती है।

कानून सिर्फ आदेशों और आपत्तियों के बारे में नहीं है। यह उस मानवीय हास्य से भी जुड़ा है, जो इन सबके बीच होता है। कोर्टरूम वह जगह है, जहां थियेटर का कानून से मिलन होता है और हर कोई भूमिका निभा रहा होता है। जज अपने अवाक चेहरों और कभी-कभार अधीरता के भाव के साथ और वकील अपने हाव-भाव और समय-समय पर की जाने वाली नाटकीयता के साथ न्याय के इस भव्य तमाशे में बड़ा योगदान देते हैं। इस कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह और अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी भी मौजूद थे और उन्होंने भी अपने-अपने विचार रखे।

सुवेंदु कैबिनेट की---

जिला मजिस्ट्रेटों को इन योजनाओं के आवेदनों को केंद्रीय मंत्रालयों को जल्द से जल्द भेजने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री अधिकारी ने यह भी आश्वासन दिया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में शुरू की गई कोई भी मौजूदा कल्याणकारी योजना बंद नहीं होगी। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इन योजनाओं का लाभ केवल भारतीय नागरिकों और जीवित व्यक्तियों को मिलेगा। इसके अलावा, सोमवार से पश्चिम बंगाल को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), २०२३ और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), २०२३ से पूरी तरह से जोड़ दिया गया है। मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि ये नए कानून पुराने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) का स्थान लेने वाले हैं, जिन्हें राज्य में लंबे समय से बेहद अवैध तरीके से लागू किया जा रहा था। अधिकारी मंत्रिमंडल ने राज्य सरकार की नौकरियों के लिए आवेदन करने की ऊपरी आयु सीमा को पांच साल बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री अधिकारी ने बताया कि यह फैसला पिछले १५ वर्षों से राज्य सरकार में नई भर्ती न होने के कारण कई शिक्षित युवाओं को अवसर प्रदान करेगा, जिनकी आयु सीमा पहले ही पार हो चुकी थी।

बंगाल चुनाव हार पर---

कांग्रेस का कहना है कि राज्य के चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच कुल ३२ लाख वोटों का अंतर रहा है, जबकि वोटर सूची से नाम हटाने संबंधी ३५ लाख अपीलें फिलहाल विभिन्न न्यायाधिकरणों (ट्राइब्यूनल्स) के समक्ष लंबित हैं, जिन पर अभी फैसला आना बाकी है। ममता के वकील ने इस दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची की एक पुरानी टिप्पणी का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि डिलीट हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा रहती है, तब इसतरह के मामलों का न्यायिक परीक्षण अवश्य किया जाना चाहिए। इन दलीलों पर सुनवाई कर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने टीएमसी को सलाह दी है कि वे इस मामले को लेकर अलग से याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट बेंच ने स्पष्ट रूप से कहा कि ममता बनर्जी सहित इन ३१ सीटों के सभी उम्मीदवार इस दावे के साथ अलग से याचिकाएं दायर कर सकते हैं। अदालत ने ममता बनर्जी का नाम विशेष रूप से इसलिए लिया क्योंकि भवानीपुर सीट भी उन्हीं सीटों में शामिल है, जहां एसआईआर में कटे वोटों से जीत का अंतर कम बताया जा रहा है।

एआई से ऊर्जा खपत---

उन्होंने कहा कि भारत को दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में ६७ वर्ष का समय लगा, लेकिन अगले दो ट्रिलियन डॉलर अगले १२ वर्षों में ही जोड़े गए। अदाणी के अनुसार, भारत तेजी से विकास कर रहा है, जहां हर सड़क, बंदरगाह, हवाई अड्डा, कारखाना, ऊर्जा संसाधन और डेटा सेंटर विकास के अगले स्तर को बढ़ा रहा है।

मंत्री-नेताओं के काफिले---

इस्तेमाल में कार-पूलिंग अपनाएं। माल ढुलाई के लिए रेल परिवहन को प्राथमिकता दें और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दें। पीएम मोदी ने कोविड-१९ महामारी के दौरान अपनाए गए कार्यकुशल उपायों को दोबारा लागू करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वर्क-फ्रॉम-होम, ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस और वर्चुअल बैठकों जैसी व्यवस्थाएं न केवल समय और संसाधनों की बचत करती हैं, बल्कि ईंधन की खपत भी कम करती हैं। प्रधानमंत्री ने लोगों से रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं, जैसे जूते, बैग और अन्य सामान, के लिए स्थानीय और 'मेड-इन-इंडिया' उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल देश में रोजगार बढ़ेगा, बल्कि विदेशी आयात पर निर्भरता भी कम होगी।

16 तक बारिश-वज्रपात का अलर्ट, 50 की रफ्तार से चलेगी हवा

रांची (एजेंसी): झारखंड में १६ मई तक मौसम बदला हुआ रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार को छोड़कर अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। राजधानी रांची समेत बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। वहीं पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला-खरसावां सहित दक्षिणी जिलों में भी बादल छाए रहने और कहीं-कहीं वर्षा होने की संभावना जताई गई है। संताल परगना के देवघर, दुमका, जामताड़ा, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज में भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

चुनाव तक चुप्पी, चुनाव बाद त्याग का उपदेश, मोदी सरकार की सच्चाई अब सामने है : विनोद पांडेय

रांची (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देशवासियों को पेट्रोल बचाने, सोना नहीं खरीदने, विदेश यात्राएं रोकने, विदेशी सामान छोड़ने और घर से काम करने की सलाह दे रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि जो आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय संकट आज बताया जा रहा है, उसकी शुरुआत आज नहीं हुई है। युद्ध और वैश्विक तनाव की स्थिति पहले दिन से बनी हुई थी। तब प्रधानमंत्री ने देश से त्याग और कटौती की अपील क्यों नहीं की? देश की जनता यह अच्छी तरह समझ रही थी कि उस समय पांच राज्यों के चुनाव सामने थे, इसलिए सरकार सच्चाई छिपा रही थी। चुनाव खत्म होते ही अब जनता को कम खर्च करो, कम घूमो, कम खरीदो का ज्ञान दिया जा रहा है। इससे साफ जाहिर होता है कि सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए देश की वास्तविक आर्थिक स्थिति को छिपाया।

नीतियों पर बढ़ते सवाल

आज प्रधानमंत्री की बातों और सरकार की नीतियों से स्पष्ट हो गया है कि भारत की विदेश नीति हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। जिन देशों को कभी भारत का सबसे भरोसेमंद मित्र बताया जाता था, वही देश आज भारत से दूरी बनाते दिखाई दे रहे हैं। सरकार अमेरिका के दबाव के आगे झुकती नजर आ रही है और उसका असर सीधे देश की अर्थव्यवस्था और आम जनता की जिंदगी पर पड़ रहा है। मोदी सरकार ने विश्वगुरु, न्यू इंडिया और ५ ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी जैसे बड़े-बड़े सपने दिखाए, लेकिन हकीकत यह है कि आज आम आदमी की कमर टूट चुकी है। महँगाई लगातार बढ़ रही है, बेरोज़गारी रिकॉर्ड स्तर पर है, रुपये की कीमत कमजोर हो रही है और पेट्रोल-डीजल पर भारी टैक्स लगाकर जनता को निचोड़ा जा रहा है। आर्थिक नीति पहले ही आम लोगों को तोड़ चुकी थी, अब सरकार खुलकर जनता से त्याग मांग रही है। तो फिर विकास हुआ कहां?

एक तरफ जनता को विदेश यात्राएँ और डेस्टिनेशन वेडिंग रोकने की सलाह दी जा रही है, वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री खुद यूरोप दौरों पर निकल जाते हैं। अगर वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन मीटिंग इतनी जरूरी और प्रभावी हैं, तो क्या सरकार खुद उसका पालन नहीं कर सकती? देश की जनता से कभी थाली बजवाई गई, कभी मोमबत्ती जलवाई गई, कभी प्याज-टमाटर छोड़ने की सलाह दी गई और अब कहा जा रहा है कि कम चलो, कम खरीदो और कम जियो। आखिर १२ वर्षों की सरकार के बाद अगर समाधान सिर्फ जनता के त्याग में ही बचा है, तो फिर विकास हुआ कहां? झारखंड मुक्ति मार्चा मानता है कि देश को भाषण नहीं, जवाब चाहिए। जनता टैक्स भी दे, महँगाई भी सहे, बेरोज़गारी भी झेले और अंत में उपदेश भी सुने, यह लोकतंत्र नहीं, जनता के साथ अन्याय है।

धनबाद (ब्यूरो): बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित बहुविषयक राष्ट्रीय सम्मेलन जैविक नवाचार, हरित संगोष्ठी एवं सतत आजीविका पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी सिनर्बियो-२६ का उद्घाटन सत्र अत्यंत गरिमामय एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन का आयोजन विज्ञान संकाय के तत्वावधान में किया गया, जिसमें देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, शोध संस्थाओं एवं वैज्ञानिक संगठनों से आए शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं कुलगीत के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में उपस्थित सभी अतिथियों का पारंपरिक रूप से पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत किया गया। समागार में उपस्थित प्रतिभागियों में सम्मेलन को लेकर विशेष उत्साह एवं जिज्ञासा देखने को मिली।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. सुकुमार मिश्रा ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन सत्र में शामिल हुए। अपने प्रेरणा उद्बोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जैविक नवाचार एवं हरित प्रौद्योगिकी सतत विकास के प्रमुख आधार बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा हरित साक्षरता के माध्यम से ही भविष्य की जबड़े की चोटियों का समाधान संभव है। उन्होंने युवाओं एवं शोधार्थियों को नवाचार आधारित शोध एवं समाजोपयोगी विज्ञान की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. डॉ. धीरज कुमार ने बहुविषयक अनुसंधान की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विज्ञान एवं समाज के बीच समन्वय स्थापित कर ही सतत आजीविका के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नवीन वैज्ञानिक दृष्टिकोण जागरूकता के लिए प्रेरित किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. नरेंद्र कुमार भाटिया, निदेशक, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ रेशम फसलों की विभिन्न प्रजातियां एवं उनके उपयोग के बारे में बताइ।

इस अवसर पर बी.बी.एम. के. यू. के पूर्व प्राचार्य प्रो. डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा स्वयंसेवकों की जिम्मेदारी केवल शैक्षणिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिक तैयार करना भी उनका दायित्व है। उन्होंने सम्मेलन के आयोजन की सराहना करते हुए इसे शोध एवं नवाचार के लिए महत्वपूर्ण मंच बताया।

एस.के.एम.यू. के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. मनोरंजन प्रसाद सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सतत विकास की अवधारणा को सफल बनाने के लिए जैविक नवाचारों को जनसामान्य से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी, कृषि एवं पर्यावरण विज्ञान के समन्वय को समय की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में उपस्थित सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. शिवेश प्रताप सिंह, सचिव, सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंस, सतना (मध्यप्रदेश) ने वैज्ञानिक अनुसंधान को समाजोपयोगी बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शोध तभी सार्थक होगा जब उसका प्रत्यक्ष लाभ समाज एवं पर्यावरण को प्राप्त हो।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए वर्तमान कुलपति वरिष्ठ प्रो. डॉ. राम कुमार सिंह ने कहा कि सिनर्बियो-२६ जैसे सम्मेलन के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं वैज्ञानिकों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं, जहां ज्ञान एवं अनुभवों का हस्तांतरण-तत्व संभव हो पाता है। उन्होंने हरित संगोष्ठी एवं सतत आजीविका को वर्तमान समय की वैश्विक आवश्यकता समझाते हुए संस्थानों की सक्रिय भूमिका पर बल दिया।

सम्मेलन की संयोजक, विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता एवं प्राणी विज्ञान विभाग अध्यक्ष डॉ. नविता गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं शोधार्थियों का अभिनंदन किया। उन्होंने सम्मेलन की विषय-वस्तु एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला हुआ कहा कि यह सम्मेलन जैविक नवाचारों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं स्वरोजगार के नए अवसरों को प्रोत्साहित करेगा।

कार्यक्रम का सफल संचालन आयोजन सचिव-१ डॉ. रूपम मल्लिक द्वारा अत्यंत प्रभावशाली एवं व्यवस्थित रूप से किया गया। उनके कुशल मंच संचालन ने पूरे उद्घाटन सत्र को गरिमामय एवं आकर्षक बनाया।

सम्मेलन के दौरान विभिन्न तकनीकी प्रतिभागियों, शोधपत्र प्रस्तुतियों एवं पोस्टर प्रदर्शनों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। प्रतिभागियों को जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, औषधीय पौधे, अपशिष्ट प्रबंधन, एनएच ऊर्जा एवं हरित संगोष्ठी जैसे विषयों पर विचार-विमर्श का अवसर प्राप्त होगा।

अंत में आयोजन सचिव-२ डॉ. सरिता मुर्मू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, कुलपति महोदय, शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं आयोजन समिति के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रगान के साथ उद्घाटन सत्र का सफल समापन हुआ। सिनर्बियो-२६ सम्मेलन जैविक नवाचार, हरित साक्षरता एवं सतत विकास के क्षेत्र में शोध एवं नवाचार को नई दिशा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

बेरोजगारी का दंश : मालगाड़ी के सामने लेटकर की आत्महत्या

पलामू (ईएमएस): डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन पर एक हृदयविदारक घटना घटी, जहाँ एक मेधावी युवक ने ट्रेन के आगे लेटकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। यह पूरी वारदात स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि सुबह करीब १०:३० बजे जैसे ही प्लेटफॉर्म नंबर एक की अप लाइन पर एक मालगाड़ी आती दिखी, युवक प्लेटफॉर्म से उतरकर पटरी पर जाकर लेट गया। प्लेटफॉर्म के अंतिम छोर पर होने के कारण वहां मौजूद लोग उसे बचाने के लिए समय रहते नहीं पहुँच सके और ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सीएम हेमंत को कांग्रेस ने लिखा पत्र, झारखंड में अनुसूचित जाति एवं स्वर्ण जाति कल्याण आयोग के शीघ्र गठन की मांग

रांची (एजेंसी): कांग्रेस ने सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर राज्य में अनुसूचित जाति आयोग एवं स्वर्ण जाति कल्याण आयोग के गठन की मांग की है। कांग्रेस कमेटी की ओर से लिखे गये पत्र में कहा गया है कि राज्य में सामाजिक न्याय, समान अवसर एवं सभी वर्गों के संतुलित विकास के लिए इन आयोगों का गठन अत्यंत आवश्यक है। राज्य के विभिन्न वर्ग आज भी शिक्षा, रोजगार, आर्थिक विकास एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी अनेक समस्याओं का सामना कर रहे है। ऐसे में अलग-अलग आयोग बनाकर उनकी समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है।

कमेटी के महासचिव बिनय सिन्हा दीपू की ओर से सीएम को लिखे गये पत्र में इन बिंदुओं पर है फोकस-

१. अनुसूचित जाति समाज के लोगों को शिक्षा एवं रोजगार में अब भी वई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

२. गांव एवं दूरदराज क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं का लाभ सही तरीके से नहीं पहुंच पाता।

३. सामाजिक भेदभाव एवं उत्पीड़न से संबंधित मामलों की निगरानी एवं त्वरित समाधान आवश्यक है।

४. अनुसूचित जाति युवाओं के लिए कौशल विकास एवं स्वरोजगार योजनाओं की जरूरत है।

५. छात्रवृत्ति, आवास, स्वास्थ्य एवं रोजगार योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए आयोग आवश्यक है।

६. अनुसूचित जाति महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण हेतु विशेष नीति बननी चाहिए।

७. अनुसूचित जाति समाज के लिए राज्य स्तर पर स्थायी शिकायत निवारण व्यवस्था जरूरी है।

स्वर्ण जाति कल्याण आयोग की आवश्यकता

१. आर्थिक रूप से कमजोर स्वर्ण समाज के अनेक परिवार सरकारी योजनाओं से वंचित रह जाते है।

२. गरीब सामान्य वर्ग के युवाओं को शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है।

३. बेरोजगारी एवं पलायन की समस्या स्वर्ण समाज के गरीब परिवारों को भी प्रभावित कर रही है।

४. आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के अधिकारों एवं योजनाओं की निगरानी हेतु आयोग जरूरी है।

५. गरीब स्वर्ण परिवारों की बेटियों की शिक्षा एवं विवाह सहायता के लिए विशेष योजना बनाई जानी चाहिए।

६. स्वरोजगार एवं टाइनी उद्योग से जोड़कर गरीब सामान्य वर्ग को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

७. समाज के सभी वर्गों में संतुलन एवं सामाजिक समरसता बनाए रखने हेतु आयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

दोनों आयोगों के मुख्य कार्य

१. शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की निगरानी।

२. गरीब परिवारों के लिए स्वरोजगार एवं टाइनी उद्योग योजना बनाना।

३. महिलाओं एवं युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध कराना।

४. पलायन रोकने हेतु स्थानीय रोजगार नीति तैयार करना।

५. बड़े उद्योगपतियों एवं कंपनियों को राज्य में निवेश हेतु आमंत्रित कर स्थानीय उत्पादों की मार्केटिंग करवाना।

६. गांव स्तर पर माइक्रो उद्योग एवं महिला स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देना।

७. सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा एवं शिकायतों का समाधान करना।

गर्मी में क्रीमी और टेस्टी कुल्फी बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

कुछ लोग दूध पकाते समय शुरुआत में ही दूध और फ्लेवर इस्तेमाल करने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा जब दूध गाढ़ा हो जाए, तभी चीनी डालो। अगर आप शुरुआत में चीनी डालोगे तो दूध जल्दी गाढ़ा नहीं होगा। आप इसी समय इलायची, केसर, या गुलाब जल डाल सकते हो।

गर्मी का मौसम आते ही हम सभी कुछ ना कुछ ठंडा खाना चाहते हैं और इसलिए सबसे पहले याद आती है कुल्फी की। ठंडी-ठंडी और मीठी-मीठी कुल्फी खाकर बेहद मजा आ जाता है। अमूमन हम सभी बाजार से कुल्फी लाकर खाते हैं, लेकिन अगर आप चाहो तो इसे घर पर भी बेहद आसानी से बना सकते हैं। हो सकता है कि आपने भी घर पर कुल्फी बनाई हो, लेकिन घर पर कुल्फी बनाने का एक नुकसान यह है कि वह बाजार जैसी क्रीमी और टेस्टी नहीं बनती है। कभी उसमें बर्फ जम जाती है, तो कभी वो बहुत सख्त हो जाती है।

अगर आपने भी अक्सर इस समस्या का सामना किया है और आपको लगता है कि आप परफेक्ट कुल्फी नहीं बना सकते तो आप गलत है। दरअसल, कुछ ऐसे आसान व छोटे-छोटे हैक्स हैं, जो आपकी कुल्फी को टेस्टी व क्रीमी बनाने में मदद करते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ हैक्स के बारे में बता रहे हैं-

दूध को करें गाढ़ा

अगर आप घर पर कुल्फी बना रहे हैं तो ऐसे में दूध को अच्छी तरह गाढ़ा करें और कुल्फी बनाने के लिए फुल क्रीम दूध का इस्तेमाल करें। आप दूध को धीमी आंच पर 30-40 मिनट तक उबालो। साथ ही, दूध को बीच-बीच में चलाते रहो, वरना वह नीचे लग जाएगा।

चीनी और फ्लेवर सही तरह से करें इस्तेमाल

कुछ लोग दूध पकाते समय शुरुआत में ही दूध और फ्लेवर इस्तेमाल करने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा जब दूध गाढ़ा हो जाए, तभी चीनी डालो। अगर

आप शुरुआत में चीनी डालोगे तो दूध जल्दी गाढ़ा नहीं होगा। आप इसी समय इलायची, केसर, या गुलाब जल डाल सकते हो।

ड्राई फ्रूट्स को ना भूलें

कुल्फी बनाते समय ड्राई फ्रूट्स डालना ना भूलें। आप काजू, बादाम, पिस्ता बारीक कट करके डालो। साथ ही, अगर आप थोड़ा सा पेस्ट बनाकर डालोगे तो और इससे क्रीमी टेक्सचर मिलेगा।

मिल्क पाउडर का करें इस्तेमाल

अगर आपको क्रीमी कुल्फी खाना अच्छा लगता है तो ऐसे में कुल्फी तैयार करते समय मिल्क पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा विचार है। मिल्क पाउडर का इस्तेमाल करने से कुल्फी स्मूथ बनती है और इससे आइस क्रिस्टल्स नहीं बनते हैं।

लू से बचाएगा यह जबरदस्त ड्रिंक, नोट करें नारियल अनानास कुलुकी की रेसिपी

गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने और ताजगी पाने के लिए मशहूर फ़ूड क्रिएटर मेघना की 'कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी' रेसिपी ट्राई करें। नारियल पानी, पाइनएप्पल और हरी मिर्च के मीठे-तीखे स्वाद वाला यह समर ड्रिंक एनर्जी देता है और इसे घर पर बनाना बेहद आसान है।

काफी लुका-छुपी खेलने के बाद आखिरकार गर्मियों ने दस्तक दे ही दी है। जैसे-जैसे पारा चढ़ रहा है, हमें अपनी सेहत के प्रति थोड़ा गंभीर हो जाना चाहिए। अक्सर हम धूप और उमस को हल्के में ले लेते हैं, लेकिन यही लापरवाही डिहाइड्रेशन, दस्त या हीट स्ट्रोक जैसी बड़ी समस्याओं की वजह बन जाती है। इससे पहले कि गर्मी आपकी सेहत बिगाड़े, अपनी डाइट में इस ताजगी भरे ड्रिंक को शामिल करें। यह न केवल शरीर को ठंडा रखेगा, बल्कि आपको अंदर से एनर्जी भी देगा।

मशहूर फूड क्रिएटर मेघना ने हाल ही में 'कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी' की एक जबरदस्त रेसिपी शेयर की है। उनके अनुसार, यह ड्रिंक मीठे और तीखे स्वाद का एक अनोखा संगम है। नारियल पानी की ठंडक और पाइनएप्पल की मिठास के साथ जब हरी मिर्च का हल्का सा तीखापन और सब्जा सीड्स का टेक्सचर मिलता है, तो यह साधारण ड्रिंक को भी खास बना देता है।

कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी को तैयार करने के लिए सामग्री

ताजा पाइनएप्पल का गूदा (छना हुआ), ताजा नारियल पानी, भीगे हुए सब्जा (तुलसी के बीज), मिठास के लिए शहद या चीनी, थोड़ा काला नमक, नींबू का रस, ताजी हरी मिर्च (बीच से कटी हुई), पुदीने के पत्ते और ढेर सारे बर्फ के टुकड़े।

कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी बनाने की विधि

सबसे पहले ताजे पाइनएप्पल के टुकड़ों को पीसकर बारीक गूदा बना लें और उसे अच्छी तरह छान लें। सब्जा सीड्स को पानी में तब तक भिगोकर रखें जब तक वे पूरी तरह फूल न जाएं। एक शेकर में पाइनएप्पल का गूदा, नारियल पानी, शहद, काला नमक, नींबू का रस, कटी हुई हरी मिर्च, पुदीने के पत्ते, थोड़े से भीगे हुए सब्जा सीड्स और बर्फ डालें। शेकर का ढक्कन कसकर बंद करें और सभी चीजों का स्वाद आपस में अच्छी तरह मिलाने के लिए उसे जोर से हिलाएं। एक गिलास में थोड़े और सब्जा सीड्स डालें, उसके ऊपर तैयार मिश्रण डालें, और पाइनएप्पल व कटी हुई हरी मिर्च से सजाकर परोसें।

बच्चों को आंखों की थकान से बचाने के लिए टिप्स

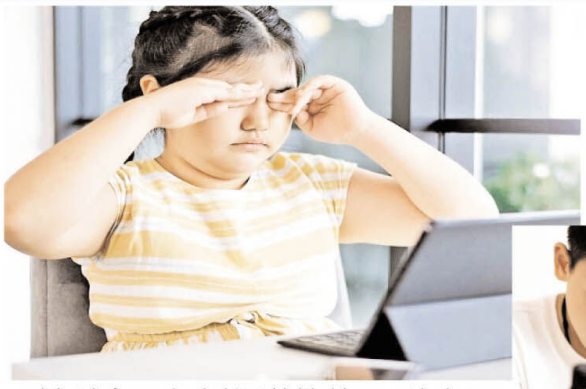

बच्चों में आंखों की थकान और स्क्रीन से जुड़ी आंखों की समस्याएं गंभीर रूप से बढ़ रही हैं, जिससे नेत्र विशेषज्ञों में चिंता की लहर फैल रही है। स्क्रीन पर लंबे समय तक नजर बनाए रखने से बच्चों की आंखों को ड्राईनेस, धुंधलापन, आंखों में थकान और सिरदर्द जैसी परेशानियां हो सकती हैं, खासकर जब वे मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर पर घंटों बिताते हैं। आंखों के विशेषज्ञों ने बताया गया है कि आज के बच्चे पहले से कहीं ज्यादा स्क्रीन टाइम के संपर्क में हैं, जिससे डिजिटल आई स्ट्रेन जैसी समस्याएं सामान्य होती जा रही हैं।

स्क्रीन टाइम के नुकसान

लगातार स्क्रीन देखने से आंखों की मांसपेशियों पर तनाव बढ़ता है जिससे आंखों में थकान, धुंधला दिखना और जलन जैसी शिकायतें आती हैं। स्क्रीन के नजदीक देखने से आंखों को लगातार फोकस बनाए रखना पड़ता है, जिससे अनुकूलन तनाव होता है और दृष्टि में अस्थायी बदलाव के लक्षण दिख सकते हैं। शोध से यह भी पता चलता है कि स्क्रीन टाइम के कारण बच्चों में ड्राई आई, दृष्टि दोष और आंखों की समस्याओं का जोखिम बढ़ रहा है। लंबी अवधि स्क्रीन पर देखने से आंखों का नमी संतुलन बिगड़ सकता है और आँखें जल्दी थक सकती हैं।

माता-पिता को क्या करना चाहिए

आंखों पर जोर और थकान कम करने के लिए विशेषज्ञ कुछ आसान परामर्श देते हैं।

20-20-20 नियम अपनाएं: हर 20 मिनट स्क्रीन देखने के बाद बच्चे को कम से कम 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर किसी वस्तु पर नजर डालने का अभ्यास करवाएं।

स्क्रीन टाइम सीमित करें: छोटे बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम को दिन में 1 घंटे तक ही सीमित रखें। बड़े बच्चों के लिए स्कूल के अतिरिक्त 2 घंटे से अधिक न देखें।

स्क्रीन की दूरी और टाइम सीमा: सुनिश्चित करें कि स्क्रीन की दूरी कम से कम 18-24 इंच हो और स्क्रीन आंखों के थोड़ा नीचे रखा जाए ताकि आंखों पर तनाव कम हो।

अच्छा प्रकाश और ब्रेक: कमरे में पर्याप्त रोशनी रखें और स्क्रीन से जुड़े कार्य के दौरान नियमित अंतराल पर ब्रेक लें ताकि आंखों को विश्राम मिले।

ऑउटडोर खेल: रोजाना कम से कम 90-120 मिनट की बाहरी गतिविधि या खेलकूद को प्रोत्साहित करें। प्राकृतिक रोशनी में खेलने से आंखों की सेहत बेहतर बनी रहती है और द्व4श्लद्बद्ब (नेत्र दोष) के जोखिम को कम मदद मिलती है।

बच्चों पर ध्यान दें और उन्हें अच्छी आदतें सिखाएं

विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक समय में स्क्रीन उपयोग को पूरी तरह बंद करना संभव नहीं है, लेकिन संतुलित समय और सही आदतें अपनाने से बच्चों की आंखों को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है। माता-पिता को चाहिए कि वे स्कूल और मनोरंजन के लिए स्क्रीन टाइम को संतुलित रखें, समय-समय पर आंखों की जांच करवाएं और शुरुआती संकेतों पर नेत्र विशेषज्ञ से सलाह लें, ताकि छोटी असहजता बड़ी समस्या न बन जाए।

दांतों की सेहत को नजरअंदाज न करें

शरीर की देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है, लेकिन अक्सर हम बड़े अंगों के साथ-साथ दांतों की सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं। खासकर बच्चों के मामले में। बच्चों के दांतों पर लापरवाही करना एक बड़ी गलती साबित हो सकती है। आजकल छोटे बच्चों में दांतों की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, फिर भी कई माता-पिता इसे गंभीरता से नहीं लेते। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर समय पर बच्चों के दांतों की सही देखभाल न की जाए, तो इसका असर सिर्फ मुंह तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उनकी पूरी शरीर की सेहत पर भी पड़ सकता है।

शुरुआत में ही पहचानें समस्या - बच्चों के दांतों में सड़न (कैविटी) धीरे-धीरे शुरू होती है। शुरुआत में सफेद या हल्के भूरे धब्बे दिखाई देते हैं, जो बाद में गड्ढे (कैविटी) में बदल जाते हैं। यह समस्या बैक्टीरिया और मीठे खाने के कारण होती है, जो दांतों की ऊपरी परत (एनामेल) को नुकसान पहुंचाते हैं।

दांत खराब हुए तो शरीर पर भी असर- दांतों की बीमारी सिर्फ दर्द तक सीमित नहीं रहती। रिसर्च बताती है कि बच्चों में दांतों की सड़न से

खाने में दिक्कत होती है

बोलने पर असर पड़ता है

शरीर का विकास प्रभावित हो सकता है

यानी दांत खराब होने का असर पूरे शरीर और बच्चे के विकास पर पड़ सकता है।

दांत ज्यादा खराब हुए तो क्या होगा?

अगर समय रहते इलाज न कराया जाए, तो दांत की सड़न नस (पल्प) तक पहुंच जाती है। इस स्थिति में डॉक्टर के पास दो ही विकल्प बचते हैं।

दांत निकालना -अगर दांत पूरी तरह से खराब हो जाए और उसे बचाना संभव न रहे, तो डॉक्टर उसे निकालने (टूथ एक्सट्रैक्शन) की सलाह देते हैं। यह स्थिति तब आती है जब सड़न बहुत ज्यादा बढ़ जाती है या संक्रमण दांत की जड़ों तक पहुंच जाता है, ऐसे में दर्द से राहत और आगे की समस्या से बचने के लिए दांत निकालना जरूरी हो जाता है।

रूट कैनाल ट्रीटमेंट -रूट कैनाल ट्रीटमेंट एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें दांत के अंदर मौजूद संक्रमित नस (पल्प) को हटाकर दांत को बचाने की कोशिश की जाती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब दांतों की सड़न बहुत गहरी हो जाती है और संक्रमण जड़ों तक पहुंच जाता है, तब दर्द से राहत पाने और दांत को सुरक्षित रखने के लिए रूट कैनाल ट्रीटमेंट जरूरी हो जाता है। ऐसी स्थिति में अक्सर रूट कैनाल या दांत निकालना ही अंतिम विकल्प बचता है।

हर कैविटी में रूट कैनाल ट्रीटमेंट जरूरी नहीं: यह जानना भी जरूरी है कि हर कैविटी में रूट कैनाल जरूरी नहीं होता। अगर समय रहते इलाज हो जाए, तो दांत को बिना रूट कैनाल ट्रीटमेंट के भी बचाया जा सकता है।

बच्चों के दांत कैसे बचाएं?

दिन में 2 बार ब्रश करवाएं

ज्यादा मीठा और जंक फूड से बचाएं

हर 6 महीने में डेंटिस्ट को दिखाएं

दूध पीने के बाद मुंह साफ करवाएं

फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें।

बच्चों के दांतों को नजरअंदाज करना बड़ी गलती हो सकती है। छोटी सी कैविटी अगर समय पर ठीक न हो, तो आगे चलकर दांत निकालने या रूट कैनाल जैसी बड़ी परेशानी बन सकती है। इसलिए शुरुआत से ही बच्चों के दांतों की सही देखभाल करना बेहद जरूरी है।

बच्चे के दांत निकलते समय बढ़ी चिड़चिड़ाहट तो इन 5 आसान तरीकों से दें उसे राहत

छोटे बच्चों में दांत निकलना एक सामान्य लेकिन थोड़ा मुश्किल दौर होता है। इस समय बच्चे अचानक चिड़चिड़े हो जाते हैं, बार-बार रोते हैं और खाने-पीने में भी नखरे दिखाने लगते हैं। ऐसे में माता-पिता घबरा जाते हैं, लेकिन सही देखभाल से बच्चे की तकलीफ को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

दांत निकलने के सामान्य लक्षण

मसूड़ों में सूजन और दर्द

बार-बार रोना और चिड़चिड़ापन

हर चीज मुंह में डालना

ज्यादा लार आना

नींद और भूख में बदलाव

हल्का बुखार (तेज बुखार नहीं)

ऐसे कम करें बच्चे का दर्द (5 आसान तरीके)

ठंडी चीजें चबाने को दें

दांत निकलने के दौरान बच्चे को ठंडी और सुरक्षित चीजें चबाने के लिए देना काफी फायदेमंद होता है। ठंडे टीथर, फ्रूट निबलर या हल्के ठंडे फल मसूड़ों की सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं। आप टीथर को 10-15 मिनट के लिए फ्रिज में ठंडा करके बच्चे को दे सकते हैं, इससे उसे तुरंत राहत मिलती है और चिड़चिड़ापन भी कम होता है।

ठंडे कपड़े से राहत दें

दांत निकलते समय बच्चे के मसूड़ों को आराम देने के लिए साफ, गीले और ठंडे कपड़े का इस्तेमाल करना बहुत फायदेमंद होता है। आप कपड़े को हल्का ठंडा करके बच्चे को चबाने के लिए दे सकते हैं या उससे मसूड़ों पर धीरे-धीरे रगड़ सकते हैं। इससे मसूड़ों की सूजन कम होती है और बच्चे को दर्द से राहत मिलती है।

हल्की मसाज करें

दांत निकलने के दौरान बच्चे के मसूड़ों में होने वाली तकलीफ को कम करने के लिए हल्की मसाज बहुत फायदेमंद होती है। साफ उंगली या स्टेरिलाइज्ड गॉज से धीरे-धीरे मसूड़ों की मालिश करने से दर्द में राहत मिलती है और बच्चे को आराम महसूस होता है।

सॉफ्ट और ठंडा खाना दें

दांत निकलने के दौरान बच्चे को सॉफ्ट और हल्का ठंडा खाना देना उसके लिए ज्यादा आरामदायक होता है। दही, नरम फल या ठंडी खिचड़ी जैसे फूड्स मसूड़ों को राहत देते हैं और आसानी से खाए जा सकते हैं। इस समय बच्चे की भूख कम होना सामान्य है, इसलिए उसे जबरदस्ती खिलाने की बजाय उसकी जरूरत के अनुसार ही भोजन दें।

साफ-सफाई का रखें खास ध्यान

दांत निकलने के दौरान बच्चे हर चीज मुंह में डालने लगते हैं, इसलिए साफ-सफाई का खास ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। उनके खिलौनों, टीथर और आसपास की चीजों को नियमित रूप से साफ और स्टेरिलाइज करें, ताकि किसी भी तरह के इंफेक्शन का खतरा कम हो और बच्चा सुरक्षित रहे।

कब डॉक्टर से संपर्क करें?

तेज बुखार हो

बार-बार दस्त लगें

बच्चा बहुत ज्यादा सुस्त या परेशान दिखे

भूख लंबे समय तक कम रहे।

विशेषज्ञों के अनुसार, दांत निकलने के लक्षण आमतौर पर कुछ दिनों तक ही रहते हैं। हल्की परेशानी सामान्य है, लेकिन गंभीर लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। दांत निकलना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे रोका नहीं जा सकता, लेकिन सही देखभाल और छोटे-छोटे उपायों से बच्चे को आराम जरूर दिया जा सकता है। माता-पिता का धैर्य और सही जानकारी इस समय सबसे ज्यादा काम आती है।

तेज धूप में घर से बाहर निकलते समय जरूर अपने पास रख लें ये चीजें

गर्मी में घर से बाहर निकलते समय चिलचिलाती धूप आपको थकान के साथ-साथ बीमार कर सकती है। वहीं, अगर आप बाहर निकलते समय ये चीज अपने साथ नहीं कैरी करते, तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

गर्मियों में हल्के रंग के कपड़े पहनने से पसीना नहीं आता और चिड़चिड़ापन दूर रहता है। वहीं, गहरे रंग के कपड़े सूरज की गर्मी को ज्यादा अंदर बैठने देते हैं, जिससे ज्यादा पसीना आता है और उबाल होता है। तेज धूप में घर से बाहर निकलते समय इन चीजों को अपने पास रखना चाहिए

हल्के रंग के, ढीले-ढाले और सूती कपड़े

गर्मियों में हल्के रंग के कपड़े पहनने से पसीना नहीं आता और चिड़चिड़ापन दूर रहता है। वहीं, गहरे रंग के कपड़े सूरज की गर्मी को ज्यादा अंदर बैठने देते हैं, जिससे ज्यादा पसीना आता है और उबाल होता है। ठंड के मौसम में गहरे रंग के कपड़े पहनना चाहिए। इसके साथ ही सूखा रुमाल या वाइप्स भी जरूर रखें।

- तेज धूप में हल्के रंग के, ढीले-ढाले, सूती कपड़े पहनने से कई फायदे होते हैं
- हल्के रंग के कपड़े सूरज की किरणों को रिफ्लेक्ट करते हैं, इसलिए गर्मी कम लगती है।
- हल्के रंग के कपड़े कम गर्मी अवशोषित करते हैं, इसलिए शरीर ठंडा रहता है।
- सूती कपड़ों में पानी सोखने की क्षमता ज्यादा होती है।
- गर्मियों में पसीने में बढ़ोतरी के साथ, सूती कपड़े पसीने को तेजी से सोख लेते हैं और वाष्पीकृत कर देते हैं।
- सूती कपड़े हवा को अच्छी तरह से आने-जाने देते हैं, जिससे शरीर से गर्मी दूर होती है।
- सूती कपड़े नरम और आरामदायक होते हैं।

चश्मा

तेज धूप में चश्मा पहनने से कई फायदे होते हैं, जैसे- आंखों की सुरक्षा, तनाव कम करना, आंखों के तत्वों से बचाना, स्नो ब्लाइंडनेस से बचाव, आंखों के आस-पास की त्वचा को सुरक्षा देना। धूप का चश्मा पहनते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह 100 फीसदी यूवीए और यूवीबी किरणों को रोकता हो। सुविधा स्टोर से मिलने वाले सस्ते धूप के चश्मे हमेशा यूवी किरणों को रोकने के लिए जरूरी सुरक्षा नहीं देते। बड़े फ्रेम या रैप-अराउंड स्टाइल वाले धूप के चश्मे आंखों के आस-पास की त्वचा को ज्यादा सुरक्षा देते हैं।

छाता या टोपी

टोपी से सिर, कान, चेहरे, और गर्दन की धूप से सुरक्षा होती है। गहरे नीले रंग की टोपी ज्यादातर यूवी किरणों को चेहरे और सिर से दूर दर्शाती है। सफेद या हल्के रंग के कपड़े ज्यादातर विकिरण ऊष्मा को परावर्तित कर देते हैं। इसलिए, धूप से बचने के लिए सफेद छाता का इस्तेमाल करना ज्यादा फायदेमंद होता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स 6 महीने से कम उम्र के शिशुओं को सीधी धूप से दूर रखने की सलाह देती है। ऐसे शिशुओं को तेज धूप में रहना हो, तो उन्हें टोपी, छाता और धूप का चश्मा पहनाया जा सकता है।

सनस्क्रीन क्रीम

सनस्क्रीन में मौजूद ड्रू फिल्टर आपकी त्वचा को हानिकारक VA और VB किरणों से बचाते हैं, जो त्वचा कैंसर के मुख्य कारण हैं। नियमित तौर पर सनस्क्रीन लगाने से आप बेसल सेल कार्सिनोमा और मेलेनोमा सहित अलग-अलग प्रकार के त्वचा कैंसर के खतरे को कम कर सकते हैं। सनस्क्रीन लगाने से आप सनबर्न से बच सकते हैं, जो त्वचा की लालिमा, दर्द, सूजन और छीलने का कारण बनता है। सनबर्न त्वचा कैंसर के खतरे को भी बढ़ा सकता है।

पानी की बोतल

तेज धूप में बाहर निकलने से पहले बैग में पानी की बोतल रखने से शरीर हाइड्रेट रहता है और डिहाइड्रेशन की समस्या से बचा जा सकता है। बीच-बीच में पानी पीते रहना चाहिए। बाहर की टंकियों का पानी पीने से बेहतर है कि आपके पास अपना पानी होना चाहिए। गर्मी में बाहर निकलने के बाद चेहरा पसीने से भीग जाता है, ऐसे में बार-बार सूखे रुमाल से चेहरे को साफ करना चाहिए। अगर बैग में वाइप्स हों, तो उनका इस्तेमाल किया जा सकता है। इन वाइप्स का पीएच रिकन के अनुकूल होता है और ये चेहरे को ठंडक पहुंचाते हैं।

धूप से लौटने के बाद ये काम करें

- हल्के कपड़े पहनें
- पंखे की हवा में रहें, जब तापमान सामान्य हो जाए, तब एसी का इस्तेमाल करें
- किसी भी तरह का भारी काम न करें
- तेज धूप में बाहर जाने से बचें, अगर जरूरी काम हो, तभी धूप में निकलें। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच धूप में ज्यादा देर तक न घूमें। सीधे धूप से बचने के लिए छाता या टोपी पहनें। इससे सिर दर्द, बेहोशी, सनस्ट्रोक जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है।

बेकिंग सोडा के ऐसे इस्तेमाल के बारे में नहीं जानती होंगी आप

बेकिंग सोडा को सिर्फ खाने की चीजों में ही इस्तेमाल नहीं किया जाता है, बल्कि आप इसकी मदद से कई और भी काम निपटा सकती हैं। तो चलिए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

बेकिंग सोडा सिर्फ केक और कुकीज बनाने के लिए ही नहीं बल्कि, आपके घर और जीवन को आसान बनाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। खासकर महिलाएं इसे कई और भी तरीके से यूज कर सकती हैं। अगर आप अब भी हैरान हैं, तो चलिए हम आपको बताते हैं- बेकिंग सोडा के कुछ अनोखे और इंटरेस्टिंग इस्तेमाल के बारे में।

साफ-सफाई में काम आता है बेकिंग सोडा

चांदी के बर्तनों को चमकाने के लिए आप बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके अलावा, कपड़े धोने के पानी में थोड़ा सा बेकिंग सोडा डालकर आप इसमें मौजूद गंदगी और बदबू से छुटकारा पा सकती हैं। गंदे बर्तनों को चमकाने में भी यह काफी कारगर और इफेक्टिव उपाय माना जा सकता है। कमरे के पंखे, कूलर, एग्जॉस्ट फैन आदि सभी चीजों की सफाई में बेकिंग सोडा अहल रोल अदा करता है।

जूते की गंध दूर करते है बेकिंग सोडा

गर्मियों में दिन बाहर रहने के बाद जब आप घर आते हैं, तो पसीने के कारण जूतों से गंदी स्मेल आती है, जो कि बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता है। ऐसे में कई बार इसे पानी से धोने के बाद भी गंध नहीं जाते हैं। वहीं, बेकिंग सोडा आपके पसीने और जूतों के गंध से छुटकारा दिलाने में हेल्पफुल साबित हो सकता है।

बेकिंग सोडा कमरे से कीटों को दूर करने में करता है हेल्प

कभी-कभी कमरे, बाथरूम या फिर किचन में आपने देखा होगा कि छोटे-छोटे कीटों ने घर बना लिया है। ऐसे में कीटों को दूर रखने के लिए बेकिंग सोडा बेहद कारगर उपाय माना जाता है। इसे आप अपने घर के कोनों में छिड़क सकती हैं।

बेकिंग सोडा का उपयोग करते समय बरतें सावधानी

- यह आंखों और त्वचा में जलन पैदा कर सकता है। ऐसे में, आपको चश्मा लगाकर काम करना साफ-सफाई का काम करना सही रहेगा।
- हाथों पर भी ग्लव्स का उपयोग जरूर करें। अगर आपको एलर्जी की समस्या है, तो इससे रिकन को कोई नुकसान नहीं होगा।

गर्मियों में स्टाइल करें कॉटन पटियाला सूट

गर्मी इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि हर कोई घर पर रहना सबसे ज्यादा पसंद करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे हम बाहर निकलने वाली चिलचिलाती धूप से बच जाते हैं। साथ ही, हमें आउटफिट क्या पहनें इसको लेकर ज्यादा सोचना नहीं पड़ता है। लेकिन दिक्कत तब आती है जब हम किसी पार्टी या खास फंक्शन में जाने के बारे में सोचते हैं। ऐसे में हमें सोचना पड़ता है कि कौन से आउटफिट को हम वियर कर सकते हैं। आप कम्फर्टेबल और अच्छा दिखना चाहती हैं, तो इसके लिए आप कॉटन पटियाला सूट को वियर कर सकती हैं। चलिए आपको बताते हैं किस तरह के डिजाइन आप ट्राई कर सकती हैं।

हैवी प्रिंट पटियाला सूट

अगर आपको किसी खास इवेंट में जाना है, तो इसके लिए आप हैवी प्रिंट वाले पटियाला सूट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सूट पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। साथ ही, आपको नए डिजाइन का सूट पहनने को मिलेगा। इसके लिए आप छोटे कुर्ते के साथ पटियाला या हैवी पटियाला डिजाइन वाले सूट को खरीदकर पहन सकती हैं। साथ ही, कपड़ा लेकर भी टेलर से अपनी पसंद के डिजाइन से इस सूट को तैयार करा सकती हैं। इस तरह के सूट के लिए आपको ढाई मीटर कुर्ते को कपड़ा लेना होगा और पटियाला के लिए साढ़े तीन मीटर कपड़ा लगेगा। इसमें आपका हैवी कॉटन पटियाला सूट तैयार हो जाएगा।

फ्लोरल प्रिंट पटियाला सूट

पटियाला सूट में आपको अलग-अलग डिजाइन मिल जाएंगे। लेकिन अगर आप कपड़ा लेकर इसे तैयार करा रही हैं, तो इसके लिए आप अलग-अलग डिजाइन के फैब्रिक को खरीदकर कॉन्ट्रास्ट करके अपने लिए सूट तैयार करा सकती हैं। इसमें लाइट प्रिंट कुर्ते के साथ फ्लोरल प्रिंट पटियाला को डिजाइन किया गया है। इसी तरह के कॉम्बिनेशन वाले सूट को आप भी टेलर से तैयार करा सकती हैं। इससे आपका सूट भी अच्छा लगेगा। इसके साथ वैसी ही चुन्नी को डिजाइन करा सकती हैं। इससे आपका पूरा सूट लुक अच्छा लगेगा। मार्केट से आपको इस तरह के सूट 500 से 1,000 रुपये में मिल जाएंगे।

सिंपल डिजाइन वाले पटियाला सूट

अगर आपको गर्मी में ज्यादा हैवी सूट पहनने का मन नहीं है, तो ऐसे में आप सिंपल डिजाइन वाले पटियाला सूट को वियर कर सकती हैं। इसमें आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आप पूरे दिन कम्फर्टेबल रहेंगी। इसमें आपको प्रिंट छोटे और बड़े दोनों तरह के मिल जाएंगे। साथ ही, आप चाहें तो फैब्रिक खरीदकर इसे तैयार करा सकती हैं। इससे आपको नेकलाइन और स्लीव्स के नए डिजाइन बनवाने का मौका मिलेगा।

दिखना चाहती हैं स्लिम तो इन पटियाला सूट डिजाइन को करें ट्राई

आजकल लड़कियों को एथनिक कपड़े पहनना काफी पसंद होता है। ऐसे में वो कई तरह कपड़ों के डिजाइन को ट्राई करती हैं। इनमें से कुछ ऐसी होती हैं जो ऐसे कपड़े यूज करती हैं जिसमें वो पतली दिखाई दें। अगर आपको भी पतला दिखना पसंद है तो इसके लिए आप इन पटियाला सूट डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इस तरीके के सूट डिजाइन दिखने में काफी अच्छे लगते हैं और पहनने में कंफर्टेबल होते हैं।

कट स्लीव्स पटियाला सूट

पतला दिखना हर लड़की को पसंद होता है कई सारी लड़कियां ऐसी होती हैं जो अपने लिए अलग-अलग तरीके के सूट डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। लेकिन इस बार आप पटियाला सूट के इन डिजाइन को ट्राई करें। इसमें आप पतली भी नजर आएंगी और आपका लुक खूबसूरत भी लगेगा। इसके लिए कट स्लीव्स पटियाला सूट का ऑप्शन बेस्ट है। इसमें आप छोटे प्रिंट वाले सूट डिजाइन को खरीद सकती हैं।

लाइट वर्क पटियाला सूट

अगर आप पतली दिखने के साथ-साथ कम्फर्टेबल भी रहना चाहती हैं तो इसके लाइट वर्क वाले पटियाला सूट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरीके के सूट पहनने के बाद क्लासी लगते हैं साथ ही इन्हें आप किसी भी फेस्टिवल में अलग-अलग एक्सेसरीज के साथ वियर कर सकती हैं। इसके डिजाइन और ऑप्शन आपको ऑनलाइन और मार्केट में मिल जाएंगे। इस तरीके के सूट को आप अच्छे इयररिंग्स और ओपन हेयर के साथ वियर कर सकती हैं।

गोटा वर्क पटियाला सूट

गोटा वर्क में आपको कई तरह के सूट डिजाइन मिल जाएंगे। आप इसमें पटियाला सूट को यूज कर सकती हैं। इस तरीके के सूट (पटियाला सूट के साथ पहने मोजरी) दिखने में काफी अच्छे होते हैं और पहनने के बाद काफी कंफर्टेबल होते हैं। इस तरीके की सूट में आप पतली भी नजर आती हैं। इन्हें आप चाहे तो किसी भी पार्टी या फेस्टिवल में स्टाइल कर सकती हैं।

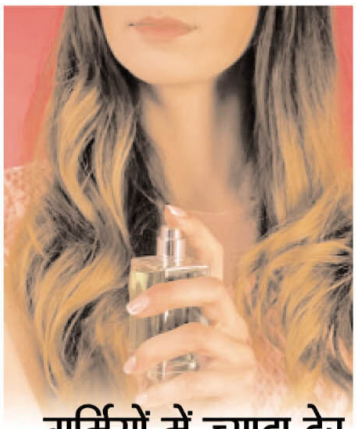

गर्मियों में ज्यादा देर तक भी रह सकता है परफ्यूम का असर

अपनाएं ये आसान से टिप्स

परफ्यूम चाहे किस जिस भी ब्रांड का लगाएं, इसका चिलचिलाती गर्मी में कुछ ही घंटों तक असर रहता है। पर, आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप लंबे समय तक इसे बनाए रख सकते हैं।

गर्मी ने इस साल बीते कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारतीय मौसम विभाग की ओर से हाल ही में दिल्ली का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किया गया था। इस तेज गर्मी में न तो सनस्क्रीन काम करती है और न ही ब्रांडेड परफ्यूम। दरअसल, हम सभी खासकर गर्मियों के दिनों में पसीने की स्मेल से बचने और अच्छी खुशबू के लिए परफ्यूम का इस्तेमाल करते है, लेकिन इस चिलचिलाती धूप की वजह से कई बार परफ्यूम या बॉडी स्प्रे की सुगंध लंबे समय तक टिक नहीं पाती है। ऐसे में, अगर आप इस गर्मी में पसीने की बदबू से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो चलिए हम आपको कुछ टिप्स बताते हैं, जिसकी मदद से गर्मियों में अपने परफ्यूम को लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं।

अपनी त्वचा को नमी प्रदान करें

अपने परफ्यूम को लंबे समय तक टिकाए रखने के लिए आपको सबसे पहले अपनी त्वचा को नमी युक्त रखना जरूरी है। आप गर्मियों में परफ्यूम लगाने से पहले अपनी त्वचा पर जेल आधारित हल्के मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल कर सकते हैं। हाइड्रेटेड त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाने से परफ्यूम घंटों तक टिकी रह सकती है।

सही जगहों पर लगाएं परफ्यूम

अपनी कलाई, गर्दन, और छाती जैसे पल्स पॉइंट्स पर परफ्यूम को जरूर लगाएं। ये वो जगहें हैं, जहां आपकी त्वचा से गर्मी निकलती है। ऐसे में, अगर आप इन अंगों के पास स्प्रे लगाएंगे, तो यह सुगंध को फैलाने में मदद कर सकते हैं।

परफ्यूम को स्मार्ट तरीके से लगाएं

अपने बालों में कभी करने से पहले, अपने हेयर ब्रश पर परफ्यूम को हल्के से स्प्रे करें। बालों में परफ्यूम का मतलब है कि ऐसे तेल जो परफ्यूम की तरह घंटों सुगंधित रहते हो। उसकी खुशबू पूरे दिन आपके बालों में बनी रहेगी और गर्मियों में शरीर से पसीने की बदबू से छुटकारा दिलाने का काम भी कर सकती है।

सही परफ्यूम चुनें

गर्मियों के लिए हमेशा लॉन्ग लास्टिंग परफ्यूम का ही चुनाव करें। ऐसे में, आप फूलों के सुगंध वाले परफ्यूम को भी चुन सकते हैं। बता दें, लोकल परफ्यूम आपके शरीर को लंबे समय तक खुशबू नहीं दे पाएंगे। इसके लिए हमेशा ब्रांडेड परफ्यूम का चयन करना अच्छा विकल्प हो सकता है।

धूप में निकलने से बचें

गर्म धूप में बहुत देर तक बाहर रहने से बचें, क्योंकि यह परफ्यूम को तेजी से वाष्पित कर सकता है। अगर आपको बाहर जाना है, तो टोपी और सनस्क्रीन का उपयोग करें।

परफ्यूम को कैसे करें स्टोर

अपने परफ्यूम को ठंडी, अंधेरी जगह पर स्टोर करें। गर्मी और अधिक रोशनी परफ्यूम की सुगंध खराब हो सकती है। इसके अलावा, कभी भी अपना परफ्यूम बाथरूम में न रखें, क्योंकि नमी सुगंध को प्रभावित कर सकती है।

संक्षिप्त समाचार

मोरक्को में लापता अमेरिकी सैनिक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

मोरक्को , एजेंसी। मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान लापता हुए अमेरिकी सेना के अधिकारी फर्स्ट लेफ्टिनेंट केंड्रिक लेमोंट की तलाश का दुखद अंत हुआ है। उनका शव अटलांटिक महासागर के किनारे मिला। बताया जा रहा है कि केंड्रिक और उनके एक अन्य साथी छुट्टी के दौरान पहाड़ियों पर घूमने गए थे, जहां पैर फिसलने के कारण वे समुद्र में गिर गए थे। मोरक्को और अमेरिका की टीमें अभी भी लापता दूसरे सैनिक की तलाश में जुटी हैं। इस बड़े बचाव अभियान में 600 से अधिक जवान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन लगाए गए हैं। हालांकि अफ्रीकन लायन सैन्य अभ्यास खत्म हो चुका है, लेकिन अमेरिकी सेना की एक टुकड़ी अभी भी मोरक्को में तैनात है ताकि दूसरे सैनिक का पता लगाया जा सके।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों की केन्या यात्रा, नए संबंधों की शुरुआत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपनी केन्या यात्रा शुरू कर दी है, जहां वह अफ्रीका फॉरवर्ड समिट में भाग लेंगे। इस शिखर सम्मेलन के जरिए फ्रांस अफ्रीका के साथ अपने पुराने औपनिवेशिक संबंधों को पीछे छोड़कर एक बराबरी की दोस्ती का संदेश देना चाहता है। पहली बार यह सम्मेलन किसी अंग्रेजी भाषी देश में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरे के दौरान फ्रांस और केन्या ने परमाणु ऊर्जा, परिवहन और कृषि जैसे क्षेत्रों में 11 बड़े निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दूसरी ओर, केन्या के विपक्षी नेताओं ने इस आयोजन की आलोचना की है। उनका कहना है कि केन्या में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की स्थिति खराब है और यह सम्मेलन केवल एक दिखावा है।

भारतीय मूल के क्यू मणिवन्नन स्कॉटिश संसद सदस्य निर्वाचित

एडिनबर्ग , एजेंसी। स्कॉटलैंड के संसदीय चुनाव में भारत में जन्मे मानवविज्ञानी क्यू मणिवन्नन ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। खुद को नॉन-बाइनरी (लैंगिक पहचान में भ्रम) बताने वाले मणिवन्नन ने स्कॉटिश ग्रीन्स पार्टी के टिकट पर एडिनबर्ग और लोथियन ईस्ट से जीत हासिल की। तमिलनाडु के रहने वाले मणिवन्नन एक छात्र हैं। स्कॉटलैंड ने कम अवधि के वीजा वाले विदेशियों को भी चुनाव लड़ने की अनुमति दी है।

हथियार तस्करी में पाकिस्तानी नागरिक समेत तीन गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। अमेरिका से कनाडा में 89 हथियार तस्करी करने के आरोप में एक पाकिस्तानी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद हथियारों में से 17 हथियार चोरी के हैं। न्यूयॉर्क राज्य पुलिस ने राजमार्ग पर चेकिंग के दौरान संदिग्ध जवाब मिलने पर संदिग्धों की तलाशी ली, जिसमें हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। आरोपियों की पहचान फैजान (पाकिस्तान), मलिक ब्रोमफील्ड (कनाडा) और कमल (जॉर्डन) के रूप में हुई है। फैजान के पास एक अन्य व्यक्ति का अवधि समाप्त ड्राइविंग परमिट भी मिला।

ट्रंप के सख्त रुख के बीच क्यूबा के पास अमेरिकी सैन्य गतिविधियां बढ़ीं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्यूबा के तट के पास अमेरिकी सैन्य खुफिया गतिविधियों में हाल के महीनों में अचानक तेजी देखी गई है। सोमवार को प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि अमेरिकी सेना की निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने वाली उड़ानों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट में फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार24 के सार्वजनिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि 4 फरवरी से अब तक अमेरिकी नौसेना और वायुसेना कम से कम 25 निगरानी उड़ानें संचालित कर चुकी हैं। इनमें ज्यादातर उड़ानें क्यूबा की राजधानी हवाना और सैंटियागो डी क्यूबा के आसपास देखी गईं। कुछ विमान क्यूबा के तट से महज 40 मील यानी करीब 64 किलोमीटर की दूरी तक पहुंच गए। पी-8ए पोसाइडन समुद्री निगरानी विमान का इस्तेमाल किया गया।

किम जोंग की हत्या हुई तो नॉर्थ-कोरिया न्यूक्लियर अटैक करेगा

संविधान में नया प्रावधान जोड़ा, हमले में ईरानी सुप्रीम लीडर की मौत के बाद फैसला

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपने संविधान और परमाणु नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है। अब अगर देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग-उन की हत्या हो जाती है या किसी विदेशी हमले के दौरान वे लीडरशिप करने की हालात में नहीं रहते, तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बदलाव मार्च में तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद किया गया। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और कई सीनियर ईरानी अधिकारियों की मौत हो गई थी।

दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों ने प्योंगयांग को सोचने पर मजबूर कर दिया और उत्तर कोरिया को डर सताने लगा कि भविष्य

में ऐसा 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' यानी टॉप लीडरशिप को खत्म करने वाला हमला उसके खिलाफ भी हो सकता है। यह नया प्रावधान 22 मार्च को प्योंगयांग में शुरू हुए 15वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के पहले सत्र के दौरान अपनाया गया। बाद में दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने सीनियर सरकारी अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी दी। डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान पर हुए हमलों ने उत्तर कोरिया की लीडरशिप को झकझोर दिया। हमलों की तेजी और सटीकता देखकर प्योंगयांग को लगा कि विदेशी शक्तियां किम जोंग-उन और उत्तर कोरियाई मिलिट्री लीडरशिप के खिलाफ भी इसी तरह का ऑपरेशन कर सकती हैं। सियोल स्थित कूकमिन यूनिवर्सिटी में इतिहास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर आंद्रेई लांकोव ने मीडिया से कहा कि ईरान पर हुआ ऑपरेशन उत्तर कोरिया के लिए एक बड़ा चेतावनी संकेत बन गया।

लांकोव ने कहा कि ईरान एक वेक-अप कॉल था। उत्तर कोरिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल के डिकैपिटेशन हमले कितने प्रभावी थे, जिन्होंने तुरंत ईरानी लीडरशिप के बड़े हिस्से को खत्म कर दिया। अब उत्तर कोरिया बेहद डरा हुआ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि संभव है।

सूझबूझ से हादसे को समय रहते रोक लिया गया

बड़ा विमान हादसा टला, लैंडिंग के वक्त फ्लाइट के टायर में लगी आग, बाल-बाल बचे यात्री

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजधानी काठमांडू में एक बड़ा विमान हादसा होते-होते बचा। मामले में त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय एक अंतरराष्ट्रीय विमान बड़े खतरे की चपेट में आ गया था। हवाई अड्डा प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों की सूझबूझ से एक बड़े हादसे को समय रहते रोक लिया गया।

यह घटना टर्किश एयरलाइंस के विमान ज्ञ्य 726 के साथ हुई। यह विमान तुर्की के इस्तांबुल शहर से उड़ान भरकर काठमांडू पहुंचा था। जैसे ही विमान ने रनवे पर लैंडिंग की, उसके टायर से आग की लपटें निकलने लगीं। टायर में आग लगने की खबर मिलते ही हवाई अड्डे पर आपातकालीन सेवाएं तुरंत सक्रिय हो गईं। एसपी राजकुमार सिलावाल ने जानकारी दी कि दमकल की गाड़ियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। विमान में कुल 278 यात्री और चालक दल के 11 सदस्य सवार थे। सुरक्षा कर्मियों ने

बिना देरी किए सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित बाहर निकाला। खास बात यह है कि इस विमान में संयुक्त राष्ट्र के कुछ वरिष्ठ अधिकारी भी यात्रा कर रहे थे। पुलिस और हवाई अड्डा अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सभी यात्री और कर्मचारी पूरी तरह सुरक्षित हैं। समय पर की गई कार्रवाई ने सैकड़ों लोगों की जान बचा ली और स्थिति को संभाल लिया।

श्रीलंका में नाबालिग से रेप के आरोप में 71 वर्षीय बौद्ध भिक्षु गिरफ्तार; युवती की मां भी हिरासत में

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के वरिष्ठ बौद्ध भिक्षु पल्लेगामा हेमारथाना थेरो को नाबालिग लड़की से कथित रेप और यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 71 साल के भिक्षु को कोलंबो के एक निजी अस्पताल से हिरासत में लिया गया। हेमारथाना थेरो श्रीलंका के आठ पवित्र बौद्ध स्थलों के प्रमुख संरक्षक हैं। वे अनुराधापुरा के मुख्य पुजारी भी हैं। अनुराधापुरा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक वे उस पवित्र वृक्ष के भी संरक्षक हैं, जिसे बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति वाले बोधि वृक्ष की शाखा से उगा माना जाता है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक पीड़िता अब 15 साल की है। मार्च में नाबालिग के कथित अपहरण और अवैध हिरासत से जुड़े एक मामले की जांच के दौरान पुलिस को लंबे समय तक यौन शोषण की जानकारी मिली। इसके बाद लड़की को सरकारी संरक्षण केंद्र में रखा गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक लड़की की मां को भी गिरफ्तार

किया गया है। उस पर शोषण में मदद करने और मामला छिपाने का आरोप है। भिक्षु पर आरोप है कि 2022 में अनुराधापुरा के एक मंदिर में लड़की के साथ कई बार रेप और यौन उत्पीड़न किया गया। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। फिलहाल उन्हें कोलंबो जेल अस्पताल में मेडिकल निगरानी में रखा गया है। बाल संरक्षण अधिकारियों ने पहले पुलिस की आलोचना की थी कि आरोपी का नाम सामने आने के बावजूद उसे गिरफ्तार नहीं किया गया।

एसआईआर से बंगाल में भाजपा की जीती और केरल में कांग्रेस को हुआ फायदा', शशि थरूर का चौंकाने वाला दावा

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। सैन फ्रांसिस्को में आयोजित 'स्टैनफोर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस' में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पश्चिम बंगाल की चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने का चुनाव के नतीजों पर गहरा असर पड़ा। थरूर ने 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' हवाला देते हुए कहा कि बंगाल में करीब 91 लाख नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए थे।

स्टैनफोर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान 'इंडिया, दैट इज़ भारत' राउंडटेबल में बोलते हुए थरूर ने कहा, सूची से जिन 91 लाख लोगों के नाम हटाए गए उसमें से लगभग 34 लाख लोगों ने अपील की थी। उन्होंने दावा किया था कि वे असली वोटर हैं और उन्हें वोट देने का हक है। नियमों के मुताबिक हर मामले की अलग से जांच होनी थी। लेकिन वोटिंग शुरू होने से पहले केवल

कुछ सौ मामलों का ही निपटारा हो सका। इस वजह से लगभग 31 से 32 लाख लोग वोट देने से वंचित रह गए। थरूर ने ध्यान दिलाया कि भाजपा ने बंगाल चुनाव 30 लाख वोटों के अंतर से जीता है। यह अंतर उन लोगों की संख्या के लगभग बराबर है जिनकी अपील पर फैसला नहीं हो पाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और लोकतांत्रिक है? थरूर ने स्पष्ट किया कि उन्हें फर्जी या प्रवासी वोटरों के नाम हटाने से कोई परेशानी नहीं है। लेकिन असली वोटरों को मौका न मिलना चिंता का विषय है। इसके साथ ही उन्होंने केरल का भी जिक्र किया। थरूर ने कहा कि केरल में मतदाता सूची की सफाई से कांग्रेस को फायदा हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां सीपीएम लंबे समय से एक ही व्यक्ति का नाम कई बूथों पर दर्ज कराने में माहिर थी। ऐसे फर्जी नाम हटा दिए गए। उन्होंने बताया कि केरल और तमिलनाडु में बंगाल की तुलना में बहुत कम अपीलें हुईं। बता दें कि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। भाजपा ने 207 सीटें जीतकर तृणमूल कांग्रेस का 15 साल पुराना शासन खत्म कर दिया। इस चुनाव में टीएमसी को केवल 80 सीटें मिलीं। बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार बनी है और सुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की कमान संभाली है। थरूर ने इन्हीं नतीजों और मतदाता सूची में गड़बड़ी के बीच संबंध होने का शक जताया है।

पूर्व पीएम थाकसिन शिनावात्रा आठ महीने बाद जेल से रिहा, भ्रष्टाचार के मामले में ठहराए गए थे दोषी

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की राजनीति में दशकों तक विवाद और ध्रुवीकरण का केंद्र रहे पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा को आज बैंकॉक की जेल से रिहा कर दिया गया। भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में एक साल की सजा काट रहे 76 वर्षीय थाकसिन ने आठ महीने जेल में बिताए, जिसके बाद उन्हें पैरोल पर रिहाई मिली।

बैंकॉक की क्लोंग प्रेम सेंट्रल जेल के बाहर उनके स्वागत के लिए करीब 300 समर्थक और राजनीतिक सहयोगी जुटे। थाकसिन सफेद पोलो टी-शर्ट और नीली पैंट में जेल से बाहर निकले, जहां उनके परिवार ने उन्हें गले लगाया। समर्थकों ने वी लव थाकसिन के नारे लगाए और उन्हें लाल गुलाब भेंट किए। हालांकि, उन्होंने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की।

थाकसिन की राजनीतिक यात्रा और आरोप

थाकसिन शिनावात्रा दूरसंचार कारोबार से जुड़े अरबपति कारोबारी रहे हैं। उन्होंने 1998 में अपनी राजनीतिक पार्टी बनाई और 2001 में थाईलैंड के प्रधानमंत्री बने। 2006 में सेना ने तख्तापलट कर उनकी सरकार को हटा दिया था। उस समय वह विदेश दौरे पर थे। इसके बाद थाई राजनीति लगभग दो दशकों तक गहरे राजनीतिक संघर्ष और

ध्रुवीकरण का शिकार रही। थाकसिन पर सत्ता के दुरुपयोग, अपने कारोबारी हितों को फायदा पहुंचाने और सरकारी लॉटरी परियोजना में अनियमितताओं के आरोप लगे थे। उन्हें अनुपस्थिति में दोषी ठहराया गया था। हालांकि, 2023 में वह स्वदेश लौटे और अदालत के सामने पेश हुए। शुरुआत में उन्हें आठ साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन बाद में थाईलैंड के राजा महा वजिरालोंगकोर्न ने इसे घटाकर एक साल कर दिया। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए थाकसिन को बैंकॉक के पुलिस अस्पताल के विशेष कक्ष में सजा काटने की अनुमति मिली थी। इस फैसले पर विरोधियों ने उन्हें विशेष सुविधा दिए जाने का आरोप लगाया। इसके बाद सितंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जेल में सजा पूरी करने का आदेश दिया था।

स्वास्थ्य कारणों से मिली पैरोल की मंजूरी

हाल ही में न्याय मंत्रालय की एक समिति ने अच्छे आचरण, बढ़ती उम्र और दोबारा अपराध की कम संभावना को देखते हुए उन्हें पैरोल देने की मंजूरी दी। रिहाई के बाद अगले चार महीनों तक वह निगरानी में रहेंगे। उन्हें बैंकॉक स्थित अपने घर में रहना होगा, इलेक्ट्रॉनिक मॉनिटरिंग ब्रेसलेट पहनना होगा और नियमित रूप से अधिकारियों को रिपोर्ट करनी होगी।

थाकसिन की बेटी बनी थी सबसे युवा पीएम: थाकसिन की बेटी पैतोंगटार्न शिनावात्रा 2024 में थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री बनी थीं, लेकिन 2025 में एक विवादित फोन कॉल सामने आने के बाद संवैधानिक अदालत ने उन्हें पद से हटा दिया था। इस साल हुए आम चुनाव में थाकसिन समर्थित फेउ थाई पार्टी तीसरे स्थान पर रही।

● व्यापार और ताइवान पर होगी बड़ी बातचीत

रिश्तों में नया मोड़: नौ साल बाद चीन जाएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

बीजिंग, एजेंसी। करीब नौ साल बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति चीन की आधिकारिक यात्रा पर जा रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को घोषणा की कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 13 से 15 मई तक चीन दौरे पर रहेंगे। यह यात्रा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर हो रही है। ऐसे समय में यह दौरा बेहद अहम माना जा रहा है, जब अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध, होर्मुज जलडमरूमध्य पर संकट और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ी हुई है। साथ ही ताइवान, व्यापार और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे मुद्दों पर अमेरिका और चीन के बीच तनाव भी लगातार बना हुआ है।

व्हाइट हाउस की प्रिंसिपल डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी अन्ना केली के मुताबिक, ट्रंप बुधवार शाम बीजिंग पहुंचेंगे। गुरुवार को उनका भव्य स्वागत समारोह आयोजित होगा, जिसके बाद राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक होगी। कार्यक्रम में टेंपल ऑफ

हेवन का दौरा और राजकीय भोज भी शामिल है। शुक्रवार को दोनों नेता एक बार फिर मुलाकात करेंगे, जहां चाय पर चर्चा और वर्किंग लंच का आयोजन होगा। अमेरिका ने संकेत दिए हैं कि इस साल के अंत में शी जिनपिंग की अमेरिका यात्रा भी हो सकती है।

ट्रंप की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच टैरिफ और व्यापार समझौते को लेकर उम्मीदें तेज हैं। दोनों देशों ने रविवार को घोषणा की कि चीन के उपप्रधानमंत्री हे लिफेंग 12 और 13 मई को दक्षिण कोरिया में अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के साथ अंतिम दौर की व्यापार वार्ता करेंगे। माना जा रहा है कि इन बातचीतों का मकसद ट्रंप की यात्रा से पहले व्यापारिक तनाव को कम करना है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि यह वार्ता दक्षिण कोरिया के बुसान में दोनों नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति और हालिया फोन बातचीत के आधार पर आगे बढ़ेगी। बातचीत में आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों पर फोकस रहेगा। इस बीच, ताइवान का मुद्दा भी ट्रंप-शी वार्ता के केंद्र में रहने वाला है। ट्रंप की यात्रा से पहले वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ताइवान को लेकर अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

ब्रिटेन-फ्रांस की होर्मुज सुरक्षा मिशन: नाराज ईरान ने दी चेतावनी, कहा- एक भी कदम बढ़ा तो देंगे निर्णायक जवाब

तेहरान, एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान ने स्पष्ट शब्दों में ब्रिटेन और फ्रांस के उस साझा प्रयास का विरोध किया है, जिसका उद्देश्य युद्ध की समाप्ति के बाद इस क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना है। हाल के दिनों में फारस की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों ने इस तनाव को और हवा दे दी है।

ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने सोशल मीडिया के माध्यम से संदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में फ्रांसीसी और ब्रिटिश जहाजों की मौजूदगी को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन माना जाएगा। गरीबाबादी के अनुसार, यदि ये देश अमेरिका की किसी भी अवैध कार्रवाई में सहयोग करते हैं, और एक कदम भी बढ़ाते हैं तो ईरानी सशस्त्र बल इसका तत्काल और निर्णायक जवाब देंगे।

बीच फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने स्थिति को स्पष्ट करने का प्रयास किया है। मैक्रों ने कहा कि यह कोई सैन्य तैनाती नहीं है। उन्होंने इसे एक अंतरराष्ट्रीय मिशन बताया, जिसका लक्ष्य हालात अनुकूल होने पर शिपिंग रूट को सुरक्षित करना है। हालांकि, क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर अनिश्चितता बरकरार है। फारस की खाड़ी में बढ़ते हमलों के बीच अमेरिका ने भी व्यापारिक जहाजों को गाइड करने का अपना मिशन फिलहाल रोक दिया है।

मंगल अभियान: जापान ने अंतरिक्ष में उड़ाया नई पीढ़ी का इंजन

घटाया जा सकता है भविष्य के अभियानों की लागत

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने भविष्य के मंगल अभियानों को अधिक हल्का, किफायती और दक्ष बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अंतरिक्ष में नई पीढ़ी के रोटेटिंग डेटोनेशन इंजन का सफल परीक्षण किया है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी जाक्सा और जापानी विश्वविद्यालयों की ओर से विकसित इस प्रायोगिक इंजन ने वास्तविक अंतरिक्ष वातावरण में तरल एथेनॉल और नाइट्रस ऑक्साइड के साथ सफलतापूर्वक काम किया।

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह तकनीक पारंपरिक रॉकेट इंजनों की तुलना में कम जगह में अधिक शक्ति पैदा कर सकती है, जिससे भविष्य के ग्रह अभियानों का भार और लागत दोनों घटाई जा सकती हैं। जाक्सा के अंतर्गत काम करने वाले इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस एंड एस्ट्रोनॉटिकल साइंस (आईएसएएस) के अनुसार, यह परीक्षण नवंबर 2024 में किया गया था, लेकिन मिशन से प्राप्त तकनीकी आंकड़ों के विस्तृत विश्लेषण और सत्यापन के बाद अब इसके परिणामों को प्रमुखता से सार्वजनिक किया गया है। यह परीक्षण लॉन्च किए गए साउंडिंग रॉकेट एस-520-34 के जरिये किया गया। मिशन के दौरान रॉकेट ने शुरुआत में पारंपरिक ठोस ईंधन प्रणाली का उपयोग किया। इसके बाद

डीईएस2 इंजन को सक्रिय किया गया।इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस एंड एस्ट्रोनॉटिकल साइंस (आईएसएएस) के अनुसार इंजन ने अंतरिक्ष में 438 न्यूटन का थ्रस्ट उत्पन्न किया। यह इस बात का महत्वपूर्ण प्रमाण माना जा रहा है कि तरल प्रणोदकों के साथ डेटोनेशन आधारित दहन को पृथ्वी के बाहर वास्तविक उड़ान परिस्थितियों में नियंत्रित तरीके से संचालित किया जा सकता है।

जापानी वैज्ञानिकों ने इस संस्करण में इंजन की संरचना में भी बड़ा बदलाव किया। पहले इस्तेमाल किए गए डबल-सिलेंडर मॉडल की जगह इस बार सिंगल-सिलेंडर डिजाइन अपनाया गया। इससे इंजन को अधिक सरल बनाने और आंतरिक कूलिंग से जुड़ी समस्याओं को कम करने की कोशिश की गई। नागोया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता जिरो कसाहारा के अनुसार, अत्यधिक तापमान सहने योग्य बनाने पर काम जारी है। इस मिशन में आरएटीएस2 नामक एक इनफ्लेटेबल एरोशेल प्रणाली का भी परीक्षण किया गया। एरोशेल ऐसी संरचना होती है, जो किसी अंतरिक्ष यान को ग्रह के वातावरण में प्रवेश के दौरान धीमा करने में मदद करती है।मंगल ग्रह के मामले में यह चुनौती अधिक कठिन मानी जाती है, क्योंकि वहां का वातावरण पृथ्वी की तुलना में बेहद पतला है।

क्रुणाल एक स्ट्रीट फाइटर है जो हार नहीं मानता

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर मार्क ने जमकर तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज मार्क बाउचर ने क्रुणाल पांड्या की जमकर तारीफ की। इस ऑलराउंडर की जुझारू और मैच जिताऊ पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के हालिया मुकाबले में मुंबई इंडियंस पर दो विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। रायपुर की मुश्किल पिच पर जहां शाम भर शॉट खेलना चुनौतीपूर्ण रहा, क्रुणाल ने आरसीबी के तनावपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए 73 रनों की जुझारू पारी खेली, जबकि दूसरी तरफ लगातार विकेट गिरते रहे।

अपनी पारी के दूसरे हाफ में क्रैम्प्स (मांसपेशियों में खिंचाव) से जूझते हुए इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने संयम और सोची-समझी आक्रामकता का मेल दिखाते हुए आरसीबी की उम्मीदें जिंदा रखीं। आखिर में भुवनेश्वर कुमार ने आखिरी ओवर में छक्का लगाकर इस तनावपूर्ण लक्ष्य का पीछा पूरा किया। इस पारी पर बात करते हुए बाउचर ने क्रुणाल को कम स्कोर वाले मुश्किल मुकाबलों के लिए एकदम सही खिलाड़ी बताया।

बाउचर ने कहा, कम स्कोर वाले मैचों में आपको मैच जिताने के लिए स्ट्रीट फाइटर्स की जरूरत होती है। जब मैं क्रुणाल पांड्या को देखता हूं, तो मुझे एक स्ट्रीट फाइटर नजर आता है। उनका खेल हमेशा आंखों को भाने वाला नहीं होता, लेकिन वह जीत का कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेते हैं। वह किसी लड़ाई में उस जैसा है, जो हार नहीं मानता।

विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल और रजत पाटीदार के जल्दी आउट होने के बाद

एएफसी 17 एशियन कप 2026

उज्बेकिस्तान से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुआ भारत

सऊदी अरब (एजेंसी)। इंडियन नेशनल अंडर 17 फुटबाल टीम का एएफसी 17 एशियन कप 2026 में सफर खत्म हो गया। सऊदी अरब के जेद्दा में खेले गए ग्रुप डी मुकाबले में मौजूदा चैंपियन 5 वेकिस्तान नेशनल अंडर 17 फुटबाल टीम ने भारत को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस हार के साथ भारत का फीफा 17 वर्ल्ड कप के लिए पहली बार सीधे क्वालिफाई करने का सपना भी टूट गया।

शुरुआत से दबाव में दिखी भारतीय टीम

पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से मिली भारी हार के बाद भारत के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा था। ब्लू कोल्ट्स ने शुरुआत में सतर्क रणनीति अपनाई, लेकिन उज्बेकिस्तान ने लगातार आक्रामक फुटबॉल खेलते हुए भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाए रखा। हालांकि भारतीय गोलकीपर राजरूप सरकार ने कई शानदार बचाव कर टीम को मैच में बनाए रखा।

गोलकीपर की गलती पड़ी भारी - भारत की मजबूत रक्षापंक्ति 32वें मिनट में टूट गई। राजरूप सरकार गेंद रोकने के लिए तेजी से आगे आए, लेकिन उन्होंने उज्बेक खिलाड़ी अब्दुराइमोव को बॉक्स के अंदर गिरा दिया। रेफरी ने तुरंत पेनल्टी दे दी।

आत्मघाती गोल ने खत्म की उम्मीदें

भारत की वापसी की उम्मीदों को 60वें मिनट में बड़ा झटका लगा, जब Wangkhem Denny Singh ने गलती से गेंद अपने ही गोल में डाल दी। इस आत्मघाती गोल के बाद भारत पूरी तरह दबाव में आ गया।

उज्बेकिस्तान ने तीसरे गोल से लगाई मुहर

78वें मिनट में Akhrorbek Ravshanbekov ने तीसरा गोल कर मुकाबले पर पूरी तरह मुहर लगा दी। उनका पहला शॉट ब्लॉक हुआ, लेकिन उन्होंने रीबाउंड पर तेजी दिखाते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया।

भारत की प्लेइंग इलेवन

राजरूप सरकार (गोलकीपर), शुभम पूनिया, कोरो मेइती कोंथौजाम, मूसा आशिक, अजलान शाह, राज सिंह वाहेंगबाम, डल्लालमुओन गांगटे (कप्तान), लॉमसांगजुआला, इंद्र राणा मगर, गुनलेइबा वांगखेराकपम, वांगखेम डेनी सिंह।

भारत को बराबरी का मौका मिला, लेकिन चूकी टीम

पहले हाफ के इंजरी टाइम में Gunleiba Wangkheirakpam ने शानदार क्रॉस दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी उसे गोल में नहीं बदल सके। दूसरे हाफ में भारत ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया। 56वें मिनट में कप्तान Dallalmuon Gangte की बेहतरीन फ्री-किक क्रॉसबार से टकरा गई। रीबाउंड पर Heeranganba Seram के पास गोल करने का मौका था, लेकिन वह करीब से भी गेंद को नेट में नहीं पहुंचा सके।

आईपीएल का गणित- बेंगलुरु जीत से टॉप पर आई

मुंबई प्लेऑफ से बाहर

मुंबई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल के मौजूदा सीजन की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। उसने रविवार के दूसरे मुकाबले में मुंबई इंडियंस पर 2 विकेट की रोमांचक जीत दर्ज की। इस हार के बाद मुंबई प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई है। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में आखिरी बॉल तक चले मैच का टॉस बेंगलुरु ने जीता था। मुंबई ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 166 रन बनाए। 167 रन का टारगेट बेंगलुरु ने 8 विकेट पर हासिल किया।

दिल्ली के लिए हर मैच जीतना बेहद जरूरी

दिल्ली कैपिटल्स 11 मैचों में 4 जीत के साथ 8 पॉइंट्स लेकर आठवें स्थान पर है। टीम को पिछले 5 मैचों में 4 हार मिली हैं। आज की हार दिल्ली की प्लेऑफ उम्मीदों को लगभग खत्म कर सकती है।

राहुल के पास पहुंच सकती है ऑरेंज कैप

आईपीएल के 19वें सीजन में हैदराबाद के हेनरिक क्लासन टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 494 रन बनाए हैं। उनकी टीम के ही अभिषेक शर्मा 475 रन के साथ दूसरे स्थान पर है। जबकि, दिल्ली के केएल 468 रन के साथ तीसरे नंबर पर है।

2 हार के बाद जीता बेंगलुरु, मुंबई की 8वीं हार

बेंगलुरु को लगातार दो हार झेलने के बाद जीत मिली है। जबकि, मुंबई की टीम सीजन में 8वां मैच हारी है। बेंगलुरु ने अब तक 11 मैच खेल लिए हैं। इनमें से टीम को 7 में जीत मिली है, जबकि उसने 4 मैच गंवाए हैं। फिलहाल, बेंगलुरु की टीम 14 अंक लेकर पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर है। इतने ही अंक हैदराबाद और गुजरात के पास भी हैं, लेकिन बेंगलुरु का नेट रन रेट उनसे बेहतर है।

मुंबई पिछले दो मैच सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में खेली। टीम 11 में से 8 मैच हार चुकी है और 6 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल के 9वें स्थान पर है। इंडियंस की टीम अपने बचे हुए मैच जीतकर 12 तक ही पहुंच सकती है, जोकि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी नहीं है। ऐसे में मुंबई ज्यादा से ज्यादा मैच जीतकर फाइनल टेबल में बेहतर रैंक हासिल करना चाहेगी।

मुंबई आखिरी बॉल पर हारी, प्लेऑफ रेस से बाहर

मुंबई इंडियंस आईपीएल प्लेऑफ से बाहर हो गई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मुंबई को रविवार को रोमांचक मुकाबले में आखिरी बॉल पर हराया। 20वें ओवर की चौथी गेंद पर भुवनेश्वर का सिक्स मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। आरसीबी को आखिरी ओवर में जीत के लिए 15 रन चाहिए थे और उसके 7 विकेट गिर गए थे। राज बावा ने ओवर की तीसरी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड को आउट किया। अब मैच में 3 गेंद बाकी थे और आरसीबी जीत से 9 रन दूर थी। मुंबई की जीत तय लग रही थी, तभी भुवनेश्वर ने ओवर की चौथी गेंद पर सिक्स लगाकर बेंगलुरु की उम्मीदों को फिर जिंदा कर दिया। पांचवीं गेंद पर उन्होंने सिंगल लिया। बेंगलुरु को अब एक गेंद पर जीत के लिए 2 रन चाहिए थे। स्ट्राइक पर रसिख सलाम थे। उन्होंने ओवरपिच गेंद को सामने पुश किया और दौड़ पड़े। पहला रन आसानी से पूरा किया, लेकिन दूसरे रन के लिए लंबी डाइव लगानी पड़ी। इस बीच, विकेटकीपर रिकल्टन ने गिल्लियां उड़ा दीं, जिससे रनआउट का फैसला थर्ड अंपायर के पास चला गया। रिव्यू में पाया गया कि बेल्स गिरने से पहले रसिख क्रीज में पहुंच चुके थे। इस तरह आरसीबी 2 विकेट से जीत गई। इससे पहले बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 166 रन बनाए। 167 रन का टारगेट बेंगलुरु ने 20 ओवर में 8 विकेट पर हासिल किया। इस जीत ने आरसीबी को पॉइंट टेबल में टॉप पर पहुंचा दिया है।

पीबीकेएस के लिए प्रीति जिंटा गोल्डन टेंपल में नतमस्तक

लंगर हॉल में सेवा की, बोलीं- पंजाब का भरपूर प्यार मिला, प्लेऑफ में जरूर पहुंचेंगे

अमृतसर (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा शनिवार रात अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में माथा टेकने पहुंचीं। उन्होंने गुरु घर में नतमस्तक होकर अरदास की। इस दौरान प्रीति जिंटा की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में भी काफी उत्साह देखा गया। कई लोगों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने के बाद प्रीति जिंटा ने लंगर हॉल में सेवा की। उन्होंने संगत को लंगर वितरित किया। मीडिया से बात करते हुए प्रीति जिंटा ने कहा- बाबा जी का बुलावा आया था, उन्होंने बुलाया था तो हम आ गए। उन्होंने बताया कि 11 मई को उनकी पंजाब किंग्स क्रिकेट टीम का महत्वपूर्ण मुकाबला है और वह टीम की जीत के लिए अरदास करने पहुंची हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वाहेगुरु जी की कृपा से उनकी टीम शानदार प्रदर्शन करेगी और सभी मैच जीतने का प्रयास करेगी और प्लेऑफ में पहुंचेगी। इस दौरान उन्होंने टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर का जिक्र करते हुए कहा कि पंजाब के लोग उन्हें प्यार से सरपंच बुलाते हैं, जो टीम के लिए गर्व की बात है। प्रीति जिंटा ने पंजाब के युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि टीम को लोगों से भरपूर प्यार और समर्थन मिल रहा है।

फीफा वर्ल्ड कप में यलो फीवर

हिट गाने 'यलो' की तर्ज पर 9 देशों की किट का रंग

पीला, जर्सी का बॉब मार्ले को ट्रिब्यूट

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 48 टीमों के फीफा वर्ल्ड कप में इस बार एक खास रंग का खुमार सिर चढ़कर बोल रहा है। यह रंग है पीला। दुनिया के मशहूर रॉक बैंड 'कोल्डप्ले' के सुपरहिट गाने 'यलो' की तर्ज पर इस बार 9 देशों ने अपनी होम या अवे किट के लिए सुनहरे और पीले रंग को चुना है। दिलचस्प बात यह है कि वर्ल्ड कप फाइनल के हाफ-टाइम शो में यही कोल्डप्ले बैंड अपनी धुनों का जादू बिखेरता नजर आएगा।

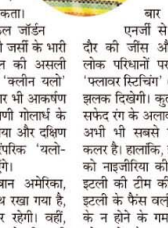

पीली जर्सी का जिक्र हो और ब्राजील का नाम न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। बास्केटबॉल लेजेंड माइकल जॉर्डन के साथ कोलैबोरेशन वाली जर्सी के भारी बज के बावजूद, ब्राजील की असली पहचान उसकी पारंपरिक 'क्लीन यलो' होम जर्सी ही है, जो इस बार भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। वहीं, दक्षिणी गोलार्ध के रग्बी दिग्गज देश ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका भी अपनी पारंपरिक 'यलो-गोल्ड' जर्सी में नजर आएंगे।

ऑस्ट्रेलिया को मेजबान अमेरिका, पराग्वे और तुर्किए के साथ रखा गया है, जहां उन पर खासी नजर रहेगी। वहीं, दक्षिण अफ्रीकी टीम मैक्सिको की धरती पर चेक रिपब्लिक और दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा।

दूसरी ओर, कोलंबिया ने दशकों पुरानी लाल-नीले ट्रिमिंग्स वाली सिंपल पीली जर्सी रखी है। लेकिन पहली बार उतर रहे जमैका की जर्सी इस बार कोलंबिया को भी फीका कर सकती है। जमैका की किट म्यूजिक लेजेंड बॉब मार्ले को ट्रिब्यूट है। इसमें बोल्ड गोल्ड, हरे और रूबी लाल रंग के साथ साउंड वेव्स, विनाइल रिकॉर्ड्स और कैसेट पैटर्न को उकेरा गया है। इसके अलावा 'ब्लैकस्टार' घाना की टीम भी पीली जर्सी में नजर आएगी।

स्वीडन की जर्सी इस बार 70 के दशक की एनर्जी से प्रेरित है। इसमें उस दौर की जींस और पारंपरिक स्वीडिश लोक परिधानों पर मिलने वाली खास 'फ्लावर स्टिचिंग' (फूलों की कढ़ाई) की झलक दिखेगी। कुल मिलाकर टूर्नामेंट में सफेद रंग के अलावा लाल और नीला रंग अभी भी सबसे ज्यादा लोकप्रिय बेस कलर है। हालांकि, इस वर्ल्ड कप में फैंस को नाइजीरिया की क्रिएटिव जर्सी और इटली की टीम की कमी बहुत खलेगी। इटली के फैंस वर्ल्ड कप में अपनी टीम के न होने के गम को भुलाने के लिए कोल्डप्ले के मशहूर दर्द भरे गीत- 'फिक्स यू', 'लॉस्ट' और 'द हार्डेस्ट पार्ट' सुन सकते हैं।

पाकिस्तान और बांग्लादेश दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम का ऐलान, कमिंस-स्टार्क-हेजलवुड बाहर

सिडनी (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया नेशनल क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के आगामी व्हाइट-बॉल दौरे के लिए अपनी टीमों का ऐलान कर दिया है। हालांकि इस दौरे में टीम के स्टार तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड नजर नहीं आएंगे। तीनों खिलाड़ियों को आराम दिया गया है ताकि वे टेस्ट क्रिकेट की तैयारियों पर ध्यान दे सकें।

पाकिस्तान दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ODI स्क्वॉड - मिचेल मार्श (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, राइली मेरिडिथ, ओलिवर पीक, मैथ्यू रेनशॉ, तनवीर संघा, लियाम स्कॉट, मैट शॉर्ट, बिली स्टेनलेक, एडम जम्पा।

बांग्लादेश दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ODI स्क्वॉड - मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, मैथ्यू रेनशॉ, तनवीर संघा, लियाम स्कॉट, एडम जम्पा।

बांग्लादेश टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया स्क्वॉड - मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, जोएल डेविस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मैथ्यू कुहनेमैन, राइली मेरिडिथ, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, एडम जम्पा।

बाउंड्री पर लड़ाई नहीं होनी चाहिए थी

नमन-तिलक विवाद पर भड़के पूर्व भारतीय क्रिकेटर कार्तिक

नईदिल्ली (एजेंसी)। Murali Kartik Naman Dhir और Tilak Varma के बीच हुई बहस पर नाराजगी जताई है। IPL 2026 में Mumbai Indians और Royal Challengers Bengaluru के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले के दौरान दोनों खिलाड़ियों के बीच बाउंड्री लाइन पर तीखी बहस देखने को मिली थी।

कैसे शुरू हुआ पूरा विवाद - आरसीबी की पारी के 18वें ओवर में क्रुणाल पंड्या ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की। नमन धीर ने वाइड लॉन्ग-ऑन पर शानदार प्रयास करते हुए गेंद पकड़ ली, लेकिन संतुलन बिगड़ने के कारण उन्होंने गेंद तिलक वर्मा की तरफ उछाल दी। हालांकि थ्रो थोड़ा गलत दिशा में गया और कैच पूरा नहीं हो सका। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच मैदान पर बहस शुरू हो गई, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया।

'ऐसे समय में बहस की जरूरत नहीं थी' - मुरली कार्तिक ने क्रिकबज पर बातचीत के दौरान कहा कि ऐसे अहम समय में खिलाड़ियों को शांत रहना चाहिए था। उन्होंने कहा, हम बाहर से बैठकर पूरी सच्चाई नहीं जानते, लेकिन जो चीज मुझे खराब लगी, वह नमन धीर और तिलक वर्मा की बातचीत थी। उस समय ऐसी बहस की जरूरत नहीं थी। कार्तिक ने कहा कि क्रुणाल उस समय क्रैम्प से जूझ रहे थे, इसलिए रन नहीं ले पा रहे थे, लेकिन खिलाड़ियों को गेंद तुरंत वापस फेंकनी चाहिए थी।

'कॉमन सेंस और क्रिकेट स्मार्टनेस जरूरी' - कार्तिक का मानना है कि दबाव भरे मुकाबलों में खिलाड़ियों को ज्यादा समझदारी दिखाने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, मैदान पर सभी खिलाड़ी आक्रामक होते हैं, लेकिन ऐसे समय में कॉमन सेंस और क्रिकेट स्मार्टनेस काम आनी चाहिए। बाउंड्री लाइन पर दो खिलाड़ियों का बहस करना अच्छा नहीं लगता।

मुंबई ड्रेसिंग रूम की अफवाहों पर भी बोले - मुरली कार्तिक ने मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम को लेकर चल रही अफवाहों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ समय से मुंबई इंडियंस को लेकर कई तरह की बातें चल रही हैं। पिछले तीन साल टीम के मुताबिक नहीं गए हैं। लेकिन मैं मैदान पर ऐसा माहौल नहीं देखना चाहता था।

बाद में तिलक ने पूरा किया शानदार कैच - हालांकि उसी ओवर में बाद में तिलक वर्मा ने क्रुणाल पंड्या का शानदार कैच पकड़कर टीम को राहत दिलाई। उन्होंने गेंद को हवा में उछालने के बाद बाउंड्री के बाहर जाकर दोबारा कैच पूरा किया। कैच लेने के बाद तिलक और नमन ने एक-दूसरे को हाई-फाइव भी दिया।

सुनील गावस्कर ने कर दी भविष्यवाणी

आईपीएल 2026 के फाइनल में पंजाब, रायल चैलेंजर बेंगलुर की हो सकती टक्कर

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल 2026 के फाइनल को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के प्लेऑफ की रेस से बाहर होने के बाद गावस्कर ने कहा कि उन्हें अब भी पंजाब किंग्स और रायल चैलेंजर बेंगलुरु इस सीजन के फाइनलिस्ट नजर आते हैं।

'हार कभी-कभी टीम के लिए फायदेमंद होती है' - गावस्कर का मानना है कि लगातार हार किसी टीम को फिर से संभलने का मौका देती है और खिलाड़ियों को सतर्क बनाती है। उन्होंने जियोस्टार पर कहा, %मैं अब भी पंजाब किंग्स का समर्थन करूंगा। कई बार कुछ हार टीम को रीसेट होने का मौका देती हैं और खिलाड़ी जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास में नहीं रहते। उन्होंने आगे कहा,

दिल्ली कैपिटल्स ने इस सीजन कई ऐसे मैच गंवाए हैं, जिन्हें उन्हें जीतना चाहिए था। पंजाब को इस दौर की अहमियत पता होगी और वे लगातार हार के बाद आत्मविश्वास खोना नहीं चाहेंगे। मुझे अब भी पंजाब किंग्स और आरसीबी इस सीजन के फाइनलिस्ट लगते हैं।

पीबीकेएस की फॉर्म पर क्या बोले गावस्कर - सीजन की शुरुआत में पंजाब किंग्स ने शानदार प्रदर्शन किया था और पहले सात मैचों में अजेय रही थी। हालांकि इसके बाद टीम लगातार तीन मुकाबले हार चुकी है। बावजूद इसके, 13 अंकों के साथ टीम अभी भी पॉइंट्स टेबल में मजबूत स्थिति में बनी हुई है।

आरसीबी ने मुंबई को हराकर बदला समीकरण - आरसीबी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आखिरी गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में दो विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई।

अंपायर से बहस करना पड़ा भारी, आरसीबी कोच एंडी फ्लावर पर बीसीसीआई का बड़ा एक्शन

नईदिल्ली (एजेंसी)। रायल चैलेंजर बेंगलुरु के हेड कोच एंडी फ्लावर पर आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले के दौरान अंपायर से बहस करने के कारण बीसीसीआई ने कार्रवाई की है। बीसीसीआई ने एंडी फ्लावर पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। उन पर मैच के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगा, जिसे उन्होंने स्वीकार भी कर लिया।

किस बात पर भड़के थे एंडी फ्लावर- यह घटना आरसीबी की रन चेज के 18वें ओवर के दौरान हुई। दरअसल, नमन धीर ने बाउंड्री लाइन के पास क्रुणाल पंड्या का कैच पकड़ने की कोशिश की थी। कैच के दौरान नमन धीर का संतुलन बिगड़ा और ऐसा लगा कि गेंद बाउंड्री के पार जा सकती थी। हालांकि तीसरे अंपायर ने ज्यादा एंगल चेक किए बिना फैसला

सुना दिया, जिससे एंडी फ्लावर नाराज हो गए। फ्लावर चौथे अंपायर से बहस करते हुए काफी गुस्से में दिखाई दिए और इसी दौरान उन्होंने आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया।